THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 98 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.9 2082 शुक्रवार, 4 जुलाई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

तेज बारिश के चलते चारधाम यात्रा रोकी गई

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड में तेज बारिश को देखते हुए चारधाम यात्रा को अस्थाई रूप से रोक दिया गया है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जब यात्रा मार्ग श्रद्धालुओं के लिए पूरी तरह से सुरक्षित होगा, तभी आगे यात्रा शुरू की जाएगी। उत्तराखंड में केदारनाथ मार्ग पर बुधवार रात सोनप्रयाग के पास लैंडस्लाइड हुई और रास्ता बंद हो गया।

इस दौरान 40 श्रद्धालु फंस गए। एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। मौसम विभाग ने आज राजस्थान-मध्य प्रदेश समेत 11 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में पिछले 4 दिन से बारिश का दौर जारी है।

पीएम मोदी ने घाना की संसद को किया संबोधित

‘हमारा लोकतंत्र सिस्टम नहीं संस्कार है’

> आपके दिल में मौजूद गर्मजोशी हमारी ताकत
> भारत सबके भले की बात करता है
> घाना में होना सौभाग्य की बात है

अकारा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय यात्रा पर घाना पहुंचे हैं। गुरुवार को घाना ने पीएम मोदी को घाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ‘द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना’ से सम्मानित किया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने घाना की संसद को संबोधित किया। संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने सर्वोच्च सम्मान देने के लिए आभार जताया।

पीएम मोदी ने कहा कि आज इस प्रतिष्ठित सदन को संबोधित करते हुए मुझे अत्यंत गौरव का अनुभव हो रहा है। घाना में होना सौभाग्य की बात है, यह एक ऐसी भूमि है जो लोकतंत्र की भावना से ओतप्रोत है। पीएम मोदी ने आगे कहा, विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रतिनिधि के रूप में मैं अपने साथ 1.4 अरब भारतीयों की सद्भावना और शुभकामनाएं लेकर आया हूं। घाना से मिले सर्वोच्च सम्मान के लिए मैं 140 करोड़ भारतीयों की तरफ से आभार व्यक्त करता हूं। घाना को सोने की भूमि के रूप में जाना जाता है, न केवल आपकी धरती के नीचे छिपी हुई चीजों के लिए बल्कि आपके दिल में मौजूद गर्मजोशी और ताकत के लिए भी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज मुझे दूरदर्शी राजनेता तथा घाना के प्रिय पुत्र डॉ. क्वामे नक्रूमा को श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने एक बार कहा था कि हमें एकजुट करने वाली ताकतें हमें अलग रखने वाले आरोपित प्रभावों से कहीं अधिक बड़ी हैं। उनके शब्द हमारी साझा यात्रा का मार्गदर्शन करते रहेंगे। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत में 2500 राजनीतिक दल हैं। 20 अलग-अलग पार्टियां अलग-अलग राज्यों में सरकार चला रही हैं। यही वजह है कि भारत में आने वाले लोगों को भारत में भव्य स्वागत होता है। घाना में भारत के लोग उसी तरह घुले-मिले हैं जैसे चाय में शक्कर मिली होती है। पीएम ने कहा, जब हम घाना को देखते हैं तो हम एक ऐसे राष्ट्र को देखते हैं जो साहस के साथ खड़ा है।

पीएम मोदी को घाना ने अपने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा अब तक 24 देश कर चुके हैं सम्मानित

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों के दौरे पर हैं। पीएम मोदी को दुनिया भर में सम्मान मिलता है। पीएम मोदी को 24 देश अपना सर्वोच्च सम्मान भी दे चुके हैं। गुरुवार यानी 3 जुलाई को घाना ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया।

घाना दौरे पर गए प्रधानमंत्री मोदी को बुधवार को उनके ‘प्रतिष्ठित राजनेता और प्रभावशाली वैश्विक नेतृत्व’ के लिए सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान ‘द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना’ से सम्मानित किया गया।

फार्मा प्लांट विस्फोट में नौ लोग अभी भी लापता

डीएनए से होगी पहचान, घटनास्थल का दौरा करेगी विशेष टीम

हैदराबाद, 3 जुलाई (एजेंसियां)। तेलंगाना के मच्छामैलारम में सिगाची इंडस्ट्रीज के फार्मा प्लांट में हुए विस्फोट में नौ लोग अभी भी लापता हैं। इसमें पांच श्रमिक ओडिशा के हैं। विस्फोट के बाद मिले अज्ञात शवों की पहचान के लिए डीएनए का मिलान किया जाएगा। इसके साथ ही विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए राज्य सरकार की विशेष टीम गुरुवार को घटनास्थल का दौरा किया। विस्फोट में अब तक 40 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। एसपी पंकज ने कहा कि नौ लोग लापता हैं। लेकिन जब हमें एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लैब) से हड्डियों और अन्य चीजों की रिपोर्ट मिल जाएगी, तब चीजें स्पष्ट हो जाएंगी। मलबा हटाने का 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और अब आगे किसी शव के मिलने की आशंका नहीं है। वहीं विस्फोट में ओडिशा के चार श्रमिकों की मौत हो चुकी है। जबकि पांच अन्य श्रमिक लापता हैं।

उनके रिश्तेदार अज्ञात शवों के डीएनए मिलान के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। चार लापता व्यक्तियों के रिश्तेदारों ने डीएनए नमूने दे दिए हैं, जबकि पांचवें व्यक्ति के रिश्तेदार आज तेलंगाना पहुंचेंगे। लापता लोगों में नबरंगपुर जिले के दो, गंजम के दो और कटक का एक श्रमिक शामिल है। ओडिशा परिवार निदेशालय के विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) प्रीतिश पांडा ने बताया कि प्रशासन के मुताबिक विस्फोट के वक्त फैक्टरी में 143 लोग काम कर रहे थे। ओडिशा के कुछ लोग अलग-अलग सेक्शन में काम कर रहे थे। उनमें से चार की मौत हो गई, चार घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है और पांच अन्य अभी भी लापता हैं। ओडिशा के मृतकों की पहचान गंजम जिले के छत्रपुर निवासी आर जगनमोहन, कटक जिले के तिगिरिया निवासी लग्नजीत दुआरी, बालासोर जिले के सिमुलिया निवासी मनोज राउत और जाजपुर जिले के धर्मशाला निवासी डोलगोविंद साहू के रूप में हुई है। घायलों में गंजम जिले के समीर पाधी, भद्रक के चंदन कुमार नायक, नबरंगपुर के नीलांबर भद्रा और चित्रसेन बत्रा शामिल हैं।

लापरवाही से वाहन चलाया तो इंश्योरेंस कंपनियां मुआवजे देने के लिए जिम्मेदार नहीं

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि अगर कोई व्यक्ति लापरवाही से वाहन चलाते हुए मारा जाता है तो इंश्योरेंस कंपनियां उसके परिजनों को मुआवजा देने के लिए जिम्मेदार नहीं हैं।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने मृतक के परिजनों की 80 लाख रुपये मुआवजे की मांग को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भी मृतक के परिजनों की मुआवजे की मांग को खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप नहीं करेंगे, इसलिए विशेष याचिका खारिज की जाती है। 18 जून 2014 को एनएस रविशा मल्लासांद्रा गांव से अरासीकेरे शहर जा रहा था। गाड़ी में उसके पिता, बहन और बहन के बच्चे भी सवार थे। सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि रविशा ने लापरवाही से तेज गति से गाड़ी चलाई और ट्रैफिक नियमों का भी पालन नहीं किया। जिसके चलते कार सड़क पर पलट गई। हादसे में रविशा को गंभीर चोट लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि लापरवाही से गाड़ी चलाने के चलते हादसा हुआ। ऐसे में मृतक के उत्तराधिकारी मुआवजे के लिए दावा नहीं कर सकते। उच्च न्यायालय ने कहा कि यह ऐसा होगा कि हम किसी की गलती के लिए उसे मुआवजा दे रहे हैं।

दलाई लामा के उत्तराधिकारी चुनाव पर भारत ने चीन को फटकारा

> कहा-फैसला सिर्फ तिब्बती धर्मगुरु लेंगे

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। दलाई लामा के उत्ताराधिकारी के चुनाव को लेकर विवाद के बीच अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने चीन को फटकार लगाई है। रिजिजू ने गुरुवार को साफ शब्दों में कहा कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी को चुनने का निर्णय स्थापित संस्था और दलाई लामा ही लेंगे। इसमें किसी अन्य की कोई भूमिका नहीं होगी।

तिब्बत के सर्वोच्च धमर्गुरु 14वें दलाई लामा ने जब से अपने उत्तराधिकारी को चुनने का एलान किया है, तब से चीन इस चुनाव में हस्तक्षेप करना चाहता है। चीन का कहना है कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी को बीजिंग सरकार से मंजूरी लेनी होगी। बुधवार को तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने कहा कि दलाई लामा संस्था जारी रहेगी और केवल गादेन फोडरंग ट्रस्ट को ही उनके उत्तराधिकारी को मान्यता देने का अधिकार होगा। रिजिजू ने कहा कि दलाई लामा बौद्धों के लिए सबसे महत्वपूर्ण और निर्णायक संस्था हैं।

उन्होंने आगे कहा कि उनके अगले अवतार का चुनाव स्थापित परंपरा और दलाई लामा की इच्छा के अनुसार होना चाहिए। उनके और मौजूदा परंपराओं के अलावा किसी और को इसका निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। बौद्ध धर्म को मानने वाले रिजिजू और उनके साथी केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 6 जुलाई को धर्मशाला में दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 14वें दलाई लामा तिब्बतियों और बौद्ध धर्म की नालंदा परंपरा का पालन करने वाले सभी लोगों के लिए सबसे महत्वपूर्ण संस्था हैं।

चुनाव आयोग ने सपा और वाईएसआर कांग्रेस से किया सीधा संवाद, पारदर्शिता बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से सीधा संवाद शुरू किया है। इसी कड़ी में बृहस्पतिवार को आयोग ने समाजवादी पार्टी (सपा) और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। यह बैठक आयोग की उस नई पहल का हिस्सा है, जिसके तहत वह राष्ट्रीय और राज्य स्तर के राजनीतिक दलों से सीधे सुझाव और चिंताएं जान रहा है।

चुनाव आयोग ने हाल ही में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पार्टियों से मिलना शुरू किया है। आयोग का मानना है कि इससे राजनीतिक दलों और आयोग के बीच पारदर्शिता बढ़ेगी और चुनाव प्रणाली को और बेहतर बनाया जा सकेगा। इससे पहले आयोग तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से भी इसी तरह की बैठक कर चुका है। अब सपा और वाईएसआर कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक हुई।

पांच राष्ट्रीय दलों से हो चुकी है चर्चा :

चुनाव आयोग अब तक छह में से पांच राष्ट्रीय पार्टियों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर चुका है। इन बैठकों में राजनीतिक दल अपनी समस्याएं, सुझाव और चुनाव प्रक्रिया को लेकर चिंता जाहिर कर सकते हैं। आयोग का कहना है कि इस पहल से लंबे समय से चली आ रही संवाद की जरूरत पूरी हो रही है। बैठक में समाजवादी पार्टी और वाईएसआर कांग्रेस के नेताओं ने चुनाव से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक, इन दलों ने अपने सुझाव रखे और कुछ चुनाव सुधारों पर अपनी राय भी दी। हालांकि, बैठक का पूरा ब्योरा सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन आयोग ने कहा कि सभी पक्षों की राय को गंभीरता से लिया जाएगा।

बख्तरबंद गाड़ियां, इलेक्ट्रॉनिक वॉर तकनीक, घातक मिसाइलें

भारत ने की 1.05 लाख करोड़ की बिग डिफेंस डील, चीन-पाकिस्तान के छूटेंगे पसीने

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पूरी दुनिया को अपनी ताकत दिखाने वाले भारत का डिफेंस सेक्टर तेजी से विकास कर रहा है। भारत की बढ़ती सैन्य ताकत को देखकर पाकिस्तान और चीन के पसीने छूटना लाजमी है।

दरअसल गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने करीब 1.05 लाख करोड़ रुपये की 10 बड़े रक्षा सौदों को मंजूरी दी है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह पूरी डील ‘भारतीय आईडीडीएम खरीदे’ कैटेगरी के तहत होने वाली है ताकि देश में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिले। इसका मतलब है कि अब भारत में ही डिजाइन और विकसित किए गए उत्पादों को खरीदा जाएगा। इससे देश में ही रक्षा उपकरणों का निर्माण बढ़ेगा।

रक्षा मंत्रालय ने लगभग 1.05 लाख करोड़ रुपये मूल्य के ‘सैन्य हार्डवेयर’ और ‘प्लेटफार्मों’ की बड़ी डील को मंजूरी दे दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने इन खरीद परियोजनाओं को मंजूरी दी। आधिकारिक बयान के अनुसार, डीएसी ने बख्तरबंद रिकवरी वाहनों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, तीनों सेनाओं के लिए एकीकृत सामान्य इन्वेंट्री प्रबंधन प्रणाली और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की खरीद को मंजूरी दे दी।

पहले से और ताकतवर होगी भारतीय सेनाएं :

बयान में कहा गया है कि इन खरीद से सशस्त्र बलों की अभियानगत तैयारियां और बेहतर होंगी। ‘माइन काउंटर मेजर वेसल’, ‘सुपर रैपिड गन माउंट’ और ‘सबमर्सिबल ऑटोनॉमस वेसल’ की खरीद को भी मंजूरी दी गई। मंत्रालय ने कहा, इन खरीद से नौसेना और व्यापारिक जहाजों के लिए संभावित खतरों को कम करने में मदद मिलेगी।

पुरी भगदड़ की जांच तेज

ओडिशा सरकार ने जनता से की जानकारी साझा करने की अपील

पुरी, 3 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी में महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान हुई भगदड़ में तीन लोगों की मौत और करीब 50 लोगों के घायल होने के बाद राज्य सरकार ने जांच तेज करा दी है। राज्य सरकार ने सार्वजनिक नोटिस जारी करके लोगों से भगदड़ से संबंधित सूचना, वीडियो फुटेज या अन्य सामग्री साझा करने की अपील की है।

ओडिशा के योजना एवं अभिसरण विभाग की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति या संगठन इस बारे में जानकारी साझा कर सकता है कि ऐसी घटना कैसे घटित हुई? लोग 20 जुलाई तक ई-मेल के माध्यम से सूचना, वीडियो फुटेज या अन्य सामग्री साझा करें। नोटिस में यह भी कहा गया है कि इच्छुक व्यक्ति नौ जुलाई को दोपहर तीन बजे के बाद भुवनेश्वर स्थित राज्य अतिथि गृह में विकास आयुक्त एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव अनु गर्ग से तथा 10 जुलाई को दोपहर 3 बजे के बाद पुरी स्थित विशेष सर्किट हाउस में उनसे मिलकर जानकारी साझा कर सकते हैं। राज्य सरकार ने लोगों को भगदड़ त्की जांच में लगी टीम को अपनी जानकारी देने में सुविधा प्रदान करने के लिए भुवनेश्वर के दो लैंडलाइन टेलीफोन नंबर (0674-2536882/2391970) भी उपलब्ध कराए हैं।

जांच टीम ने किया घटनास्थल का दौरा :

राज्य सरकार ने जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़ के कुछ ही घंटों बाद विकास आयुक्त और अतिरिक्त मुख्य सचिव अनु गर्ग की अध्यक्षता में प्रशासनिक जांच के आदेश दिए थे। गर्ग ने घटनास्थल का दौरा करके प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। टीम ने पुलिस समेत विभिन्न हितधारकों से बातचीत भी की है। उन्हें 30 दिनों के भीतर मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को रिपोर्ट सौंपनी है। सरकार ने बुधवार को जांच को आगे बढ़ाने और एक महीने की समय सीमा को पूरा करने में गर्ग की सहायता के लिए चार सदस्यीय ओएएस अधिकारियों की एक टीम गठित की।

चीनी इंजीनियरों की वापसी पर सियासत

‘चीन भारत की रीढ़ तोड़ रहा, सरकार चुप क्यों?’

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और चीन के रिश्तों को लेकर सियासत एक बार फिर गरमा गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार की चीन नीति पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने चीन द्वारा भारत में काम करने वाले इंजीनियरों की वापसी और भारत के लिए जरूरी खनिजों पर चीन की पाबंदी को लेकर सवाल उठाए। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की ‘चीनी गारंटी’ की कोई एक्सपायरी डेट नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार ने ‘मेक इन इंडिया’ और ‘आत्मनिर्भर भारत’ जैसे बड़े-बड़े दावे किए, लेकिन हकीकत ये है कि चीन को भारत में निवेश और काम करने का खुला न्योता दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने चीनी इंजीनियरों को आसानी से वीजा दिए ताकि वे यहां की कंपनियों में काम कर सकें और पीएलआई स्कीम का फायदा उठा सकें।

चीनी इंजीनियरों की वापसी पर कांग्रेस का कटाक्ष :

खड़गे ने दक्षिण भारत में फॉक्सकॉन के आईफोन प्लांट से चीनी इंजीनियरों के बाहर जाने की खबर का हवाला देते हुए कहा कि ये सरकार की असफलता का उदाहरण है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चीन भारत की रीढ़ तोड़ रहा है और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि चीन ने भारत के लिए दुर्लभ खनिजों और ‘रियर अर्थ मैग्नेट्स’ के निर्यात पर सख्त पाबंदी लगा दी है। ये खनिज ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा और हाई सिक्योरिटी करंसी प्रिंटिंग के लिए बेहद जरूरी हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार इस मुद्दे पर क्या कदम उठा रही है?

खरगे ने कहा कि भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग के प्रतिनिधिमंडल को चीन में अधिकारियों से मिलने तक की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे भारत की आत्मनिर्भरता पर बड़ा असर पड़ेगा और चीन खुलेआम भारत के हितों को नजरअंदाज कर रहा है।

कांवड़ यात्रा पर चुनावी रोटी सेंकना सही नहीं : अधीर रंजन चौधरी

मुर्शिदाबाद, 3 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार द्वारा कांवड़ यात्रा मार्ग में पड़ने वाली दुकानों के बाहर नेम प्लेट लगाए जाने को लेकर सियासत तेज हो गई है। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता अधीर रंजन ने प्रतिक्रिया दी और कांवड़ यात्रा को लेकर राजनीति न करने की सलाह दी। कांग्रेस नेता अधीर रंजन ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, कांवड़िए युग-युग से कांवड़ लेकर जाते हैं, लेकिन उनको लेकर जमकर राजनीति हो रही है। कांवड़ यात्रा को लेकर ये निर्देश दिया गया है कि जिस मार्ग पर कांवड़िए चलेंगे, वहां दुकान और रेस्टोरेंट के मालिकों का नाम लिखना अनिवार्य है। मुझे लगता है कि कांवड़ यात्रा को लेकर इस तरह से भेदभाव नहीं होना चाहिए, जो पिछले कई सालों से होता आ रहा है।

‘जब वो वक्त आएगा, तब देखेंगे’

> अमेरिकी सांसद के नए रूस विरोधी बिल पर बोले जयशंकर

वॉशिंगटन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्री डॉ.एस जयशंकर अमेरिका दौरे पर हैं। बुधवार को उनसे अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम के नए विधेयक को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि भारतीय दूतावास और हमारे राजदूत लिंडसे ग्राहम के संपर्क में हैं, बाकी जब विधेयक पारित होगा तो उस वक्त देखा जाएगा कि क्या करना है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंतित है और इस बारे में ग्राहम को भी समझाने की कोशिश हो रही है। गौरतलब है कि अमेरिका के सीनेटर लिंडसे ग्राहम रूस प्रतिबंध विधेयक ला रहे हैं, जिसमें रूस से तेल, गैस, यूरेनियम और अन्य उत्पाद खरीदने वाले देशों से अमेरिका में आने वाले सामान पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रावधान है। अगर ऐसा होता है तो भारत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं क्योंकि जब से रूस यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ है, तब से भारत अपनी जरूरत के तेल का बड़ा हिस्सा रूस से ही खरीद रहा है। अब स्थिति ये है कि भारत जितना तेल खाड़ी देशों से खरीदता है, उससे ज्यादा अकेले रूस से खरीद रहा है। जब डॉ. जयशंकर से लिंडसे ग्राहम के बिल को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि सीनेटर लिंडसे ग्राहम के बिल की बात है तो जो कुछ भी हो रहा है और ये हमारे हितों पर भी असर डाल सकता है, इसलिए हम लिंडसे ग्राहम के संपर्क में हैं। हमारे राजदूत उनसे बात कर रहे हैं। हमारे ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चिंताओं की उन्हें जानकारी दे दी गई है। लिंडसे ग्राहम के इस बिल को सीनेट में 80 सीनेटर्स का समर्थन मिल चुका है।

पद्म श्री सुदर्शन पटनायक का एक्स अकाउंट हैक, साइबर सेल में शिकायत दर्ज

भुवनेश्वर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। आए दिन अक्सर लोगों के सोशल मीडिया अकाउंट हैक होते रहते हैं। विश्व प्रसिद्ध रेत कलाकार और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित सुदर्शन पटनायक का एक्स एकाउंट को हैकरों ने हैक कर लिया है। पिछले पांच दिनों से पटनायक का एक्स एकाउंट हैक किया गया है। उन्होंने इस संदर्भ में राज्य पुलिस की साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है। सुदर्शन पटनायक ने अकाउंट को बहाल करने के लिए मदद की अपील की। पटनायक ने कहा है कि मैंने इस संबंध में ओडिशा पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ में शिकायत दर्ज कराई है। मैंने 'एक्स' सपोर्ट टीम को भी सूचित कर दिया है। हालांकि, खाता अभी तक पुनर्प्राप्त नहीं किया जा सका है। यह दूसरी बार है जब मेरा 'एक्स' अकाउंट हैक किया गया है। पटनायक ने कहा है कि दुनिया भर से मेरे बहुत सारे फॉलोअर्स हैं और मैं अकाउंट के दुरुपयोग को लेकर बेहद चिंतित हूं। उन्होंने लोगों के अपील की कि मेरे एक्स अकाउंट के किसी भी मैसेज का जवाब देने से बचें।

‘मैं ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर हूं’ महाराष्ट्र सरकार के मंत्री ने किया अवैध बाइक टैक्सी के नेटवर्क को एक्सपोज

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में एक अधिकारी ने पिछले दिनों दावा किया था कि मुंबई में अवैध बाइक टैक्सी नहीं चलती हैं। अधिकारी के इस दावे को लेकर महाराष्ट्र सरकार के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने इसकी जांच कर डाली, जिसमें उन्होंने एक रैपिडो बाइक को रंगे हाथों पकड़ा, जो अवैध रूप से ऐप के माध्यम से यात्रियों की बुकिंग कर रही थी। इस तरह, परिवहन मंत्री ने खुद उस संगठन को बेनकाब कर दिया जो बिना प्राधिकरण के ‘बाइक ऐप’ चला रहा था। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने अधिकारी के दावे की हकीकत पता करने के लिए खुद ही रेपिडो का इस्तेमाल किया।

उन्होंने एक बाइक बुक की और 10 मिनट के भीतर बाइक उन्हें लेने पहुंच गई। इस दौरान उन्होंने बाइक सवार ड्राइवर को 500 रुपये बतौर किराया देने की पेशकश की और कहा कि मुंबई में बाइक टैक्सी अवैध है। मंत्री बाइक ड्राइवर से कहा कि मैं परिवहन मंत्री हूं। मुंबई में बाइक टैक्सी अवैध है। ये नियम आपके लाभ के लिए ही है। उन्होंने आगे कहा, ‘आप यहां आइए, इसके लिए मैं आपको 500 रुपये दे रहा हूं’ हालांकि बाइक ड्राइवर ने मंत्री से पैसे लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद मंत्री ने कहा कि तुम जैसे गरीब व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज करके हमें कुछ हासिल नहीं होने वाला है, लेकिन इसके पीछे जो लोग छिपे हैं, उनको सजा मिलनी चाहिए, हमारी मंशा यही है।

आईआरईओ ग्रुप मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली हाई कोर्ट का झटका

दायर की गई हर याचिका पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। आईआरईओ ग्रुप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की जांच को सही ठहराते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता गुलशन बब्बर की विभिन्न याचिकाओं को खारिज कर दिया। गुलशन बब्बर पर 1.25 लाख रुपये का जुर्माना लगाते हुए न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता ने जानबूझकर गलत तरीके तथ्यों को पेश किया। साथ ही घर का खरीदार होने और बिल्डर की ओर से ठगे जाने का झूठा बयान भी दिया। जबकि, याचिकाकर्ता ने यह स्वीकार किया है कि उसने आईआरईओ प्रोजेक्ट्स में कोई वित्तीय निवेश नहीं किया था। ये बयान गुमराह करने के लिए दिया गया।

अदालत को गुमराह करने के लिए दिए झूठे बयान

पीठ ने कहा कि एक अधिवक्ता होने के नाते याची कानूनी प्रक्रियाओं से परिचित है, इसके बावजूद भी याचिकाकर्ता ने अदालत को गुमराह करने के लिए रिकार्ड के विपरीत झूठे बयान दिए। पीठ ने प्रति याचिका 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए खारिज कर दी। 1.25 लाख रुपये दिल्ली हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति (डीएचसीएलएससी) को दो सप्ताह में जमा करने का आदेश दिया। पीठ ने साथ ही इसके एक सप्ताह के भीतर याचिकाकर्ता द्वारा अनुपालन संबंधी हलफनामा दायर करने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि रिकार्ड पर पेश किए गए तथ्यों से पता चलता है कि ईडी घर खरीदारों के कहने पर जांच कर रहा थी और इसकी निगरानी पंचकूला के विशेष न्यायालय (पीएमएलए) द्वारा की जा रही है। याचिकाकर्ता ने घर खरीदारों की शिकायत पर ईडी द्वारा कोई निषक्रियता का आरोप नहीं लगाया है।

याचिकाकर्ता ईडी की दलीलों को गलत साबित नहीं कर सका

ईडी ने रिकार्ड पर ऐसे तथ्य भी रखे हैं, जिससे पता चलता है कि अपराध की पहचान की गई। आय के लिए उचित कुर्की आदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता बैंकों से लिए गए ऋणों के गलत तरीके से डायवर्जन के आरोपों के संबंध में अधिकार क्षेत्र की कमी के कारण ईडी की दलीलों को गलत नहीं साबित कर सका। ऐसे में ईडी की जांच में निष्क्रियता का मामला बनाने में विफल याचिकाकर्ता विफल रहे हैं। याचिका के अनुसार गुलशन बब्बर ने ईडी और सीबीआइ को एक रियल एस्टेट कंपनी द्वारा धन की हेराफेरी की जांच करने का निर्देश देने की मांग की थी।

याचिका में ईडी पर कम संपत्ति जब्त करने था आरोप

साथ ही आरोप लगाया था कि आईआरईओ ग्रुप के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने न तो उचित जांच की और न ही संपत्ति जब्त की। याचिका में तर्क दिया गया था कि ईडी ने अपराध की आय के रूप में 4,246 करोड़ रुपये की पहचान की थी, जबकि उसने केवल 1,317 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की। याचिका में कहा गया कि इसमें ईडी ने जानबूझकर दिल्ली में 149 एकड़ की भूमि, गुड़गांव की संपत्तियां और विदेशी निवेश जैसी उच्च मूल्य वाली संपत्तियां शामिल नहीं की गईं।

'किसान मर रहे हैं और सरकार तमाशा देख रही है'

महाराष्ट्र में 767 किसानों ने की खुदकुशी; राहुल गांधी ने केंद्र को घेरा

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में किसानों की उपेक्षा के मुद्दे पर राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा कि महाराष्ट्र में तीन महीनों में 767 किसों ने आत्महत्या कर ली है, लेकिन सरकार इस मुद्दे पर चुप है। सरकार से सवाल करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि क्या ये सिर्फ एक आंकड़ा है? अब ये 767 परिवार जो कभी नहीं संभल पाएंगे। रिपोर्ट को साझा करते हुए उन्होंने यह भी लिखा कि किसान हर दिन कर्ज में और गहराई तक डूब रहा है। बीज महंगे हैं, खाद महंगी है, डीजल महंगा है, लेकिन एमएसपी की कोई गारंटी नहीं। जब वो कर्ज माफी की मांग करते हैं, तो उन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन जिनके पास करोड़ों हैं?

उनके लोन मोदी सरकार आराम से माफ कर देती है। प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करते हुए राहुल गांधी ने उन पर वादे से मुकरने का भी आरोप लगाया। राहुल गांधी ने लिखा, 'मोदी जी ने कहा था, किसान की आमदनी दोगुनी करेंगे, लेकिन आज हाल ये है कि अन्नदाता की जिंदगी ही आधी हो रही है। ये सिस्टम किसानों को मार रहा है और मोदी जी अपने ही पीआर का तमाशा देख रहे हैं।

कुदरत का ये कैसा न्याय? बिना हाथों के पैदा हुई बच्ची

मासूम का वीडियो देख नम हो जाएंगी आखें!

रायसेन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रायसेन से बड़ा ही हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक महिला ने बिना हाथों वाली बच्ची को जन्म दिया है। इस बच्ची को देखकर डॉक्टर समेत हर कोई हैरान रह गया है। बच्ची को देखने के लिए अस्पताल में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखकर आपकी भी आखें नम हो जाएंगी। यह घटना 2 जुलाई 2025 को रायसेन जिले के बेगमगंज सिविल अस्पताल में हुई है।

इस घटना से परिवार समेत हर कोई हैरान है। जब रोशनी नाम की एक महिला ने बिना हाथ की बच्ची को जन्म दिया। इसी वजह से परिवार के लोगों में बच्ची के पैदा होने की कोई खुशी नहीं है। देखें वीडियो। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि बिना हाथ की बच्ची को देखने के लिए कैसे लोगों की भीड़ लग गई है। यह घटना परिवार और अस्पताल कर्मचारियों के बीच चर्चा का विषय बन गई है। बच्ची के कंधों से हाथ पूरी तरह अनुपस्थित हैं, जिसके कारण डॉक्टरों का कहना है कि बच्ची को भविष्य में कई बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

हालांकि बच्ची की सुंदरता ने लोगों को अपनी तरफ आकर्षित किया हुआ है। बता दें कि बच्ची की सुंदरता को देखने के लिए लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई है और डॉक्टरों का कहना है कि बच्ची स्वास्थ्य है। लेकिन हाथ न होनें की वजह से बच्ची को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

ऑनलाइन ड्रग्स मंगवाकर टेलीग्राम के जरिए सप्लाई करता था 19 साल का छात्र, ऐसे पकड़ा गया

भोपाल, 3 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से नशे की तस्करी का ऐसा मामला सामने आया है जिसके बारे में सुनकर हर कोई हैरान हो रहा है। एक 19 साल का छात्र ऑनलाइन एलएसडी ड्रग्स मंगाकर भोपाल में तस्करी कर रहा था। एनसीबी दिल्ली की भोपाल शाखा के इनपुट पर भोपाल क्राइम ब्रांच ने आरोपी छात्र को गिरफ्तार कर लिया है। भोपाल क्राइम ब्रांच की टीम एवं नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो दिल्ली की भोपाल ब्रांच द्वारा भोपाल क्राइम ब्रांच की टीम एवं नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो दिल्ली की भोपाल ब्रांच द्वारा नशे के विरूद्ध संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी छात्र को एलएसडी ड्रग्स के साथ पकड़ा गया है।

देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस का बयान

बोलीं- हिंदी को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने बुधवार को कहा कि स्कूलों में हिंदी पढ़ाई जानी चाहिए क्योंकि इससे देश भर के लोगों को आपस में जोड़ने में मदद मिलती है। यह टिप्पणी विपक्ष को सरकार को घेरने का नया मौका दे सकती है। अमृता का यह बयान भाजपा नीत सरकार द्वारा उस सरकारी आदेश (जीआर) को वापस लेने के तीन दिन बाद आया है, जिसके तहत पहली से पांचवीं कक्षा तक हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शामिल किया गया था। अमृता फडणवीस ने यहां संवाददाताओं से कहा, ‘‘महाराष्ट्र के लिए मराठी नंबर एक (भाषा) है, इसमें कोई संदेह नहीं है। वैश्विक स्तर पर संवाद करने के लिए अंग्रेजी उपयोगी है। लेकिन उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक देश भर के लोगों से जुड़ने के लिए, मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि हिंदी को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा सकता है।’’उन्होंने कहा कि छात्रों को उपलब्ध भाषा विकल्पों में से चुनने की स्वतंत्रता होनी चाहिए।

बता दें कि महाराष्ट्र में हिंदी भाषा को लेकर इन दिनों बवाल मचा हुआ है। कभी किसी को हिंदी बोलने के लिए मारा-पीटा जा रहा है तो कभी स्कूलों में हिंदी पढ़ाए जाने को लेकर विरोध किया जा रहा है। इसी कड़ी में बीते दिनों शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे एक साथ आ गए थे।

इस बीच राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने पहली बार संयुक्त रूप से पत्र जारी किया। यह संयुक्त पत्र मराठी लोगों को संबोधित करते हुए लिखा गया है। दरअसल उद्धव और राज ठाकरे ने इस पत्र के जरिए 5 जुलाई को होने वाले जनसभा का निमंत्रण लोगों को दिया है। बता दें कि राज ठाकर की पार्टी के ही कार्यकर्ताओं द्वारा अक्सर हिंदी बोलने वाले लोगों को मारा-पीटा भी जा रहा है।

बिहार विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की एंट्री, केजरीवाल बोले- अपने दम पर लड़ेंगे

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इस चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इस बीच आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि आम आदमी पार्टी बिहार में अपने दम पर विधानसभा चुनाव लड़ने जा रही है। बता दें कि गुरुवार को दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अरविंद केजरीवाल ने यह बयान दिया। इस दौरान उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि बिहार में आम आदमी पार्टी किसी गठबंधन के साथ चुनाव नहीं लड़ेगी।

इंडिया गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव के लिए था। बता दें कि आम आदमी पार्टी बिहार के सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही है। इसे लेकर भाजपा नेता अजय आलोक ने कहा, 'अरे कपटीवाल जी, सुनें बिहार में 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। बिहार में किसी से गठबंधन नहीं करेंगे। बिहारियों और पूर्वांचलियों ने दिल्ली में सर मुंड दिया आपका, दिल्ली से भगा दिया, आपका मन नहीं भरा। पंजाब नाम के एटीएम का कितना यूज करेंगे।

3 साल में डेढ़ लाख करोड़ का कर्जा पंजाब पर चढ़ा दिया। गुजरात में लड़िएगा, बिहार में लड़िएगा। पंजाब एटीएम को गजब चूस रहे हैं। आइए बिहार में लड़िए चुनाव। राजनीतिक हैसियत और राजनीतिक औकात दोनों का पता आपको चल जाएगा। वेलकम टू बिहार, मिस्टर कपटीवाल।' बता दें कि इस साल के अंत में बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसे लेकर राजनीति भी तेज हो गई है और सभी राजनीतिक दलों द्वारा जोर आजमाइश की जा रही है। बीते दिनों चुनाव आयोग ने जन सुराज पार्टी को आगामी चुनावों के लिए 'स्कूल बैग' चुनाव चिह्न आवंटित किया था।

पार्टी के सभी 243 प्रत्याशी इस निशान पर चुनाव मैदान में उतरेंगे। जन सुराज पार्टी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि 'स्कूल बैग' शिक्षा और प्रगति का प्रतीक है, जो उनकी विचारधारा को दर्शाता है। बता दें कि जन सुराज बिहार में एक उभरता हुआ राजनीतिक दल है, जिसकी स्थापना प्रशांत किशोर ने की है।

रिश्वत के साथ पकड़ा गया था डीएसपी का गनमैन अब डीएसपी को भी जांच में शामिल करेगी विजिलेंस

बठिंडा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। एक केस से नाम निकालने की एवज में एक लाख रुपये रिश्वत लेते हुए विजिलेंस द्वारा पकडे.गए गनमैन राज कुमार के मामले में भुच्चो के डीएसपी रविंदर सिंह रंधावा को भी जांच में शामिल किया जाएगा। विजिलेंस से जुडे. एक सूत्र ने खुलासा करते हुए बताया कि डीएसपी को जल्दी ही विजिलेंस द्वारा जांच में शामिल होने संबंधी नोटिस जारी किया जा सकता है। वहीं विजिलेंस के पास शुक्रवार तक रिमांड पर चल रहे गनमैन राज कुमार ने विजिलेंस अधिकारियों के सामने पूछताछ के दौरान कई खुलासे किए हैं। विजिलेंस से जुडे. एक सूत्र ने बताया कि शुक्रवार को आरोपी गनमैन का रिमांड समाप्त होने पर उसे फिर से अदालत में पेश किया जाएगा।

भगवंत मान कैबिनेट में पूर्व सांसद संजीव अरोड़ा की एंट्री, आज ली मंत्री पद की शपथ

चंडीगढ़, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब में आज गुरुवार को भगवंत मान की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी सरकार का कैबिनेट विस्तार कर दिया गया। कैबिनेट विस्तार के तहत लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर पिछले दिनों उपचुनाव जीतने वाले संजीव अरोड़ा को मंत्री बनाया गया है। अरोड़ा के अलावा किसी अन्य विधायक ने मंत्री पद की शपथ नहीं ली। चंडीगढ़ स्थित पंजाब राजभवन में मान कैबिनेट का विस्तार कराया गया। आज के कैबिनेट विस्तार में राज्यसभा के पूर्व सांसद और हाल में विधायक चुने गए संजीव अरोड़ा को मंत्री बनाया गया। कहा जा रहा है कि आज शाम तक कैबिनेट विभागों का नए सिरे से बंटवारा होने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा। इस विस्तार के साथ पंजाब कैबिनेट में मुख्यमंत्री (भगवंत मान) समेत 17 मंत्री हो गए हैं।

कैबिनेट में 18 मंत्री हो सकते हैं। भगवंत मान की अगुवाई सरकार ने अपना आखिरी कैबिनेट फेरबदल पिछले साल सितंबर में किया था, जब उसने 4 मंत्रियों को हटाने के बाद 5 नए मंत्री शामिल किए थे। संजीव अरोड़ा को राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज दोपहर राजभवन में एक समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। अरोड़ा ने पंजाब की लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर पिछले महीने हुए उपचुनाव

में जीत हासिल करने के बाद एक जुलाई (मंगलवार) को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। 19 जून को अरोड़ा लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी भारत भूषण आशु को आसान मुकाबले में 10,637 मतों से हरा दिया था। आम आदमी पार्टी के विधायक गुरप्रीत बस्सी गोगी के जनवरी में निधन के बाद यह सीट खाली हो गई थी जिस वजह से यहां पर उपचुनाव कराया गया। इससे पहले आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उपचुनाव में प्रचार के दौरान कहा था कि अगर संजीव अरोड़ा विधायक चुने गए तो उन्हें मंत्री बनाया जाएगा। पहली बार सांसद बने संजीव अरोड़ा 10 अप्रैल 2022 को पंजाब से राज्यसभा के लिए चुने गए थे, उनका यह कार्यकाल 9 अप्रैल 2028 तक के लिए था।

लॉ कॉलेज दुष्कर्म मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट का सख्त आदेश

कहा- राज्य सरकार पेश करे केस डायरी

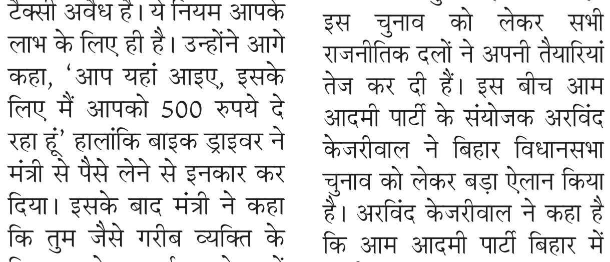

कोलकाता, 3 जुलाई (एजेंसियां)। कोलकाता के कथित दुष्कर्म के मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को सख्त निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने छात्रा के दुष्कर्म मामले की जांच में हुई प्रगति को लेकर हलफनामे के रूप में रिपोर्ट दाखिल करने और केस डायरी पेश करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति सौमेन सेन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य को निर्देश दिया कि वह 10 जुलाई को अगली सुनवाई में जांच रिपोर्ट को हलफनामे के साथ पेश करे। दक्षिण कलकत्ता लॉ कॉलेज की एक पूर्व छात्रा और दो वरिष्ठ छात्रों द्वारा कथित सामूहिक दुष्कर्म के संबंध में तीन जनहित याचिकाएं दायर की गईं इससे पहले 24 साल की लॉ की छात्रा के साथ 25 जून को कोलकाता के कस्बा इलाके के साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया था। कॉलेज के 31 वर्षीय पूर्व छात्र मनोजीत मिश्रा को मामले के मुख्य आरोपी के तौर पर गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा 19 साल जैब अहमद और 20 साल के प्रमित मुखोपाध्याय के रूप में पहचाने गए दो छात्र और एक सुरक्षा गार्ड को भी गिरफ्तार किया गया है। कोर्ट ने मनोजीत और दोनों छात्रों को 8 जुलाई तक कोलकाता पुलिस की हिरासत में भेज दिया। इसके अलावा सुरक्षा गार्ड को शुक्रवार तक की हिरासत में भेजा गया। दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद कॉलेज प्रशासन ने मनोजीत की संविदा नियुक्ति को रद्द करने का निर्णय लिया है।

यह भी तय किया गया है कि आरोपी को अंतरिम अवधि के दौरान प्राप्त वेतन वापस करना होगा। मामले में दो अन्य आरोपी जैब अहमद और प्रमित मुखोपाध्याय (लॉ कॉलेज के वर्तमान छात्र) को संस्थान से निष्कासित कर दिया गया है। हालांकि, विपक्षी दलों के नेताओं ने सवाल उठाना शुरू कर दिया है कि मनोजीत की नियुक्ति को कैसे मंजूरी दी गई?

कैंट सिविल अस्पताल में भ्रूण लिंग जांच रैकेट का भंडाफोड़

अंबाला, 3 जुलाई (एजेंसियां)। अंबाला के कैंट नागरिक अस्पताल में भ्रूण लिंग जांच के गैरकानूनी रैकेट का कुरुक्षेत्र की विशेष टीम ने भंडाफोड़ किया है। गुरुवार सुबह 10 बजे शुरू हुई छापेमारी में अस्पताल के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सागर और एक अन्य व्यक्ति रज्जी को 60 हजार रुपये नकद सहित मौके पर गिरफ्तार किया गया। कुरुक्षेत्र के डॉक्टर ऋषि, डॉ। गौरव वी डॉ राजीव टीम की टीम ने तीन घंटे तक चली जांच के दौरान दोनों आरोपियों को अल्ट्रासाउंड रूम से भ्रूण लिंग जांच करते हुए रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस ने सागर से 32 हजार और रज्जी से 28 हजार रुपये बरामद किए। जांच के लिए टीम ने एक डिकॉय (मोहरा) मंजू को तैयार किया था। आरोपियों ने मंजू को पहले कैंट बस स्टैंड और फिर फुटबॉल चौक पर बुलाया, इसके बाद उसे अस्पताल ले जाकर अवैध गतिविधि को अंजाम देने की कोशिश की। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है

आजमगढ़ में अखिलेश यादव की सुरक्षा में बड़ी चूक, सुरक्षा घेरा तोड़कर मंच तक पहुंचा शख्स

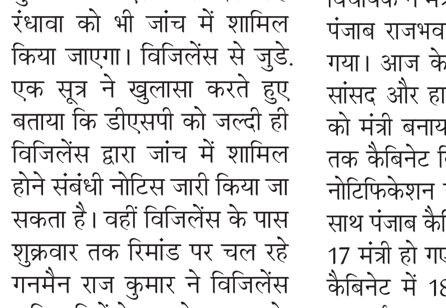

आजमगढ़, 3 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की सुरक्षा में बड़ी चूक हो गई। यहां एक शख्स सुरक्षा घेरा तोड़कर मंच तक पहुंच गया। लगभग पांच मिनट तक यहां ड्रामा चलता रहा। मंच पर पहुंचा व्यक्ति पुलिसकर्मियों को परेशान करता रहा। इसके बाद इस व्यक्ति को उस एरिया से बाहर ले जाया गया। समाजवादी पार्टी की तरफ से आरोप लगाया गया कि यह अखिलेश के कार्यक्रम को खराब करने की साजिश थी इस घटना से जुड़े कई वीडियो भी सोशल वीडिया पर सामने आए हैं, जिनमें देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति सुरक्षा घेरा तोड़कर मंच तक पहुंच जाता है। पुलिसकर्मी उसे रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन वह उन्हें धक्का मारते हुए आगे निकल जाता है। इसके बाद पुलिसकर्मी उसे पकड़ने आते हैं तो वह मंच पर बैठ जाता है फिर लेट जाता है। इसके बाद उसे बाहर ले जाया जाता है। वह लगभग पांच मिनट तक कार्यक्रम में रुकावट डालता है। आजमगढ़ में अखिलेश ने अपने भाषण में कहा कि सबसे ज्यादा मुस्लिम, आदिवासी उत्तर प्रदेश में असुरक्षित हैं। उन्होंने प्रदेश की बीजेपी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि ये प्राइमरी स्कूल बंद कर रहे हैं। ये स्कूल अभी पांच हजार हैं, फिर पांच हजार बंद करेंगे। गरीबों से शिक्षा छीनना चाहते हैं। स्कूल चार किलोमीटर दूर है तो कितने गरीब अपनी बेटियों को स्कूल भेज पाएंगे।

अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा ये एक नई व्यवस्था लेकर आए, आउटसोर्स व्यवस्था। इसमें आरक्षण नहीं है। हमने कहा था कि आउटसोर्स व्यवस्था खत्म करेंगे। आउटसोर्स हमें पक्की नौकरी नहीं देता। आउटसोर्स की व्यवस्था खत्म करके सरकारी नौकरी की व्यवस्था करेंगे। बीजेपी वाले ड्रोन दीदी बना रहे हैं। समाजवादी लोग आएंगे तो फौज को मजबूत बनाने के लिए टेक्नोलॉजी करेंगे और अग्निवीर व्यवस्था खत्म करेंगे। अखिलेश ने अपनी तारीफ करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने जो लैपटॉप बांटे थे, वो अभी खराब नहीं हुए हैं। वहीं., उन्होंने बीजेपी पर खराब टैबलेट देने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार बनने पर महिलाओं को हर महीने तीन हजार रुपये देने और 300 यूनिट फ्री बिजली देने का वादा भी किया।

खेत में काम कर रहे किसान पर भालू ने किया हमला, सिर में गंभीर चोट

शहडोल, 3 जुलाई (एजेंसियां)। जैतपुर वन परिक्षेत्र के कुम्हेडीन गांव में खेत में काम कर रहे किसान पर भालू ने हमला कर उसे बुरी तरीके से जख्मी कर दिया। घटना के बाद परिजन घायल को लेकर जैतपुर अस्पताल पहुंचे, जहां उसकी हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने घायल को मेडिकल कॉलेज रेफर किया है। घटना के बाद केशवाही रेंजर ने अपने स्टाफ को अस्पताल भेजा था, लेकिन घायल मेडिकल कॉलेज रेफर हो चुका था।

घटना जैतपुर वन परिक्षेत्र की है, लेकिन जैतपुर का स्टाफ मौके पर नहीं पहुंचा। परिजनों ने बताया कि सुखलाल सिंह पिता रामटहल (46) घर के पास स्थित खेत में काम कर रहे थे। तभी पीछे से भालू आ पहुंचा और सुखलाल पर हमला बोल दिया। इसके बाद सुखलाल ने चिल्लाना शुरू किया। चीख पुकार की आवाज सुनकर, परिजन मौके पर दौड़कर गए। भीड़ को देखा भालू मौके से भाग गया।

सुविचार

यदि आपको दूसरों की प्रतीक्षा करने की आदत है तो आप अवश्य ही पीछे रह जायेंगे

कोयला मंत्रालय और खान मंत्रालय से जुड़े सांसदों की परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कोयला मंत्रालय और खान मंत्रालय से जुड़े सांसदों की परामर्शदात्री समिति की बैठक आज कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी की अध्यक्षता में हुई। बैठक की सह-अध्यक्षता कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने की।

दोनों मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रमुख नीतिगत पहलों, वर्तमान प्रगति और भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुतियाँ दीं। कोयला मंत्रालय ने पर्यटन को बढ़ावा देने, स्थानीय उद्योगों का समर्थन करने और प्रभावित समुदायों के लिए आर्थिक अवसर पैदा करने के उद्देश्य से विभिन्न पर्यावरणीय बहाली और पुनर्प्रयोजन

पहलों का प्रदर्शन किया। खान मंत्रालय ने देश भर में खनिज अन्वेषण के विस्तार के लिए अपने महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण को प्रमुख अन्वेषण एजेंसियों, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) और खनिज अन्वेषण और परामर्श लिमिटेड (एमईसीएल) की प्रस्तुतियों के साथ साझा किया। समिति को संबोधित करते हुए, किशन रेड्डी ने जोर देकर कहा कि भारत का कोयला क्षेत्र एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, जो एक अरब टन से अधिक का रिकॉर्ड-तोड़ घरेलू कोयला उत्पादन हासिल कर रहा है, साथ ही साथ हरित पहल और स्थिरता को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने खदानों को बंद करना एक राष्ट्रीय और नैतिक जिम्मेदारी बताया, जिसका उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करना और आजीविका के अवसर पैदा करना है। खनिज अन्वेषण के मुद्दे पर रेड्डी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि खनिजों, विशेष रूप से महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों में आत्मनिर्भरता, विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय दृष्टिकोण को साकार करने के लिए मौलिक होगी।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और आधुनिक भूभौतिकीय सर्वेक्षण जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करते हुए खनिज अन्वेषण को मिशन मोड में लिया जा रहा है। उन्होंने अन्वेषण प्रयासों में तेजी लाने और देश के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के लिए खनिज सुरक्षा सुनिश्चित करने में निजी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया। राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने सतत खनन और समावेशी विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने खदानों को बंद करने और खनिज अन्वेषण में तेजी लाने के दृष्टिकोण पर बात की और इस बात पर जोर दिया कि दीर्घकालिक सफलता प्राप्त करने के लिए सामुदायिक भागीदारी और अंतर-मंत्रालयी समन्वय महत्वपूर्ण होगा। कोल इंडिया लिमिटेड और सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने आज हार्टफुलनेस के साथ हाथ मिलाते हुए कोयला और खान मंत्रालय द्वारा इस सप्ताह हार्टफुलनेस के सहयोग से घोषित रिक्लेम पहल पर क्रमशः दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

किशन रेड्डी आज हैदराबाद के बाहरी इलाके में हार्टफुलनेस के मुख्यालय कान्हा शांति वनम में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह में उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री के साथ कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे, वरिष्ठ प्रबंधन और कोल इंडिया लिमिटेड, एससीसीएल और हार्टफुलनेस के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर हार्टफुलनेस के मार्गदर्शक और राम चंद्र मिशन के अध्यक्ष रेव. दाजी भी मौजूद थे।

विभिन्न विभाग मिलकर बचाएंगे बाल श्रमिकों को

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में लकड़ीकापुल स्थित कलेक्टर कार्यालय के मीटिंग हॉल में ऑपरेशन मुस्कान-XI-2025 के संबंध में एक अभिसरण बैठक आयोजित की गई।

हैदराबाद शहर पुलिस आयुक्त के निर्देशानुसार, हैदराबाद की महिला सुरक्षा विंग की पुलिस उपायुक्त डॉ. लावण्या एनजेपी ने संबंधित विभागों, बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी), विभाग, महिला एवं बाल कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग और साझेदार गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ भाग लिया। बैठक के दौरान, 1 जुलाई से 31 जुलाई तक निर्धारित ऑपरेशन मुस्कान-XI के समन्वित कार्यान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान बाल श्रम और बंधुआ मजदूरी में शामिल बच्चों की पहचान और बचाव, लापता बच्चों का पता लगाना और उनका पुनर्वास करना, तस्करी किए गए बच्चों और सड़क पर भीख मांगने वाले बच्चों का बचाव और संरक्षण, बचाए गए बच्चों की उचित संस्थागत देखभाल, परामर्श और पुनर्वास सुनिश्चित करना, उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित किया इसके पूर्व 28 जून को पी. विश्व प्रसाद, एडिशनल के नेतृत्व में एक हितधारक बैठक आयोजित की गई थी। पुलिस आयुक्त, अपराध, हैदराबाद कॉन्फ्रेंस हॉल, सीसीएस बिल्डिंग, हैदराबाद में ऑपरेशन को प्रभावी ढंग से करने के लिए, हैदराबाद शहर भर में 28 डिवीजनल टीमों का गठन किया गया है। प्रत्येक टीम में 01 सब-इंस्पेक्टर और 4 हेड कांस्टेबल/पुलिस कांस्टेबल (कम से कम एक महिला अधिकारी सहित) शामिल हैं, जिन्हें देखभाल और संरक्षण की जरूरत वाले बच्चों को संभालने और दर्पण ऐप के माध्यम से लापता बच्चों का पता लगाने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित और संवेदनशील बनाया गया है। ये टीमें श्रम, शिक्षा और कल्याण विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ चाइल्डलाइन, बचपन बचाओ आंदोलन और अन्य जैसे एनजीओ भागीदारों के साथ निकट समन्वय में काम करेंगी। इसके अलावा, इस बात पर जोर दिया गया कि बचाए गए बच्चों को उचित पुनर्वास उपायों के लिए बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष पेश किया जाएगा। बचाव और अनुवर्ती प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने में जिला बाल संरक्षण इकाइयों (डीसीपीयू) और मानव तस्करी विरोधी इकाइयों (एएचटीयू) की भूमिका पर भी चर्चा की गई। महिला सुरक्षा विंग की पुलिस उपायुक्त ने बाल सुरक्षा, शोषण की रोकथाम और अंतर-एजेंसी सहयोग और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से बाल-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के प्रति हैदराबाद सिटी पुलिस की प्रतिबद्धता को दोहराया।

'जानवर मनोरंजन के लिए नहीं हैं', पेटा इंडिया ने चेतावनी दी

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हाथियों के प्रति चिंता और हाल ही में हुई कई घटनाओं के बाद, जिसमें परेशान बंदी हाथियों ने हिंसक रूप धारण कर लिया और लोगों को मार डाला और उन्हें चोट पहुँचाई, पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया ने सिकंदराबाद और हैदराबाद में आगामी बोनालू और मुहर्रम कार्यक्रमों के आयोजकों को असली हाथियों के स्थान पर उपयोग करने के लिए अभिनव जीवंत यांत्रिक हाथियों की पेशकश की है।

पेटा इंडिया ने तेलंगाना के बंदोबस्ती विभाग के निदेशक एस. वेंकट राव, जो बोनालू उत्सव का आयोजन करते हैं और एचईएच द निज़ाम के धार्मिक ट्रस्ट के अध्यक्ष अज़मत जाह को पत्र लिखा है; तेलंगाना विधान परिषद के सदस्य मिर्जा रियाज-उल-हसन इफेंडी और तेलंगाना राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सैयद अजमतुल्लाह हुसैनी, जो मुहर्रम के कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं, ने एक आदमकद यांत्रिक हाथी भेंट किया और बताया कि यांत्रिक हाथी के उपयोग से पशु कल्याण की रक्षा होगी और मनुष्यों को परेशान हाथी द्वारा संभावित नुकसान से बचाया जा सकेगा। पेटा इंडिया ने हाथी परियोजना के निदेशक और तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान और दिल्ली के मुख्य वन्यजीव वार्डन को भी पत्र लिखकर आग्रह किया कि वे इन जुलूसों में हाथी के परिवहन और उपयोग की किसी भी अनुमति से इनकार करके हाथियों को अनावश्यक दर्द और पीड़ा से बचाएं। पत्र में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि 2004 में मुहर्रम में इस्तेमाल की गई हथिनी गजलक्ष्मी ने दहशत फैलाई, लोगों की जान को खतरे में डाला और यह इस तथ्य की कड़ी याद दिलाता है।

हाल ही में, हाथी माधुरी या महादेवी, जिसका उपयोग बोनालू और बीबी-का-आलम के लिए किया गया था, ने एक मंदिर के पुजारी को मार डाला था, जो जीवित हाथियों के उपयोग के खतरों को और रेखांकित करता है। पिछले साल, आंशिक रूप से अंधी हथिनी रूपावती को कर्नाटक से लाया गया था और हज़ारों लोगों और लाउडस्पीकर के संगीत के बीच अंकुश से नियंत्रित करते हुए घंटों तक परेड कराई गई थी। पेटा इंडिया ने चेतावनी दी है कि हाथी जंगली जानवर हैं, जो अप्रत्याशित होते हैं, खासकर बड़ी, शोरगुल वाली भीड़ के बीच और वे उन चीज़ों पर हमला करने के लिए जाने जाते हैं जो उन्हें परेशान करती हैं और अंततः अपने महावतों और अन्य मनुष्यों पर हमला करती हैं। यांत्रिक हाथियों को विभिन्न मंदिरों और धार्मिक आयोजनों में तेज़ी से अपनाया जा रहा है, जो सभी उपस्थित लोगों के लिए एक सुरक्षित और विस्मयकारी अनुभव प्रदान करते हैं।

मिशन कर्मयोगी टीम ने राज्यपाल से मुलाकात की

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मिशन कर्मयोगी टीम (क्षमता निर्माण आयोग और कर्मयोगी भारत) ने 2 जुलाई, 2025 को राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात की।

डॉ. अलका मित्तल (सदस्य, प्रशासन, क्षमता निर्माण आयोग), नवनीत कौर (निदेशक, क्षमता निर्माण आयोग) और सौमी बनर्जी (महाप्रबंधक, कर्मयोगी भारत) के नेतृत्व में, टीम ने राज्यपाल को राज्य में मिशन कर्मयोगी के चल रहे कार्यान्वयन से अवगत कराया और आगे के रास्ते पर मार्गदर्शन मांगा। राज्यपाल ने पहल के लिए समर्थन व्यक्त किया और टीम को राज्य में इस परिवर्तनकारी मिशन को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे पहले, मिशन कर्मयोगी टीम ने राज्य में सिविल सेवकों की क्षमता निर्माण के लिए आगे का रास्ता तय करने के लिए मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव और वरिष्ठ विभाग प्रमुखों से मुलाकात की। टीम ने मिशन कर्मयोगी का विस्तृत अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें डिजिटल शिक्षा और योग्यता-आधारित प्रशिक्षण के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार, नागरिक-केंद्रित सिविल सेवा को पोषित करने के अपने दृष्टिकोण पर जोर दिया गया।

जन समस्याओं पर चर्चा के लिए विधानसभा आए केसीआर : मंत्री कोमाटीरेड्डी

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटीरेड्डी वेंकट रेड्डी ने आज बीआरएस पार्टी प्रमुख एवं पूर्व सीएम केसीआर पर कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने सड़कों के विकास एवं कार्यों की प्रगति पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि केसीआर को जन समस्याओं पर चर्चा के लिए विधानसभा आना चाहिए और उन्होंने कहा कि वे पूर्व सीएम के अनुरोध पर सभी मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका बीआरएस पार्टी के नेताओं हरीश राव एवं केटीआर से कोई संबंध नहीं है, क्योंकि वे तस्वीर में भी नहीं आते। उन्होंने कहा, 'यदि वे चाहें तो सीएम रेवंत रेड्डी उनसे बात करेंगे, लेकिन उन्हें यह बताना मेरे अधिकार क्षेत्र में नहीं है।' उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पृथक तेलंगाना आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और कहा कि तेलंगाना राज्य की उपलब्धि के लिए कांग्रेस पार्टी आभार की पात्र है। रेड्डी ने तर्क दिया कि हरीश राव राज्य विधानसभा में उप सदन नेता नहीं थे। उन्होंने मांग की कि केसीआर को विपक्ष के नेता के तौर पर विधानसभा में आना चाहिए और कहा कि केसीआर को विधानसभा में आकर कांग्रेस सरकार की गलतियों और अधिकारों पर चर्चा करनी चाहिए।

बीआरएस ऑस्ट्रेलिया में 25वीं वर्षगांठ समारोह के लिए तैयार

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिका के डलास में बीआरएस रजत जयंती समारोह की शानदार सफलता से उत्साहित होकर, दुनिया भर में पार्टी की 25वीं वर्षगांठ मनाने के लिए समारोह आयोजित करने की तैयारियां चल रही हैं। यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और खाड़ी क्षेत्र में रजत जयंती समारोह आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है। बीआरएस एनआरआई के वैश्विक समन्वयक महेश बिगाला (जो इस समय ऑस्ट्रेलिया में हैं) ने स्थानीय बीआरएस एनआरआई सदस्यों और युवा विंग के नेता सनी गौड़ के साथ मेलबर्न में संभावित स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि विभिन्न देशों से समारोह की मेजबानी के लिए कई अनुरोध आए हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के साथ विचार-विमर्श के बाद तिथियों और स्थानों के बारे में आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

फिल्म उद्योग के मुद्दों को सुलझाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : दिल राजू

पाइरेसी रोकने के लिए सख्त कदम, एफडीसी के तहत समिति गठित की जाएगी

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्म विकास निगम के अध्यक्ष दिल राजू ने कहा कि तेलंगाना सरकार फिल्म उद्योग में पाइरेसी को रोकने के लिए कड़े कदम उठा रही है। वे गुरुवार को मसाब टैंक में एफडीसी बोर्ड रूम में एफडीसी की प्रबंध निदेशक चौ. प्रियंका के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद उद्योग के सामने आने वाले प्रमुख मुद्दों को हल करने के लिए उपमुख्यमंत्री के साथ कई बैठकें हो चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि एक व्यापक कार्य योजना तैयार की जा रही है और यदि आवश्यक हुआ तो नए नियम भी पेश किए जाएंगे। दिल राजू ने कहा कि एफडीसी नोडल एजेंसी के रूप में काम करेगी और फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स साइबर सेल और पुलिस विभाग के प्रतिनिधियों के साथ एक विशेष समिति गठित की जाएगी। यह समिति फिल्म शूटिंग के लिए ऑनलाइन अनुमति प्रणाली की देखरेख करेगी और सख्त एंटी-पायरेसी उपायों को लागू करेगी। उन्होंने फिल्म उद्योग के विकास और कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और सभी हितधारकों से इस क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में सामूहिक रूप से काम करने का आग्रह किया। एफडीसी की प्रबंध निदेशक चौ. प्रियंका ने कहा कि फिल्म पत्रकारों के लिए मान्यता के मुद्दे की समीक्षा की जाएगी और व्यवहार्यता के आधार पर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि हितधारकों द्वारा उनके ध्यान में लाई गई किसी भी चिंता का समाधान ईमानदारी और तत्परता के साथ किया जाएगा।

कमलापुर में ऑटो चालक की हत्या

मेदक, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात हमलावरों ने गुरुवार को पेद्दा शंकरमपेट मंडल के कमलापुर गांव में एक व्यक्ति की धारदार हथियारों से हत्या कर दी। पीड़ित की पहचान थोटा कमलाकर (45) के रूप में हुई है, जो एक ऑटो चालक था और उसकी पत्नी की हाल ही में मृत्यु हो गई थी। उस पर उस समय हमला किया गया जब वह अपने घर के परिसर में सो रहा था। हत्या का पता सुबह तब चला जब कमलाकर के दो बच्चे जागे और उसे खून से लथपथ पाया। सूचना मिलने पर इंस्पेक्टर रेणुका और सब-इंस्पेक्टर प्रवीण ने मौके पर जाकर मामला दर्ज किया।

आंगनवाड़ी सहायकों की पदोन्नति की आयु सीमा बढ़ाकर 50 वर्ष की गई

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने आंगनवाड़ी केंद्र सहायकों के लिए खुशखबरी की घोषणा की है। महिला एवं बाल कल्याण विभाग ने आंगनवाड़ी सहायकों की आंगनवाड़ी शिक्षक के रूप में पदोन्नति के लिए अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से बढ़ाकर 50 वर्ष करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

राज्य की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डॉ. दनसारी अनसूर्या सीतक्का ने गुरुवार को संबंधित फाइल पर हस्ताक्षर किए। इस निर्णय से राज्य भर में 45 से 50 वर्ष की आयु के लगभग 4322 आंगनवाड़ी सहायकों को शिक्षक के रूप में पदोन्नत होने का अवसर मिलेगा। हालांकि पहले 45 वर्ष की आयु पार करने के बाद सहायकों के लिए पदोन्नति के अवसर नहीं थे, लेकिन अब उन्हें फिर से पदोन्नति पाने का अवसर मिलेगा। सीतक्का ने अधिकारियों को आंगनवाड़ी सहायक संघों के अनुरोध के अनुसार अधिकतम आयु सीमा बढ़ाने की संभावनाओं की जांच करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें कहा गया कि 50 वर्ष से कम आयु के योग्य सहायकों को शिक्षक पदोन्नति देने में कोई बाधा नहीं है। आंगनवाड़ी शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 65 वर्ष करने के मद्देनजर, यह सुझाव दिया गया कि 50 वर्ष की आयु में शिक्षक के रूप में पदोन्नत होने वाले सहायक अगले 15 वर्षों तक अपने कर्तव्यों को जारी रख सकते हैं। अधिकारियों द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद कि 45 वर्ष से अधिक आयु के पात्र सहायकों को पदोन्नति देने में कोई समस्या नहीं है, मंत्री ने फाइल पर हस्ताक्षर किए। इस मामले में आधिकारिक आदेश जल्द ही जारी किए जाएंगे। इस निर्णय से राज्य भर में हजारों आंगनवाड़ी सहायकों ने खुशी जताई है। उन्होंने इस अवसर पर मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सीताक्का ने उनके साथ न्याय किया है। सहायकों ने पहले शिकायत की थी कि वे आयु सीमा के कारण शिक्षक के रूप में पदोन्नति खो रहे हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

PUB/0797

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीइ/सी-II/एससी एण्ड सीइ/सी-VI/एससी कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशन, दक्षिण मध्य रेलवे(द.म.रे.), सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदा आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 1 निविदा आमंत्रण सूचना सं. 12-सीएओ-सी-एससी-2025, दि.23-06-2025 **कार्य विवरण:** दमरे निर्माण संगठनः दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन में विभिन्न रेलवे स्टेशनों के बीच प्रस्तावित रोड ओवर ब्रिजेस या पुलों(आरओबी) के निर्माण के साथ स्टैण्डर्ड आरडीएसओ स्पैन्स सहित आरओबी रोड एप्रोचेस(वायडक्ट एण्ड रिइनफोर्स्ड एर्थ वाल पोर्शन्स) का निर्माण एवं सीमित हाइट सबवेज(एलएचएस के रूप में 1x6.0एमx3.0एम आरसीसी बाक्स) का निर्माण कार्य। **#एसडब्ल्यू-I** काजीपेट-हसनपर्ती रोड के बीच किमी 355/26-28 पर एलसी नं.6 के स्थान पर आरओबी कार्य। **# एसडब्ल्यू-II** यादाद्रि-वंगापल्ली के बीच किमी 251/11-13 पर एलसी नं.33 के स्थान पर आरओबी कार्य। **# एसडब्ल्यू-III** पेध्दापल्ली-राघवपुरम के बीच किमी 291/14-16 पर एलसी नं.40 के स्थान पर आरओबी कार्य। **# एसडब्ल्यू-IV** राघवपुरम-रामगुण्डम के बीच किमी 282/8-10 पर एलसी नं.46 के स्थान पर आरओबी कार्य। **# एसडब्ल्यू-V** रामगुण्डम-राघवपुरम के बीच किमी 275/46-48 पर एलसी नं.49 के स्थान पर आरओबी कार्य। **# एसडब्ल्यू-VI** वरंगल-चिंतापल्ली के बीच किमी 381/28-30 पर एलसी नं.64 के स्थान पर आरओबी कार्य।**# एसडब्ल्यू-VII** महबूबाबाद यार्ड पर किमी 436/11-13 पर एलसी नं.80 के स्थान पर आरओबी कार्य।

विवरण : अनुमानित लागत : रु. 419,24,05,597.29 **पूर्व धरोहर राशि (पूधरा) रु.**100,00,000.00 कार्य पूरा करने की **अवधि:** 36 (छत्तीस) महिने **खोलने की तिथि** : 19-08-2025 के 15.00 बजे

क्रम सं. 2 निविदा आमंत्रण सूचना सं. 13-सीएओ-सी-एससी-2025, दि.30-06-2025 **कार्य विवरण:** नडीकुडी-श्रीकालहस्ती स्टेशनों के बीच नई बीजी लाईन का निर्माण कार्य-यूएवी ड्रोन वीडियोग्राफी द्वारा तत्संबंधित विवरण कत्रित करना-पामुरु-एल्टुरुपाडु स्टेशनों (132 किमी) के बीच मौजूदा साइट डिटेल्स के एकत्रीकरण द्वारा एफएलएस डेटा का सत्यापन या रिवैलिडेशन करना तथा तत्संबंधित सभी तकनीकी दस्तावेजों को तैयार करना।

विवरण : अनुमानित लागत : रु.1,85,56,607.30 **पूर्व धरोहर राशि**(पूधरा) रु. 2,42,800.00 **कार्य पूरा करने की अवधि:** 6 (छह) महिने **खोलने की तिथि:** 21-07-2025 के 15.00 बजे

I) बोली दस्तावेज या बिड डाक्यूमेंट एवं अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइटः** https://ireps.gov.in पर लागिन करें। II) निविदाकारों द्वारा अपने-अपने आफर्स को, आनलाईन रूप में, निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद होने की तिथि से पंद्रह दिन पहले, प्रस्तुत करना होगा। III) निविदाकारों को चाहिए कि, निविदा प्रस्तुति अवधि के प्रारंभ की तिथि तक ही, किसी भी शुध्दिपत्रों (केवल आनलाईन द्वारा जारी) का अवलोकन करें।

-मुख्य प्रशासकीय अधिकारी, (निर्माण), सिकंदराबाद

PUB/0798

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in द्वारा)

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य सिग्नल व दूर संचार अभियंता /परियोजना/टेलि./सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. व दि. सी-एसजी-पीटी-टीसीएएस-07 दि.1-7-2025 **कार्य विवरण:** दक्षिण मध्य रेलवे के गुण्टकल व गुंटूर डिवीजन में स्टेशन/एलसी/आयबी/एबीएस हट लोकेशन्स पर सर्वे या सर्वेक्षण, डिजाईन, आपूर्ति, इंस्टालेशन, परीक्षण तथा ट्रैक्साइड कवच उपकरण की कमीशनींग एवं तत्संबंधित कार्य।

अनुमानित परियोजना लागत : रु. 204 ,44,85,914.19 पैसे बोली सुरक्षा या **बिड सेक्युरिटी:** रु.1,00,00,000.00 पैसे कार्य **पूरा करने की अवधि:** 30 महिने बोली बंद करने की तिथि(बोली या **बिड की नियत तिथि)** 1-8-2025 के 15.00 बजे बोली **खोलने की तिथि:** 1-8-2025 के 15.00 बजे **आफर वैधः** बोली बंद होने की तिथि से लेकर 120 दिन **निविदा पुस्तिका मूल्यःरु.** शून्य

सभी बोलियां या बिड्डिंग, इण्डियन रेलवे ई-टेंडरिंग पोर्टल www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं। अधिक जानकारी हेतु www.ireps.gov.in देख सकते हैं।

-उप मुख्य सिग्नल एवम् दूर संचार अभियंता, (परियोजनाएं/दूर संचार), सिकंदराबाद

निविदा सं.-12-2025-26_एसआर_डीइइ_टीआर_एचवाईबी, दिनांक : 2-7-2025

PUB/0799

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली **अभियंता/ट्रैक्शन/हैदराबाद** द्वारा तत्संबंधित **निविदा सं. 12-2025-26 एसआर डीइइ_टीआर_एचवायबी,दि.2-7-2025, बंद करने की तिथि: 24-07-2025 के 15.00** बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदातागण या बिड्डर्स अपने मूल/संशोधित बोलियों को, तत्संबंधित बंद करने की तिथि एवं समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा इस मामले में किसी भी मैन्युएल आफर की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.-1 कार्य विवरण : निविदा सं. 12-2025-26_एसआर_डीइइ_टीआर_एचवायबी : हैदराबाद डिवीजन : महबूबनगर-गद्वाल, गद्वाल-ढोने व मनोहराबाद-मुदखेड सेक्शन में एससीएडीए सिस्टम्स के लिए साइबर सेक्युरिटी फीचर का प्रावधान।

अनुमानित लागत रु.1,93,93,080.00 पूर्व धरोहर राशिः-रु. 2,47,000.00 कार्य पूरा करने की अवधि: 06 महिने **बंद करने की तिथि** : 24-07-2025

वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in

निविदा की संपूर्ण जानकारी से संबंधित नोटिस बोर्ड स्थान: वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता का कार्यालय/ट्रैक्शन/हैदराबाद, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

-वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ ट्रैक्शन/हैदराबाद

निविदा सं.-13-2025-26_एसआर_डीइइ_टीआर_एचवायबी, दि.2-7-2025

PUB/0700

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/ हैदराबाद द्वारा तत्संबंधित **निविदा सं. 13-2025-26 एसआर_डीइइ_टीआर_एचवायबी,दि.2-7-2025, बंद करने की तिथि: 24-07-2025 के 15.00** बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदातागण या बिड्डर्स अपने मूल/संशोधित बोलियों को, तत्संबंधित बंद करने की तिथि एवं समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा इस मामले में किसी भी मैन्युएल आफर की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.-1 कार्य विवरण: निविदा सं. 13-2025-26_एसआर_डीइइ_टीआर_एचवायबी: हैदराबाद डिवीजन: काचीगुडा-उमदानगर, काचीगुडा-मनोहराबाद, उमदानगर-महबूबनगर, गद्वाल-रायचूर तथा कृष्णा-देवरकद्रा सेक्शन में एससीएडीए सिस्टम्स के लिए, साइबर सेक्युरिटी फीचर का प्रावधान। अनुमानित लागत रु.1,69,03,110.00 पूर्व **धरोहर राशिः-रु.** 2,34,500.00 कार्य पूरा करने की अवधि: 06 महिने बंद करने की तिथि: 24-07-2025

वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in

निविदा की संपूर्ण जानकारी से संबंधित नोटिस बोर्ड स्थान: वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता का कार्यालय/ट्रैक्शन/हैदराबाद, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, हैदराबाद

ए0987

अतिरिक्त निविदा शर्तों विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए, कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-Central-WAT-20-2025 दिनांक: 27.06.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के केके-I सेक्शन में सहायक मण्डल अभियन्ता/अरकु के अधिकार क्षेत्र के अधीन बोडुवारा - शिमिलिगुडा के बीच कि.मी.28/0 से 92/5 (पैच में) तक TSR (P) 23.927 ट्राक कि.मी. का निष्पादन।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 6,64,86,924.86, EMD : ₹ 4,82,400.00

(2) सूचना सं.: eT-Central-WAT-21-2025 दिनांक: 27.06.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के केके-I सेक्शन में सहायक मण्डल अभियन्ता /कोरापुट के अधिकार क्षेत्र के अधीन अरकु (Ex)- माल्लिगुडा के बीच कि.मी.118/0 से 217/04 तक TSR (P) 23.000 ट्राक कि.मी. का निष्पादन।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 5,37,21,733.75, EMD : ₹ 4,18,600.00

कार्य पूरा होने की अवधि : 06 (छ:) महीने (दोनों क्रम सं. के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 21.07.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदा के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-317/Q/25-26

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, C Vijayalakshmi, DOB: 18/04/1945, W/o Lt Col C Arun Kumar (Retd) R/O : 2-4-248 Rd No 7, SNEHAPURI Colony, near Nagole Hyderabad-500102, Have Changed My name From C Vijayalakshmi to Chinnikrishna Vijaya Lakshmi vide Affidavit dt.30-06-2025.

I, Thota Pranusha D/o Thota Chandra Shekher, R/o Brigade Citadel, Flat No. A2-925, Ashok Nagar, Moti Nagar, Moosapet, Medchal-Malkajgiri Dist., TS. Have Changed my Mother name from SUJATHA THOTA to SALLA SUJATHA for records purpose.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

4 बच्चों को बाइक पर लेकर जा रहा था दानिश पांचों की हो गई मौत

हापुड़, 3 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। इस भीषण हादसे में एक ही परिवार के 4 बच्चों सहित 5 लोगों की जान चली गई। यह हादसा उस वक्त हुआ जब ये लोग स्विमिंग पूल से नहाकर एक ही बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रहे थे। हादसे के बाद पुलिस ने दुर्घटना में शामिल कैंटर को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, हापुड़ के नगर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मजीदपुरा के रहने वाले दानिश अपने परिवार के 4 बच्चों के साथ बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे। उनके साथ परिवार के कुछ अन्य लोग भी अलग-अलग वाहनों पर थे। हादसा हाफिजपुर थाना क्षेत्र के बुलंदशहर रोड पर हुआ, जहां एक तेज रफ्तार कैंटर ने पीछे से उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

राजभवन में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

राज्यपाल से मिलने क्यों पहुंचे ?

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान

पटना, 3 जुलाई (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर यह कहकर तंज कसते रहे हैं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार से कोई मतलब नहीं रहा गया है। वह निष्क्रिय हो चुके हैं, लेकिन मुख्यमंत्री लगातार विकास के कार्यों का निरीक्षण करते नजर आ रहे हैं। वह आज लगभग 11 बजे राज्यपाल से मिलने राजभवन पहुँच गये। वहां उन्होंने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाक़ात की और फिर जेपी गंगा पथ की ओर निरीक्षण के लिए निकल गये। उन्होंने सड़क मार्ग से पटना के आसपास गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया। मुख्यमंत्री अटल पथ होते हुये जेपी गंगा पथ पहुँचे और गाय घाट तक गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर को देखा। इस दौरान उन्होंने जेपी गंगा पथ के किनारे किये जा रहे पौधारोपण और सौंदर्गीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया। सीएम ने इसे और बेहतर ढंग से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया।

6 लेन पुल के निर्माण कार्य का लिया जायजा

मुख्यमंत्री ने दीघा घाट पर रूककर दीघा से सोनपुर तक जेपी सेतु के समानांतर बनाये जा रहे नये 6 लेन पुल के निर्माण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने इस पुल के निर्माण कार्य के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पुल के बन जाने से पटना से सारण प्रमंडल की तरफ जानेवाले लोगों को आसानी होगी। उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार के बीच आवागमन को सुगम बनाने में यह पुल काफी उपयोगी होगा। साथ ही महात्मा गांधी सेतु और जेपी सेतु पर वाहनों का दबाव कम होगा।

गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने जेपी गंगा पथ के दीघा घाट, कृष्णा घाट एवं गांधी घाट पर रूककर गंगा नदी के आसपास के इलाकों को भी देखा। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गंगा नदी के किनारे वाले क्षेत्रों में बढ़ते जलस्तर को ध्यान में रखते हुये पूरी तरह अलर्ट रहें। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पटना प्रमंडल के आयुक्त डॉ० चन्द्रशेखर सिंह, जिलाधिकारी डॉ० त्यागराजन एस०एम०, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के० शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे।

विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति को लेकर हुई मुलाकात

मिली जानकारी के मुताबिक़ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात किये और लगभग 15-20 मिनट तक दोनों में बातचीत हुई। बताया जा रहा है कि यह मुलाक़ात राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर की गई है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति को लेकर बातचीत की है। बताया जाता है कि बिहार के कई विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति और बदलाव होने हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने इस मुद्दे पर कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं।

मोनालिसा का 'सादगी' गाना यूट्यूब पर हिट, 5.6 मिलियन व्यूज

प्रयागराज, 3 जुलाई (एजेंसियां)। महाकुंभ में रुद्राक्ष माला बेचते हुए सोशल मीडिया पर छा जाने वाली मध्य प्रदेश के खरगोन की 16 वर्षीय मोनालिसा भोसले का पहला म्यूजिक वीडियो 'सादगी' यूट्यूब पर तहलका मचा रहा है। गायक उत्कर्ष सिंह के साथ 14 जून 2025 को रिलीज हुए इस गाने को अब तक 5.6 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है। गाना यूट्यूब पर उत्कर्ष सिंह के आधिकारिक चैनल पर उपलब्ध है। मोनालिसा ने प्रशंसकों से यूट्यूब पर वीडियो देखकर उनका उत्साह बढ़ाने की अपील की है। महाकुंभ में एक यूट्यूबर के वीडियो और फोटो ने मोनालिसा को रातोंरात स्टार बना दिया। मीडिया ने भी मोनालिसा को हाथों हाथ लिया था।

उनकी सादगी, मुस्कान और आकर्षक व्यक्तित्व ने लाखों लोगों का ध्यान खींचा था। अब उसी थीम पर 'सादगी' में मोनालिसा सफेद फ्लोरल लहंगा और लाल परंपरागत परिधान में नजर आईं, जिसे प्रशंसकों ने खूब पसंद किया। मोनालिसा ने बताया कि गाना सुनते ही उन्हें यह पसंद आया और परिवार की सहमति के बाद उन्होंने इसे शूट किया। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने उनके ग्लैमरस लुक पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं दीं, लेकिन अधिकांश ने उनकी प्रतिभा और आदिवासी समाज से उभरकर स्टार बनने की उनकी यात्रा को सराहा। मोनालिसा की यह उपलब्धि प्रेरणादायक है। वे जल्द ही फिल्म 'द डायरी आफ मणिपुर' में भी नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग फरवरी 2026 में शुरू होगी।

साजिश करने वालों को पहचान गईं अनुप्रिया पटेल ? कहा ऐसे लोगों से डरती नहीं हूं मैं

लखनऊ, 3 जुलाई (एजेंसियां)। अपना दल एस की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने अपने विरोधियों को साफ संदेश देते हुए कहा है कि पार्टी किसी भी साजिश या दबाव से डरने वाली नहीं है। उन्होंने यह बात लखनऊ के रविंद्रालय में 'जन स्वाभिमान दिवस' के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कही। यह कार्यक्रम डॉ। सोनेलाल पटेल की जयंती पर आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में अनुप्रिया पटेल ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जो लोग पार्टी को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, वो जान लें कि हम डरते नहीं हैं। साजिशें हमेशा ताकतवर और ईमानदार लोगों के खिलाफ होती हैं, और हम उसे पहचान चुके हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपना दल (सोनेलाल) को उत्तर प्रदेश की नंबर एक पार्टी बनाने का संकल्प लें। अनुप्रिया ने यह भी कहा कि डॉ। सोनेलाल पटेल का सपना जातीय जनगणना था, जिसे पार्टी अपने गठन के समय से ही प्राथमिकता देती रही है।

उन्होंने केंद्र सरकार के इस दिशा में उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए इसे सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र की दिशा में बड़ा कदम बताया।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आशीष पटेल ने भी कहा कि पार्टी सामाजिक न्याय के लिए पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने कहा, हम हर पीड़ित के साथ खड़े हैं और हर हमले और साजिश का जवाब देंगे। गौरतलब है कि अपना दल (एस) उत्तर प्रदेश की सत्तारूढ़ एनडीए का हिस्सा है और उसके पास उत्तर प्रदेश विधानसभा में 13 विधायक हैं। पार्टी पूर्वांचल और पिछड़े वर्गों में अपनी मजबूत पकड़ के लिए जानी जाती है।

सीबीआई की छापेमारी: पूर्व एनएमसी डॉ. सरोजिनी अग्रवाल की बेटी की बढ़ेंगी मुश्किलें

मेरठ, 3 जुलाई (एजेंसियां)। सीबीआई की ओर से पूर्व एमएलसी डॉ। सरोजिनी अग्रवाल की बेटी शिवानी अग्रवाल पर केस दर्ज होने के बाद उनकी मुश्किलें बढ़ेंगी। उन पर एनसीआर मेडिकल कॉलेज की मान्यता में घूसखोरी का आरोप है। शिवानी मेडिकल कॉलेज की सहायक प्रबंध निदेशक हैं।

खरखौदा स्थित नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइसेंज में एमबीबीएस की 50 सीटें बढ़ाने के लिए मेडिकल कॉलेज की तरफ से राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) में आवेदन किया गया था। यहां 150 सीटें हैं। एनएमसी टीम जांच के लिए मेडिकल कॉलेज आई थी। आरोप हैं कि 50 सीटें बढ़ाने के लिए जो दावे किए गए थे, वह यहां नहीं मिले, बल्कि अनुकूल मान्यता रिपोर्ट के लिए फर्जी फैकल्टी की तैनाती दर्शाई गई। काल्पनिक रोगियों का फैकल्टी से इलाज दिखाया गया। फैकल्टी की उपस्थिति दिखाने के लिए बायोमेट्रिक से छेड़छाड़ की गई। मान्यता रिपोर्ट के लिए मोटी रिश्वत का ऑफर दिया गया। सीबीआई ने 30 जून को डॉ। सरोजिनी की बेटी डॉ। शिवानी समेत 35 नामजद और कुछ अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। इसके बाद मंगलवार को लखनऊ में सीबीआई द्वारा मेडिकल कॉलेजों को मान्यता दिलाने के नाम पर घूसखोरी में तीन डॉक्टरों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया। 40 स्थानों पर छापा मारा, जिनमें इनमें डॉ। सरोजिनी का बेगमपुल के पास आवास और खरखौदा में उनका मेडिकल कॉलेज भी शामिल रहा। यहां नौ घंटे तक जांच की गई।

'औकात में रहो, मर जाओगे बेकार में'

इस बात से खफा भाजपा विधायक ने भाकियू नेता को दी धमकी

अलीगढ़, 3 जुलाई (एजेंसियां)। अलीगढ़ जिले में छठवीं तहसील अकराबाद में बनेगी या छर्रा में, ये तो अभी भविष्य तय करेगा, मगर छर्रा विधानसभा क्षेत्र में सियासत ने जरूर तूल पकड़ लिया है।

इस क्रम में विधायक छर्रा का भाकियू नेता को धमकी देने का एक ऑडियो भी सामने आया है। छर्रा क्षेत्र के भाजपा विधायक ठा.रवेंद्रपाल सिंह ने अकराबाद के भाकियू नेता ठा अशोक सिंह को मोबाइल पर बातचीत में औकात में रहने व मर जाओगे तक की धमकी दे दी। सुबह-सुबह हुई बातचीत का यह ऑडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। शासन से अकराबाद को तहसील बनाने का पुनः प्रस्ताव मांगा है। इसके बाद सक्रिय हुए छर्रा के लोग विधायक ठा। रवेंद्रपाल सिंह संग डीएम से मिले, जिसमें छर्रा को तहसील बनवाने व प्रस्ताव शासन को पहुंचाने की मांग की। छर्रा के लोगों संग विधायक का जाना अकराबाद की नाराजगी का कारण बन रहा है। इसी के चलते लोग सोशल मीडिया पर तरह-तरह की टिप्पणी कर रहे हैं, जिसमें एक टिप्पणी गांव नानऊ के भाकियू भानु गुट के प्रदेश उपाध्यक्ष ठा। अशोक सिंह ने विधायक को लेकर कर दी। इसमें अपने क्षेत्र के वोटों की याद दिलाते हुए छर्रा के समर्थन पर ऐतराज जताया है। साथ में अकराबाद में तहसील नहीं बनने पर विरोध का एलान किया है।

भारत-पाक तनाव से पहले पाकिस्तान गए संभल के लोगों की खुफिया जांच शुरू

पूछताछ के साथ दस्तावेजों की हो रही पड़ताल

संभल, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पिछले महीने भारत-पाक के बीच हुए तनाव के बाद खुफिया एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। इसी क्रम में उन स्थानीय लोगों की जांच शुरू कर दी गई है जो तनाव से कुछ समय पहले पाकिस्तान की यात्रा पर गए थे। एजेंसियां यह जानने में जुटी हैं कि ये लोग पाकिस्तान क्यों गए थे, वहां किससे मिले और क्या उद्देश्य रहा। जांच के तहत इन लोगों को बुलाकर बयान दर्ज किए जा रहे हैं और उनके पासपोर्ट समेत यात्रा से जुड़े अन्य दस्तावेजों की गहनता से पड़ताल की जा रही है। बढ़ते सुरक्षा खतरे और हाल में भारत पाक के बीच हुए तनाव के बाद खुफिया एजेंसियों ने निगरानी और सतर्कता अब तेज कर दी है।

इसी के तहत उन व्यक्तियों की सूची तैयार की गई है, जो पिछले कुछ महीनों में पाकिस्तान की यात्रा कर लौटे हैं। एजेंसियों को संदेह है कि कुछ लोग धार्मिक या पारिवारिक कारणों की आड़ में पाकिस्तान गए, लेकिन उनका असली मकसद कुछ और हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, खुफिया विभाग ने ऐसे करीब दो दर्जन लोगों की पहचान की है जो हालिया दौर में पाकिस्तान गए थे। इसमें युवक, युवतियां, महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल हैं। इनमें से कुछ लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। उनसे यात्रा की तारीख, ठहरने की जगह, मुलाकात करने वाले लोगों और यात्रा के उद्देश्य के बारे में विस्तृत जानकारी ली गई।

हालांकि, पूछताछ में अब तक किसी प्रकार की कोई गतिविधि सामने नहीं आई है, लेकिन एजेंसियां कोई जोखिम उठाने के मूड में नहीं हैं। इसी वजह से इन लोगों के पासपोर्ट, वीजा, फ्लाइट टिकट और पाकिस्तानी ठिकानों से संबंधित विवरणों की गहन जांच की जा रही है। जांच में यह भी देखा जा रहा है कि इन यात्रियों का किसी संदिग्ध संगठन या व्यक्ति से कोई संपर्क तो नहीं रहा। यह पूरी जांच राज्य और केंद्र स्तर की खुफिया एजेंसियों की निगरानी में चल रही है।

मुख्तार अंसारी की सीट को लेकर आक्रामक क्यों हैं ओपी राजभर

ब्रजेश सिंह के चुनाव लड़ने की अटकलें तेज

मऊ, 3 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तरप्रदेश में मऊ सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर बयानों की सियासत शुरू हो गई है। सुभासपा प्रमुख और यूपी सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि मऊ सीट पर हमारी पार्टी की ही दावेदारी होगी। उन्होंने कहा कि 2022 में हमने यह सीट जीती ऐसे में उपचुनाव में हम इस सीट पर मजबूती से चुनाव लड़ेंगे।

ऐसे में सवाल यह है कि राजभर इस सीट पर चुनाव के ऐलान से पहले ही इतने आक्रामक क्यों है? 2022 विधानसभा चुनाव में राजभर सपा की अगुवाई वाले विपक्षी गठबंधन का हिस्सा थे। ऐसे में उन्होंने यह सीट सपा से लड़-झगड़कर ली थी। ऐसे में सपा ने उनको सीट तो दी लेकिन उम्मीदवार अपना दिया। सपा ने इस सीट से पूर्व सांसद मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को उम्मीदवार बनवाया। यह सीट अंसारी परिवार की परंपरागत सीट मानी जाती है।

ऐसे में राजभर चाहते हैं कि यह सीट उनके पास ही रहे। राजभर इससे पहले 2017 में बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए में थे। तब भी यह सीट उनके पास ही थी। उस समय सपा की ओर से इस सीट पर मुख्तार अंसारी उम्मीदवार थे। तब राजभर ने महेंद्र राजभर को उम्मीदवार बनाया था। मुख्तार तब का चुनाव 8698 वोट के मामूली अंतर से जीत लिया था। राजभर चुनाव के ऐलान से पहले ही बीजेपी को ये बता देना चाहते हैं कि इस सीट पर उन्हीं का दावा है। ऐसे में अब सवाल यह है कि इस पर बीजेपी की क्या प्रतिक्रिया रहती है। इस बीच एक और चर्चा इन दिनों हवा में हैं। वह बाहुबली और माफिया डॉन ब्रजेश सिंह से जुड़ी है। बाहुबली ब्रजेश सिंह करीब 14 साल जेल में रहने के बाद 2022 में जेल से रिहा हुए थे।

इस दौरान उन्होंने जेल से 2016 में वाराणसी की सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर एमएलसी का चुनाव लड़ा था। जिसमें उन्होंने 1954 वोट से जीत दर्ज की थी। इस सीट से पहले कभी उनकी पत्नी और भाई भी उम्मीदवारी कर चुके हैं। इससे पहले बृजेश सिंह 2012 विधानसभा चुनाव में सैयदराजा सीट से भी निर्दलीय चुनाव लड़ चुके हैं। इस सीट से वे मात्र 2016 वोटों के अंतर से चुनाव हार गए थे।

बीजेपी ने हर वर्ग को छला, महिलाएं भी सुरक्षित नहीं

गोरखपुर में भड़कीं एमपी डिंपल यादव, सरकार पर बोला हमला

गोरखपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में मैनपुरी से समाजवादी पार्टी सांसद डिंपल यादव का भारतीय जनता पार्टी सरकार पर बड़ा हमला सामने आया है। सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने गोरखपुर में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची थीं। यहां उन्होंने बीजेपी पर सीधा हमला करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी हर वर्ग के साथ धोखा कर रही है। उनके शासन में कोई भी सुरक्षित नहीं, चाहे वह व्यापारी हो या महिला। इस दौरान उन्होंने पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के परिजनों की मौत पर शोक संवेदना व्यक्त की। डिंपल यादव सीएम योगी आदितयनाथ के गढ़ गोरखपुर में मौजूद थीं। यहां वह पार्टी के दो कार्यकर्ताओं के यहां शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंची थी। इस दौरान उन्होंने मीडिया से तो बहुत ज्यादा बातचीत नहीं की, लेकिन वापसी के वक्त गाड़ी रोक कर उन्होंने मीडिया के सवालों पर मात्र इतना कहा कि भारतीय जनता पार्टी सभी वर्गों के साथ छल कर रही है। व्यापारी हो या महिलाएं कोई भी सुरक्षित नहीं है। डिंपल ने आगे कहा कि बीजेपी ने जितने भी वादे किए चाहे वह युवाओं के साथ हो, व्यापारियों के साथ हो, या फिर छात्रों के साथ किसी एक को भी पूरा नहीं किया। इन्होंने हर वर्ग को ठगा है। बीजेपी के नेताओं का आचरण भी अब असंवैधानिक हो चुका है।

डिंपल यादव ने विरासत गलियारे का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जिस तरह समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल पिछले दिनों गोरखपुर में बन रहे विरासत गलियारा विवाद के दौरान तोड़फोड़ और मुआवजे को लेकर वास्तविकता जानने पहुंचा था। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने उनके साथ अभद्रता की आपत्तिजनक नारे लगाए और वाहनों के साथ तोड़फोड़ की गई यह कहीं से भी संवैधानिक नहीं है। डिंपल ने कहा कि हर किसी को या किसी भी जनप्रतिनिधि को जनता से मिलकर उनकी समस्या को जानने का संवैधानिक अधिकार है। बावजूद भाजपा के लोगों ने प्रतिनिधिमंडल का जबरन रास्ता रोका। सपा सांसद ने आगे कहा कि बीजेपी शासन में बात महिलाओं की, की जाए तो आज वह भी असुरक्षित महसूस कर रही है। महिलाओं का विश्वास बीजेपी से टूटा है और वह सपा के साथ जुड़ती रही है। आज बीजेपी के नेता और कार्यकर्ता भी पूरी तरह हताश हो चुके हैं।

ठगों के जाल में बुरी फंसी सुप्रीम कोर्ट की वकील

9 दिनों तक रखा डिजिटल अरेस्ट, ऐंठ लिए 3.29 करोड़

नोएडा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। देश भर से डिजिटल अरेस्ट के जरिये ठगी करने के बहुत से मामले सामने आ रहे हैं। अब उत्तर प्रदेश के नोएडा से एक ऐसा ही मामला सामने आया है। यहां साइबर ठगों ने एक 72 साल की बुजुर्ग सुप्रीम कोर्ट की सीनियर महिला वकील को 9 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रखा।

ठगों ने उनसे 3.29 करोड़ रुपये की ठगी की। साइबर ठगों ने महिला वकील को कॉल किया। ठगों ने महिला वकिल कहा कि उसके आधार कार्ड का उपयोग कर चार बैंक खाते खोले गए हैं, जिनका इस्तेमाल हथियारों की अवैध तस्करी, ब्लैकमेलिंग और जुए के लिए लेन-देन में किया जा रहा है। ठगों ने महिला वकील को डराते हुए साइबर थाने द्वारा इन खातों के जांच करने की बात कही। इसके बाद ठगों ने महिला वकील से कहा कि अगर वो मामले में क्लीन चिट चाहती हैं, तो एक नंबर पर कॉल करें। महिला वकील को कॉल करने के लिए नबर दिया गया। इसके बाद ठगों ने उनसे ठगी की। ठगों ने उनसे पांच बार में 3.29 करोड़ रुपये ट्रांसफर कराए। महिला से सारे रुपये आरटीजीएस के जरिये ट्रांसफर कराए गए। बाद में जब महिला ने अपने छोटे बेटे को ये बात बताई। फिर बेटे ने साइबर थाना पुलिस में इस ठगी की शिकायत दर्ज कराई। महिला वकील नोएडा के सेक्टर-47 में रहती हैं। पीड़ित महिला वकील ने पुलिस को बताया कि 10 जून को उनके लैंडलाइन पर एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने उनको उनके आधार कार्ड से खुले चार बैंक खातों का उपयोग गलत गतिविधियों के लिए किए जाने की बात कही। ठगों ने उसने कहा कि इस संबंध में 27 अप्रैल को पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। अगर मामले में क्लीन चीट चाहिए तो एक नंबर पर संपर्क करो।महिला वकील ने ठगों द्वारा दिए नंबर पर संपर्क किया तो उनको डराया गया। ठगों ने वॉट्सऐप पर महिला वकील को अरेस्ट वॉरंट भेजा। वॉट्सऐप पर ही उनको डिजिटल अरेस्ट किया गया। ठगों ने महिला वकील से कहा कि वो अपनी एफडी तुड़वा लें और सारी रकम बताए गए खाते में ट्रांसफर कर दें। ठगों ने वादा किया कि महिला वकील को क्लीन चीट मिलने के बाद सारी रकम उनको वापस दे दी जाएगी। ठगों ने अपना नाम शिव प्रसाद, प्रदीप सावंत और प्रवीण सूद बताया था।

संभल में 54 फीट के ताजिया का मामला पहुंचा हाईकोर्ट अदालत ने हस्तक्षेप से किया इनकार, बताई वजह

संभल, 3 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मोहर्रम के मौके पर संभल जिले में बड़े ताजिए के आयोजन को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। कोर्ट ने याचिका को केवल एक काल्पनिक आशंका करार देते हुए इसमें हस्तक्षेप से इनकार कर दिया और याचिका को निस्तारित कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति एमके। गुप्ता और न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की खंडपीठ ने याची आफताब हुसैन और एक अन्य द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याचिका में कहा गया था कि याची को इस वर्ष 6 जुलाई को मोहर्रम के अवसर पर 54 फीट लंबा और 15 फीट चौड़ा ताजिया निकालने की अनुमति नहीं दी जा रही है, जबकि विगत वर्ष वह इसी तरह का ताजिया निकाल चुका है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने स्पष्ट किया कि याची द्वारा दी गई दलीलों में ऐसा कोई पुख्ता आधार नहीं है जिससे यह माना जा सके कि प्रशासन ने ताजिया निकालने पर किसी प्रकार की रोक लगाई है। कोर्ट ने इस बात पर भी ध्यान दिलाया कि याची ने स्वयं यह स्वीकार किया है कि पुलिस अथवा प्रशासन की ओर से कोई लिखित आदेश पारित नहीं किया गया है, जिसमें इस वर्ष ताजिया निकालने से स्पष्ट रूप से रोका गया हो। याची द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों में केवल कोतवाली थाना क्षेत्र की ओर से जारी 22 जून 2025 की नोटिस का उल्लेख था, जिसमें यह कहा गया था कि मोहर्रम के अवसर पर जुलूस निकालते समय ऐसा कोई भी कार्य न किया जाए जिससे शांति-व्यवस्था या कानून व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। इसमें ताजिया निकालने पर कोई प्रत्यक्ष प्रतिबंध नहीं लगाया गया था।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि याची यदि इस वर्ष भी ताजिया निकालना चाहता है तो वह संबंधित सक्षम अधिकारी के समक्ष पूर्व वर्षों की भांति विधिवत अनुमति हेतु आवेदन कर सकता है। इस प्रक्रिया में प्रशासन यथोचित निर्णय ले सकता है। कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह केवल अनुमानों और आशंकाओं के आधार पर हस्तक्षेप नहीं कर सकता।

कोर्ट ने कहा कि न्यायालय का समय और संसाधन वास्तविक, तर्कसंगत और तथ्यों पर आधारित मामलों में ही लगाया जाना चाहिए। बिना किसी लिखित या ठोस निषेध के सिर्फ आशंका के आधार पर याचिका दाखिल करना न्याय की प्रक्रिया के दुरुपयोग के समान है। ऐसे मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप की कोई ठोस आवश्यकता नहीं बनती। इलाहाबाद हाईकोर्ट के इस फैसले से यह स्पष्ट संदेश गया है कि धार्मिक या सामाजिक आयोजनों को लेकर यदि कोई प्रशासनिक प्रतिबंध न हो, तो सिर्फ आशंका के आधार पर न्यायालय का दरवाजा खटखटाना अनुचित है। साथ ही, कोर्ट ने यह रास्ता भी खोल दिया कि याची विधिसम्मत तरीके से अनुमति लेकर आयोजन कर सकता है,

शादी में दहेज नहीं मिला तो बेटे की करा दी दूसरी शादी

भदोही, 3 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के भदोही से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जिले में दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर शादी के महज दो महीने बाद एक नवविवाहिता की उसके ससुराल वालों ने हत्या कर दी। पुलिस ने गुरुवार को इस बात की जानकारी दी। यह घटना जिले के गोपीगंज थाना क्षेत्र की है, जहां 22 वर्षीय रोशनी विश्वकर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

मृतका के ससुराल वाले इसे आत्महत्या का मामला बता रहे हैं, जबकि रोशनी के मायके वालों ने उसके पति और ससुराल पक्ष पर गला दबाकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। गोपीगंज थाना के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि मृतका रोशनी विश्वकर्मा के भाई संजय कुमार विश्वकर्मा की शिकायत पर पति प्रदीप विश्वकर्मा, सास राधा देवी, ससुर बलराम और ननद पूनम विश्वकर्मा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मालकिन ने डांटा तो नौकर ने उसका और 14 वर्षीय बेटे की हत्या कर दी

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण पूर्व जिले के लाजपत नगर थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां पर नौकर मुकेश को मालकिन रुचिका ने डांट दिया तो मुकेश इतना आग बबूला हो गया कि उसने रुचिका सेवानी (42) और उसके बेटे कृष (14) की हत्या कर दी। आरोपी ने दोनों की हत्या गला काटकर की है। रुचिका का शव बेडरूम में बेड के नीचे पड़ा मिला ,जबकि हर्ष का शव बाथरूम में मिला। रुचिका के पति ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंच कर नौकर मुकेश को गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, लाजपत नगर-1 इलाके में एक महिला रुचिका (42) और उसके बेटे कृष (14) के शव उनके घर से बरामद हुए। संदिग्ध घरेलू सहायक को पकड़ लिया गया है। शुरुआती जांच के अनुसार, घरेलू सहायक ने खुलासा किया है कि रुचिका ने उसे डांटा था, और इसी वजह से उसने उनकी हत्या कर दी। आगे की जांच जारी है।

डीसीपी साउथ ईस्ट, हेमंत तिवारी ने बताया कि बुधवार रात 9.43 बजे रुचिका के पति कुलदीप (44) ने पुलिस को कॉल कर बताया था कि उनकी पत्नी और बेटा उनकी कॉल का जवाब नहीं दे रहे हैं। दरवाजा बंद है और गेट और सीढ़ियों पर खून के धब्बे हैं। जिसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जबरन गेट खोला गया। घर के अंदर रूचिका और उसके बेटे की लाश मिली।

जस्टिस वर्मा को हटाने की कवायद

आमराय बनाने की कोशिश, केंद्र ने की सभी दलों से बात

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। हाईकोर्ट में न्यायाधीश रहते जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास से भारी मात्रा में जले हुए नोट मिलने के मामले में सरकार बड़ा फैसला लेने पर विचार कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जस्टिस वर्मा को पद से हटाए जाने को लेकर सरकार की सभी दलों से बात हुई। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट की इंटरनल कमेटी ने भी अपनी जांच में पाया कि उन्हें हटाने की सिफारिश की जाए। जस्टिस वर्मा को लेकर सरकार आम सहमति बनाने की कोशिश में लगी है। सूत्र बताते हैं कि सरकार ने सभी दलों से इसलिए बात की है ताकि हटाए जाने को लेकर आम राय बन सके। बात करने के बाद जल्द ही हटाए जाने को लेकर प्रस्ताव लाया जा सकता है। सभी दलों से बात करके सांसदों के हस्ताक्षर लिए जाएंगे। हालांकि अभी तय नहीं हो सका है कि इनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लोकसभा में लाना है या फिर राज्यसभा में।

बताया जा रहा है कि इस प्रक्रिया के लिए चेयर एक समिति का गठन करेगी। उसकी रिपोर्ट के आधार पर सदन में चर्चा और आगे की कार्रवाई होगी। फिलहाल तीन महीने के समय का प्रावधान है। पिछले महीने भी यह चर्चा थी कि संसद के आगामी सत्र में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया जा सकता है। इससे पहले जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास से जले नोटों की कथित बरामदगी को लेकर जांच करने वाली समिति ने 19 जून को अपनी 64 पेजों वाली रिपोर्ट में कहा कि जस्टिस वर्मा और उनके परिवार के लोगों का उस स्टोर रूम पर गुप्त या सक्रिय नियंत्रण था, जहां से भारी मात्रा में अधजली नकदी मिली थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि इस बरामदगी से जस्टिस वर्मा के कदाचार का पता चलता है, और यह इतना गंभीर है कि उन्हें हटाया जाना चाहिए। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू की अगुवाई वाली 3 सदस्यीय समिति ने 10 दिनों तक मामले की पड़ताल की। इस दौरान उसने 55 गवाहों से पूछताछ भी की। साथ ही जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास पर 14 मार्च की रात करीब 11.35 बजे लगी आग के परिप्रेक्ष्य में घटनास्थल का दौरा भी किया। जस्टिस वर्मा तब दिल्ली हाईकोर्ट के मौजूदा जज थे और यह मामला सामने आने के दौरान उनका तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट में कर दिया गया था।

देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने की सिफारिश की थी। जस्टिस वर्मा ने मामले में खुद को निर्दोष बताया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति ने उन्हें दोषी ठहरा दिया। इस बीच विवाद के दौरान इलाहाबाद हाईकोर्ट में ट्रांसफर किए गए

विधवा महिलाओं को अब हर महीने मिलेंगे 4000 रुपये

गोवा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। गोवा में प्रमोद सावंत के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने राज्य की विधवा महिलाओं के लिए एक बड़ा और सराहनीय निर्णय लिया है। राज्य सरकार की ओर से अब उन विधवाओं को 4,000 की मासिक आर्थिक सहायता दी जाएगी जिनके बच्चों की उम्र 21 वर्ष से कम है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद इस निर्णय की घोषणा की गई। इस योजना के तहत अब तक दो अलग-अलग योजनाओं के अंतर्गत दी जा रही 1,500 और 2,500 की सहायता को मिलाकर एकीकृत रूप में 4,000 मासिक सहायता दी जाएगी। गोवा सरकार के इस फैसले के बारे में सामने आई जानकारी के मुताबिक, यह राशि सामाजिक कल्याण विभाग के माध्यम से सीधे लाभार्थियों को दी जाएगी। विधवा महिलाओं को अब अलग-अलग विभागों में आवेदन नहीं करना पड़ेगा। केवल बच्चे का जन्म प्रमाणपत्र जमा करने पर ही सहायता शुरू हो जाएगी।

जैसे ही बच्चा 21 वर्ष का होगा, सहायता राशि स्वतः 2,500 हो जाएगी। गोवा राज्य के सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्री सुभाष फ़लदेसाई ने बताया कि सरकार का उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को समय पर और बिना अड़चन के सहायता प्रदान करना है। योजना के तहत वर्तमान में लगभग 2,000 लाभार्थियों को सीधे फायदा मिलेगा और आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ने की संभावना है।

'माफी मांगें फडणवीस'

दिशा सालियान केस में आदित्य ठाकरे को मिली क्लीन चिट तो सीएम पर बरसे संजय राउत

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान के सुसाइड केस में शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे को क्लिन चिट मिल गया है। मुंबई पुलिस ने हाईकोर्ट में दाखिल हलफनामे में दावा किया है कि मेडिकल और वैज्ञानिक सबूतों से यह साबित नहीं हुआ है कि दिशा सालियान की हत्या की गई थी या उनके साथ किसी तरह का यौन उत्पीड़न किया गया था। इस मामले में शिवसेना ठाकरे गुट के विधायक आदित्य ठाकरे पर भी आरोप लगे थे। दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर मामले की सीबीआई जांच की मांग की थी। इस मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस ने हलफनामा दाखिल किया है। मुंबई पुलिस ने हाईकोर्ट में दावा किया है कि हलफनामा मेडिकल और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर यह साबित नहीं करता है कि दिशा सालियान की हत्या की गई थी या उनका किसी भी तरह से यौन उत्पीड़न किया गया था। पुलिस ने हलफनामे में यह भी स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ताओं के आरोपों का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं है कि दिशा की हत्या की गई थी और शिवसेना (ठाकरे गुट) के विधायक आदित्य ठाकरे हत्या में शामिल थे। इस मामले को लेकर बीजेपी नेता नारायण राणे और नितेश राणे ने आरोप लगाया था कि दिशा सालियान आत्महत्या मामले में आदित्य ठाकरे का हाथ है।

इस मामले में आदित्य ठाकरे का नार्को टेस्ट कराने की भी मांग की गई थी। पुलिस की चार्जशीट में कोई सबूत न मिलने के बाद शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने विपक्ष के नेताओं से कहा, अब, महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस को (आदित्य ठाकरे से) माफी मांगनी चाहिए। नारायण राणे के बेटे नितीश राणे, देवेंद्र फडणवीस, अन्य भाजपा नेता, एकनाथ शिंदे, इन सभी को शिवसेना (यूबीटी) और आदित्य ठाकरे से माफी मांगनी चाहिए।

धीरेंद्र शास्त्री के बागेश्वर धाम में टीन शेड गिरने से एक की मौत, 10 श्रद्धालु घायल

छतरपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के गढ़ा गांव स्थित बागेश्वर धाम में बड़ा हादसा हुआ है। धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के जन्मदिन से एक दिन पहले गुरुवार सुबह आरती के बाद टीन शेड गिर गया। इस दौरान लोहे का एंगल एक श्रद्धालु के सिर पर गिरा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में 10 अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल श्रद्धालु ने बताया कि हादसा सुबह करीब साढ़े 7 बजे हुआ, जब बारिश से बचने के लिए लोग टेंट के नीचे इकट्ठा हुए थे। मृतक श्रद्धालु की पहचान अयोध्या निवासी राजेश कुमार कौशल के रूप में हुई है। वे अपने परिवार के 6 लोगों के साथ बुधवार रात बागेश्वर धाम पहुंचे थे।

शुक्रवार (4 जुलाई) को धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री का जन्मदिन है, जिसके लिए वे दर्शन करने आए थे। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के जन्मदिन को बागेश्वर धाम में एक बड़े उत्सव के रूप में मनाया जाता है, जिसमें देशभर से लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। जन्मदिन के मौके पर धीरेंद्र शास्त्री ने भक्तों से अपील की है कि वे उन्हें उपहार के रूप में ईंटें दान करें। इस ईंट का इस्तेमाल अस्पताल बनाने में किया जाएगा। पिछले दिनों धीरेंद्र शास्त्री ने कैंसर अस्पताल की नींव रखी थी।

राजा की बहन सृष्टि पर असम में एफआईआर

वीडियो में दावा किया था- राजा की हत्या नरबलि के तहत की

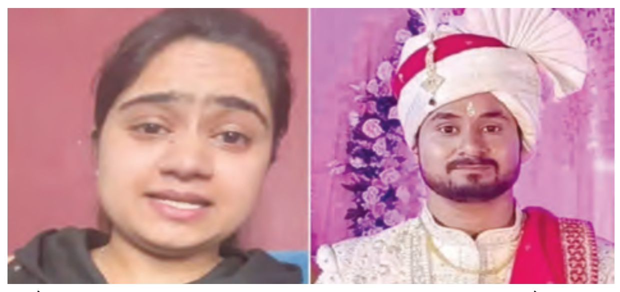

इंदौर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर के राजा रघुवंशी मर्डर केस में असम पुलिस ने राजा की मौसेरी बहन सृष्टि रघुवंशी के खिलाफ केस दर्ज किया है। मामले में एक पुराने वीडियो को आधार बनाया गया है। इसमें सृष्टि ने दावा किया था कि राजा की हत्या असम में नरबलि के तहत की गई है। मामले में कामाख्या मंदिर के पुजारी सरू डोलोई हिमाद्रि का कहना है कि जब भी कामाख्या मंदिर के आसपास कोई हत्या का मामला होता है तो मंदिर में मानव बलि का मुद्दा उठाया जाता है। इस तरह के आरोपों से यहां के लोगों की भावनाएं भी आहत होती हैं। पुजारी का कहना है कि राजा की नरबलि का दावा धार्मिक भावनाएं भड़काने और क्षेत्रीय तनाव पैदा करने वाला है। पुलिस ने राजा की बहन सृष्टि रघुवंशी पर बीएनएस की धारा 196 (2), 299, 302 के तहत केस दर्ज किया है। वहीं, राजा के भाई विपिन ने कहा कि इस मामले में हमें कोई जानकारी नहीं है। हालांकि, नरबलि की आशंका राजा की मां उमा और भाई विपिन भी जता चुके हैं।

राजा के लापता होने से लेकर शव बरामद होने तक सृष्टि सोशल मीडिया पर लगातार सक्रिय रही थी और मदद की गुहार लगाती रही। इसी दौरान उसने एक वीडियो में नरबलि जैसा बयान दिया, जो अब विवाद में आ गया है। मामले के तूल पकड़ने के बाद सृष्टि ने सोशल मीडिया पर माफी मांगते हुए कहा कि उसने यह बयान भावुक होकर दिया था। उसका उद्देश्य किसी धर्म या समुदाय की भावना को ठेस पहुंचाना नहीं था।

सृष्टि के भाई विपिन रघुवंशी ने कहा कि सृष्टि पहले ही सार्वजनिक रूप से माफी मांग चुकी है। अगर जरूरत पड़ी, तो वे असम जाकर भी अपनी बात स्पष्ट करेंगे। सोनम और राजा की शादी 11 मई को इंदौर में हुई थी। वे 21 मई को हनीमून के लिए असम के गुवाहाटी से होते हुए मेघालय पहुंचे थे। 23 मई को पूर्वी खासी हिल्स जिले के सोहरा में नोंगरियाट गांव से लापता हो गए थे। राजा का क्षत-विक्षत शव 2 जून को वेइसाडोंग फॉल्स के पास एक घाटी में मिला था।

अस्पताल और डॉक्टर दोनों फर्जी लापरवाही से हुई सात मौतें

दमोह, 3 जुलाई (एजेंसियां)। दमोह शहर की मिशन अस्पताल में हुई सात मरीजों की मौत मामले में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की जांच रिपोर्ट सामने आ गई है। अस्पताल की कैथ लैब और वहां पर सेवा देने वाले डॉक्टर नरेंद्र यादव उर्फ एन जॉन केम को फर्जी बताया गया है। इसके अलावा मिशन अस्पताल में मरीजों को आयुष्मान कार्ड के नाम पर मिलने वाली सुविधाओं में भी बड़े फर्जीवाड़े की बात कही गई है।

साथ ही तत्कालीन सीएमएचओ डॉक्टर मुकेश जैन की प्रशासनिक जांच के भी आदेश दिए गए हैं। इस जांच रिपोर्ट का तीन महीने से इंतजार किया जा रहा था, जो बुधवार को सामने आई। हालांकि अभी कलेक्टर ने रिपोर्ट न मिलने की बात कही है। आयोग की जांच रिपोर्ट के आधार पर मिशन अस्पताल और उसकी प्रबंध समिति पर सात अलग-अलग एफआईआर दर्ज करने के आदेश भी जारी किए गए हैं। मिशन अस्पताल के विदेशी फंडिंग सहित ईओडब्ल्यू को फर्जीवाड़े की जांच की सिफारिश की गई है।

मिशन अस्पताल में पदस्थ फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर एन जॉन केम पर आरोप है कि उसने फर्जी डिग्री के आधार पर दमोह के सात मरीजों की एंजियोप्लास्टी की। उसकी लापरवाही से मरीजों की जान चली गई। इस मामले को भी आयोग ने संज्ञान में लिया था। आयोग की जांच रिपोर्ट में मिशन अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टर केम से 10-10 लाख की जुर्माना राशि सभी सात मृतकों के परिजनों को देने के आदेश दिए गए हैं।

स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार का फर्दाफाश मुंबई पुलिस ने 4 महिलाओं को किया रेस्क्यू

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई के साकीनाका इलाके में स्थित एक स्पा सेंटर में मुंबई की एमआईडीसी पुलिस ने मसाज सेवाओं की आड़ में चल रहे वेश्यावृत्ति गिरोह का पर्दाफाश किया है। एमआईडीसी पुलिस ने स्पा मालिक रुकाया अनीस अहमद शेख के रूप में हुई है, जिसे गिरफ्तार कर पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। दो अन्य आरोपी यशस्वी संजय सिंह और विशाल लक्ष्मी मुंडा मौके से फरार हो गए हैं, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। पुलिस अधिकारियों को सूचना मिली कि साकीनाका इलाके में स्थित एक स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार करते हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दावों की पुष्टि करने के लिए एक फर्जी ग्राहक को भेजा। संदेह की पुष्टि होने के बाद, एमआईडीसी पुलिस की एक विशेष टीम ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान 4 युवतियों को रेस्क्यू किया गया। जांच में पता चला कि स्पा एक वैध मसाज पार्लर के रूप में चल रहा था, जबकि वास्तव में मालिक और प्रबंधक कथित तौर पर महिलाओं को वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर कर रहे थे। महिलाओं को ग्राहकों को 'अतिरिक्त सेवाएं' देने के लिए मजबूर किया जाता था, जिसका पैसा स्पा के प्रबंधन और महिलाओं के बीच बांटा जाता था। पुलिस ने सभी गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच जारी है। बता दें, इससे पहले तमिलनाडु के नमक्कल जिले में स्पा और मसाज सेंटर्स की आड़ में चल रही अनैतिक गतिविधियों का खुलासा हुआ है।

पुलिस ने छापेमारी के दौरान 4 स्पा सेंटरों से 18 महिलाओं को मुक्त कराया और 4 प्रबंधकों को हिरासत में लिया। यह कार्रवाई अवैध देह व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस का कहना है कि कार्रवाई की जा रही है।

'कूरियर डिलीवरी एजेंट' बनकर घर में घुसा शख्स, 25 वर्षीय युवती संग किया दुष्कर्म

पुणे, 3 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में एक अज्ञात व्यक्ति ने 'कूरियर डिलीवरी एग्जीक्यूटिव' (सामान पहुंचाने वाला) बनकर यहां एक फ्लैट में घुसकर 25 वर्षीय युवती से कथित तौर पर दुष्कर्म किया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना शाम करीब साढ़े सात बजे महाराष्ट्र के पुणे शहर के कोंढवा इलाके में एक हाउसिंग सोसायटी में हुई।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, महिला का भाई किसी काम से बाहर गया था और वह फ्लैट में अकेली थी। शाम करीब साढ़े सात बजे एक व्यक्ति सामान पहुंचाने वाला बनकर फ्लैट में पहुंचा और उसने कथित तौर पर घर में घुसकर महिला के साथ दुष्कर्म किया

रियासत के अंतिम नवाब की संपत्ति पर विवाद, हाईकोर्ट ने नए सिरे से सुनवाई करने के दिए निर्देश

जबलपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भोपाल रियासत के अंतिम नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खान की संपत्ति के उत्तराधिकार के संबंध में दायर अपील की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट द्वारा साल 2000 में पारित आदेश को निरस्त कर दिया है।

हाईकोर्ट जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने ट्रायल कोर्ट सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश का हवाला देते हुए निर्देशित किया है कि सम्पत्ति उत्तराधिकारी विवाद की सुनवाई नए सिरे की जाए। एकलपीठ अपने आदेश में कहा कि है कि इसे एक साल की निर्धारित समय अवधि में किया जाए। भोपाल रियायत के वंशज का दावा करते हुए बेगम सुरैया रशीद, बेगम मेहर ताज नवाब साजिदा सुल्तान, नवाबजादी कमर ताज राबिया सुल्तान, नवाब मेहर ताज साजिदा सुल्तान एवं अन्य ने भोपाल जिला न्यायालय द्वारा पारित आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में साल 2000 में दो अपील में दायर की थीं। अपील में कहा गया था कि भोपाल रियासत का भारत संघ में विलय 30 अप्रैल 1949 में हुआ था। लिखित समझौते के अनुसार विलय के बाद नवाब के विशेष अधिकार जारी रहेंगे और निजी संपत्ति के पूर्ण स्वामित्व के उत्तराधिकार भोपाल सिंहासन उत्तराधिकार अधिनियम 1947 के तहत होंगे। नवाब की मृत्यु के बाद साजिदा सुल्तान को नवाब घोषित किया गया था। भारत सरकार ने 10 जनवरी 1962 को पत्र जारी की संविधान के अनुच्छेद 366 (22) के तहत व्यक्तिगत संपत्ति का उल्लेख निजी संपत्ति के रूप में किया था। नवाब मोहम्मद हमीदुल्ला खान की मृत्यु के पश्चात उनकी निजी संपत्ति का बंटवारा मुस्लिम पर्सनल लॉ के अनुसार वादीगण और प्रतिवादियों के बीच होना चाहिए था।

पेट्रोल पंप मालिकों पर जुर्माना लगाने के विरुद्ध याचिका दिल्ली सरकार और सीएक्यूएम को नोटिस जारी

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। उम्र पूरी कर चुके वाहनों को पेट्रोल पंपों से ईंधन न देने के नियम को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। कोर्ट ने इस मामले में दिल्ली सरकार और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को नोटिस जारी कर हलफनामा दाखिल करने को कहा है। साथ ही, इस मुद्दे पर सुनवाई सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई है। दिल्ली पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि पेट्रोल पंप मालिकों पर ऐसे आदेश लागू करने का दबाव डाला जा रहा है, जिसके लिए उनके पास कोई कानूनी अधिकार ही नहीं है।

एसोसिएशन की ओर से पेश हुए अधिवक्ताओं आनंद वर्मा, आद्याशा नंदा और अपूर्व पांडे ने दलील दी कि डीलर्स सीएक्यूएम के निर्देशों का पालन करने के पक्ष में हैं, लेकिन उन पर मोटर वाहन अधिनियम की धारा 192 लगाने का कोई औचित्य नहीं है। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि पेट्रोल पंप मालिक केवल निजी संस्थाएं हैं, न कि कोई सरकारी एजेंसी। ऐसे में उनके पास यह कानूनी अधिकार नहीं है कि वह उम्र पूरी कर चुके वाहनों को ईंधन न देने का नियम लागू कर सकें। यह जिम्मेदारी राज्य की है और इसे निजी हाथों में नहीं सौंपा जा सकता। याचिका में इस आदेश को निरस्त करने की मांग की गई है। गौरतलब है कि सीएक्यूएम ने हाल ही में आदेश जारी किया था कि दिल्ली के सभी पेट्रोल पंपों पर एक जुलाई से पुराने वाहनों को पेट्रोल या डीजल नहीं दिया जाएगा। इस आदेश के सख्त अनुपालन के लिए परिवहन विभाग ने दिल्ली पुलिस और यातायात कर्मियों के साथ मिलकर एक विस्तृत प्रवर्तन योजना बनाई है। याचिका में यह भी कहा गया है कि किसी पेट्रोल पंप पर रोजाना औसतन तीन हजार वाहन ईंधन भरवाने आते हैं। इतनी भीड़भाड़ में यह सुनिश्चित करना बेहद मुश्किल है कि कोई पुराना वाहन ईंधन न भरवा सके। इस कारण असावधानी की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। एसोसिएशन ने कोर्ट में यह भी कहा कि वायु प्रदूषण को रोकने के लिए केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे एनसीआर और आस-पास के क्षेत्रों में प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है।

अकेले पेट्रोल पंप मालिकों को इस जिम्मेदारी में झोंकना तर्कसंगत नहीं है। अब देखना होगा कि हाई कोर्ट इस संवेदनशील मुद्दे पर सितंबर में क्या फैसला सुनाता है।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बचपन के स्कूल पहुंचे, स्मार्ट क्लासरूम, हाइजिन किचन का किया उद्घाटन

तालचेर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। स्कूल से हर व्यक्ति का खास जुड़ाव होता है। बड़े होने के बाद एक बार फिर स्कूल जाना सभी को काफी ज्यादा भावुक कर देता है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान गुरुवार को अपने बचपन के स्कूल पहुंचे। शिक्षा मंत्री ओडिशा के तालचेर के अपने बचपन के स्कूल हांडीधुआं प्राइमरी स्कूल पहुंचे। इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर सालों बाद अपने बचपन के स्कूल जाने की भावनाएं सभी के साथ शेयर की। शिक्षा मंत्री न सिर्फ अपने स्कूल गए बल्कि उन्होंने स्कूल को कई सौगात दी। शिक्षा मंत्री ने स्कूल में स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन किया। जो शिक्षा को और भी बेहतर बनाएगी, इन क्लास के जरिए छात्र कई नई चीजें सीख सकेंगे, साथ ही टेक्नोलॉजी से जुड़ सकेंगे।इसी के साथ शिक्षा मंत्री ने बच्चों के स्वाथ्य का ध्यान रखते हुए एक हाइजीन किचन का भी उद्घाटन किया है। साथ ही नवीकृत भवन और डाइनिंग हॉल का भी उद्घाटन किया गया। इसी के साथ एक पेड़ मां के नाम के तहत 76वें वन महोत्सव 2025 में वृक्षारोपण भी किया।

शिक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, आज एक बार फिर अपने बचपन के विद्यालय हांडीधुआं प्राइमरी स्कूल, तालचेर में आकर मन भावविभोर हो गया। इस प्रांगण ने मुझे अक्षर ज्ञान दिया, सपनों की उड़ान दी और संस्कारों की नींव रखी। आज यहां स्मार्ट क्लासरूम, हाइजीन किचन, नवीकृत भवन और डाइनिंग हॉल का उद्घाटन और एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत 76वें वन महोत्सव 2025 में वृक्षारोपण करना मेरे लिए एक भावनात्मक और आध्यात्मिक अनुभव रहा।

मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल का इस्तीफा विभाग की परफॉर्मेंस रिपोर्ट पर छोड़ा पद

पंजाब के कैबिनेट मिनिस्टर कुलदीप सिंह धालीवाल ने इस्तीफा दे दिया है। पंजाब सरकार के सूत्रों के हवाले से ये खबर आई है। माना जा रहा है कि विभागों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट के आधार पर आलाकमान की ओर से इस्तीफा दिए जाने के निर्देश दिए गए थे, जिसके बाद उन्होंने पद छोड़ा है। कुलदीप सिंह आम आदमी पार्टी की सरकार में एनआरआई अफेयर्स मिनिस्टर थे। कुलदीप सिंह धालीवाल अजनाला विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं और पंजाब की भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। कुलदीप सिंह धालीवाल का जन्म 1962 में पंजाब के अजनाला में हुआ था। उनके पिता का नाम हरबंस सिंह है। कुलदीप सिंह ने 10वीं तक की पढ़ाई अमृतसर के सरकारी स्कूल से की है। अपने राजनीतिक जीवन के शुरुआती वर्षों में उनका कांग्रेस से नाता रहा। धालीवाल ने 2019 के लोकसभा चुनाव में भाग लेने के लिए अमेरिकी नागरिकता त्याग दी थी।

उन्होंने 2014 में अमेरिका छोड़ दिया और 13 साल वहां रहने के बाद राजनीति में शामिल होने के लिए वापस आ गए। धालीवाल ने दावा किया था कि अमेरिका जाने से पहले उन्हें जगदेव कलां गांव का सरपंच चुना गया था। 2022 के पंजाब चुनावों में आम आदमी पार्टी ने अमृतसर से धालीवाल के रूप में अपने एनआरआई मामलों के मंत्री को चुना था। वह 2019 के लोकसभा चुनावों में हार गए थे। उन्हें सिर्फ 20,087 वोट मिले थे, जो कुल डाले गए वोटों का मात्र 2.34 प्रतिशत था। कांग्रेस के गुरजीत सिंह औजला ने 4.45 लाख से अधिक वोट हासिल करके आराम से चुनाव जीता था।

हालांकि, आप की लहर पर सवार होकर धालीवाल ने 2022 का विधानसभा चुनाव अजनाला विधानसभा सीट से जीत लिया। 19 मार्च, 2022 को पंजाब राजभवन में उन्होंने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। धालीवाल को मान मंत्रालय में कैबिनेट मंत्री के रूप में पंजाब सरकार के तीन विभागों का प्रमुख नियुक्त किया गया: ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग और एनआरआई मामले विभाग।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 4 जुलाई - 2025

चीन की कोशिशों को लगा झटका

दलाई लामा के पुनर्जन्म को लेकर अभी तक कई तरह की बातें सामने आ रही थीं, लेकिन 14वें दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो की साफगोई से अब इस पर विराम लग गया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि 600 साल पुरानी यह परंपरा उनके बाद भी जारी रहेगी। इससे तिब्बती समुदाय के अलग-अलग गुटों ने भी राहत की सांस ली है। इसके साथ ही 'अपना खुद का दलाई लामा' बनाने की चीन की कोशिशों को करारा झटका लगा है। दलाई लामा का यह फैसला उनके 90वें जन्मदिन 6 जुलाई से कुछ दिन पहले आया है। दलाई लामा ने पहले ही कह दिया था कि इस बारे में फैसला तिब्बती लोग ही करेंगे कि दलाई लामा की परंपरा जारी रहनी चाहिए या नहीं। उन्होंने यह भी कहा था कि जब वह 90 साल के हो जाएंगे, तो वह तिब्बती बौद्ध धर्म के उच्च लामाओं, तिब्बती जनता और अन्य लोगों से सलाह लेंगे। अब उन्होंने साफ कर दिया है कि यह संस्था जारी रहेगी। इससे उन अटकलों पर विराम लग गया है कि दलाई लामा के बाद यह परंपरा खत्म हो जाएगी। पहले यह भी कहा जा रहा था कि नए दलाई लामा को लोकतांत्रिक तरीके से चुना जा सकता है। दलाई लामा ने यह भी कहा कि उनका उत्तराधिकारी चीन के बाहर पैदा होगा। 1999 में, 14वें दलाई लामा ने चीन के दखल को भांपते हुए कहा था कि अगर मेरे पुनर्जन्म का चुनाव पारंपरिक तरीकों से होता है, तो मेरा कोई भी पुनर्जन्म तिब्बत या चीन के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में नहीं होगा। परंपरा के अनुसार, दलाई लामा के पुनर्जन्म के रूप में माने जाने वाले बच्चे को पहचाना जाता है और उसे इस भूमिका के लिए तैयार किया जाता है। चीन हमेशा से दलाई लामा को एक अलगाववादी मानता है। इसलिए, उसने कहा कि दलाई लामा के पुनर्जन्म को खोजने का अधिकार केवल उसी के पास है। अगर पुरानी परंपरा जारी नहीं रहती, तो इससे तिब्बती बौद्ध समुदाय में विभाजन हो सकता था। इससे पहले से ही तनावपूर्ण राजनीतिक स्थिति और भी जटिल हो जाती। दलाई लामा ने 1969 में ही कह दिया था कि नए दलाई लामा पर फैसला तिब्बती लोग ही करेंगे। केवल गादेन फोडरंग ट्रस्ट के पास उनके उत्तराधिकारी को तय करने का अधिकार होगा। गादेन फोडरंग ट्रस्ट की स्थापना दलाई लामा ने 2015 में की थी। यह फैसला तिब्बत के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दलाई लामा बहुत ही सम्मानित व्यक्ति हैं। पूरी दुनिया में उनके अनुयायी हैं। उनका यह फैसला तिब्बती समुदाय के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया है। दलाई लामा की तरफ दुनिया का ध्यान 1959 में उस समय गया जब वह कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग के नेतृत्व में चीनी सेना की ओर से तिब्बत पर कब्जा किया गया। इसके बाद दलाई लामा तिब्बतियों के एक बड़े समूह के साथ भारत में शरण लेने के लिए आए थे। तब से वह हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में रह रहे हैं। उनकी उपस्थिति चीन और भारत के बीच विवाद का विषय बनी रही। दलाई लामा के उत्तराधिकारी को भी तिब्बती स्वायत्तता के लिए, संघर्ष को जारी रखना पड़ सकता है। दलाई लामा के उत्तराधिकारी के मुद्दे से चीन और अमेरिका के बीच भी नए तनाव की आशंका है क्योंकि अमेरिका का तिब्बती नीति और समर्थन अधिनियम 2020, चीन की नीति के उलट है।

बढ़ता ही जा रहा है भाषाई विवाद , इसे रोकना जरुरी

अशोक भाटिया

एक बड़ी हिंदी भाषी आबादी होने के बावजूद महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर विरोध को हवा मिलती रही है। वजह है मराठी पहचान पर ज़ोर। स्थानीय राजनीतिक दल इसे मुद्दा बनाते आए हैं। इस समय विरोध इस हद तक बढ़ गया है कि मराठी के पक्षधर मारकुटाई तक उतर आए है जिसके विरोध में आज महाराष्ट्र में कई स्थानों पर बन्द का आयोजन किया जा है । मीरा रोड में मारवाड़ी व्यापारी के साथ हुई मारपीट की घटना पर जहां एक तरफ गुरुवार को बंद बुलाया गया है, वहीं बीजेपी, शिंदे सेना ने इस घटना की निंदा की है। हिंदीभाषी नेताओं ने मनसे कार्यकर्ताओं की तरफ से की गई भाषा के नाम पर मारपीट को गलत ठहराया है। नेताओं ने ने कहा कि मराठी सीखना जरूरी है, क्योंकि इससे लोगों को फायदा ही होगा, लेकिन मारपीट ठीक नहीं है। दरअसल महाराष्ट्र में ये हिंदी विरोध आज की बात नहीं है बल्कि ये पचास के दशक से चला आ रहा है जो सियासी वजहों से रह- रहकर उफ़ान मारता रहा है।

पचास के दशक में तत्कालीन बॉम्बे स्टेट जिसमें आज का गुजरात और उत्तर पश्चिम कर्नाटक भी आता था वहां एक अलग मराठी भाषाई राज्य बनाने की मांग को लेकर संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन शुरू हुआ। साठ के दशक में आंदोलन का असर दिखा। संसद ने दि बॉम्बे पुनर्गठन अधिनियम पास किया जिसके बाद महाराष्ट्र और गुजरात दो अलग राज्य बने। इसके छह साल बाद जब बाला साहेब ठाकरे ने शिवसेना की स्थापना की तो उनका घोषित लक्ष्य था, बैंक की नौकरियों और कारोबार में दक्षिण भारतीयों और गुजराती लोगों के प्रभुत्व के ख़िलाफ़ मराठी मानुष को संरक्षण देना। मराठी भाषा, मराठी अस्मिता और मराठी लोगों के मुद्दे उठाकर शिवसेना ने महाराष्ट्र में गहरी पैठ बना ली। अस्सी के दशक में शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने दक्षिण भारतीयों और उत्तर प्रदेश और बिहार से आए प्रवासी उत्तर भारतीयों के खिलाफ लगातार रैली और आंदोलन किए। शिवसेना सत्ता में आई तो उसने दुकानों और संस्थानों में मराठी नेम प्लेट लगानी अनिवार्य कर दीं। बैंकों और सरकारी दफ़्तरों में भी मराठी में काम शुरू करवाया। बाला साहब ठाकरे जी के निधन के बाद भी शिवसेना ने ये मुद्दा अपने हाथ में रखा जो उसे बाकी पार्टियों से अलग बनाता रहा। उधर शिवसेना से अलग हुए बाला साहेब ठाकरे जी के भतीजे राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने भी ये मुद्दा मज़बूती से थामे रखा। शिवसेना, एमएनएस के लिए हर चुनाव में ये मुद्दा वोटों से भी सीधे तौर पर जुड़ा रहा। शिवसेना दो फाड़ हुई तो दोनों ही पक्षों ने इसे हाथ से जाने नहीं दिया। मराठी भाषा को लेकर ताज़ा विवाद इस साल मार्च में शुरू हुआ जब आरएसएस के वरिष्ठ नेता सुरेश भैयाजी जोशी ने कहा कि मुंबई की एक भाषा नहीं है और ये ज़रूरी नहीं है कि मुंबई आने वाले हर व्यक्ति को मराठी सीखनी पड़े।

इस बयान पर विपक्षी महाविकास अघाड़ी के दल बिफ़र गए। ख़ुद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मराठी राज्य की संस्कृति, इसे सीखना हर नागरिक का कर्तव्य है। इसके अगले ही महीने अप्रैल में फडणवीस सरकार ने एक आदेश जारी किया जिसमें अंग्रेज़ी और मराठी मीडियम के स्कूलों में पहली से पांचवीं क्लास के छात्रों के लिए हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा बना दिया गया। फिर क्या था विपक्षी दलों शिवसेना-यूबीटी, एनसीपी-शरद पवार और एमएनएस को विरोध के लिए नया बारूद मिल गया। उन्होंने इसे स्थानीय पहचान को कमज़ोर करने की साज़िश बताया और राष्ट्रीय एकता की आड़ में सांस्कृतिक एकरूपता को बढ़ावा देने की कोशिश बताया। विरोध को हवा मिली और नतीजा ये हुआ कि महाराष्ट्र सरकार को प्राथमिक स्कूलों में तीन भाषा के फॉर्मूले को वापस लेने को मजबूर होना पड़ गया। बाद में महाराष्ट्र सरकार ने स्कूलों में तीन-भाषा नीति के क्रियान्वयन से संबंधित दो सरकारी प्रस्तावों (जीआर) को वापस ले लिया है। विपक्षी दलों और नागरिक समाज की तीखी प्रतिक्रिया के बाद, इसे हिंदी थोपे जाने के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की कि प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ। नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता वाली एक नई समिति भाषा नीति की विस्तार से फिर से जांच करेगी और तीन महीने के भीतर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। तब तक, 16 अप्रैल और 17 जून को जारी किए गए दोनों प्रस्तावों को रद्द कर दिया गया है।

विवाद तब शुरू हुआ था जब सरकार ने अप्रैल में एक जीआर जारी किया जिसमें अंग्रेजी और मराठी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बना दिया गया। शिवसेना (यूबीटी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना सहित विपक्षी दलों ने इस नीति को क्षेत्रीय पहचान को खत्म करने और राष्ट्रीय एकीकरण की आड़ में सांस्कृतिक समरूपता को बढ़ावा देने का प्रयास बताया। हिंदी का विरोध केवल महाराष्ट्र तक ही सीमित नहीं है; तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश जैसे दक्षिणी राज्यों ने ऐतिहासिक रूप से अपनी मूल भाषाओं की कीमत पर हिंदी को बढ़ावा देने के किसी भी कथित प्रयास का विरोध किया है। यह विरोध सांस्कृतिक गौरव, ऐतिहासिक स्मृति और भाषाई समानता की चिंताओं के मिश्रण में निहित है। तमिलनाडु जैसे राज्यों में, 1960 के दशक के हिंदी विरोधी आंदोलनों ने गहरी छाप छोड़ी, जिसने पीढ़ियों के लिए राजनीतिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण को आकार दिया। महाराष्ट्र में, मराठी पहचान के दावे ने हमेशा राजनीतिक विमर्श में केंद्रीय भूमिका निभाई है। इसे "राष्ट्रीय" एजेंडे के रूप में देखे जाने वाले किसी भी प्रयास के माध्यम से कमजोर करने का प्रयास अक्सर मजबूत भावनात्मक और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं को भड़काता है। इन क्षेत्रों में मुख्य चिंता यह है कि हिंदी, जो पहले से ही केंद्र सरकार और राष्ट्रीय मीडिया में प्रमुख है, को स्थानीय भाषाई संदर्भों की अनदेखी करने वाली शैक्षिक नीतियों के माध्यम से थोपा जा रहा है। आलोचकों का तर्क है कि जबकि गैर-हिंदी भाषी राज्यों के छात्रों से हिंदी सीखने की अपेक्षा की जाती है, वहीं हिंदी भाषी छात्रों को मराठी, तमिल या कन्नड़ जैसी क्षेत्रीय भाषाएँ सीखने के लिए कोई पारस्परिक प्रोत्साहन नहीं दिया जाता है। यह एकतरफा नीति दिशा हाशिए पर जाने और सांस्कृतिक क्षरण की भावना को बढ़ावा देती है। अपने मूल में, यह विवाद भारत की स्थायी चुनौती का प्रतिबिंब है: भाषाई विविधता के साथ राष्ट्रीय एकीकरण को कैसे संतुलित किया जाए।

भारत में भाषा संचार के साधन से कहीं अधिक है; यह पहचान, इतिहास और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है। मुद्दा हिंदी सीखने का नहीं है, बल्कि जिस तरह से इसे पेश किया जाता है और इसमें विकल्पों की कमी है। स्वैच्छिक, रुचि-आधारित भाषा सीखना स्वागत योग्य है। हालाँकि, बाध्यकारी आदेश उल्टा असर करते हैं। आगे बढ़ते हुए, नीति को स्थगित करने और एक विशेषज्ञ पैनल बनाने का महाराष्ट्र का निर्णय सही दिशा में एक कदम है। यह भाषा शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय पर संवाद, परामर्श और व्यापक सहमति की आवश्यकता को स्वीकार करता है। भारत की ताकत इसकी भाषाई विविधता में निहित है। भाषा के माध्यम से देश को एकजुट करने के प्रयासों को उस बहुलता का जश्न मनाना चाहिए न कि उसे दबाना चाहिए। जैसा कि डॉ। जाधव के नेतृत्व वाला पैनल अपना काम शुरू करता है, उम्मीद है कि यह एक ऐसी नीति की सिफारिश करेगा जो हर बच्चे के अपनी पसंद की भाषा सीखने के अधिकार को बनाए रखे। दरअसल, ऐसा इसलिए हो रहा है कि आज अंतरराज्यीय रोजगार, शिक्षा और मनोरंजन आदि की चाहत में लोगों ने हिंदी सीखी है या इन्हीं कारणों से विस्थापन हुआ है। यदि हिंदी को थोपना होता, तो यह संविधान की मूल मंशा के अनुरूप आज देश की अनिवार्य राजभाषा होती, लेकिन यह सच्चाई किसी से नहीं छिपी है कि स्वतंत्रता के इतने साल बाद भी सरकारी कामकाज की भाषा स्वाभाविक रूप से अंग्रेजी ही है। जाहिर है कि हिंदी अपनी जमीन से आगे बढ़ रही है, ऊपर से थोपी नहीं गई है।

एक अनंत मशाल: स्वामी विवेकानंद का निर्वाण और अविनाशी प्रकाश

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

जब मैं अपनी आँखें बंद करता हूँ और भारत की उस सनातन आत्मा की कल्पना करता हूँ, जो युगों से सत्य, प्रेम और साहस की प्रेरणा देती रही है, तो मेरे सामने स्वामी विवेकानंद का तेजस्वी चेहरा उभर आता है। वह चेहरा, जो केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि एक युग का प्रतीक है; वह आवाज़, जो केवल शब्दों की नहीं, बल्कि आत्मजागरण की हुंकार है। 4 जुलाई 1902 का वह दिन, जब यह महान आत्मा अपने भौतिक शरीर को त्यागकर अनंत में विलीन हो गई, भारत के लिए केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक अनश्वर प्रेरणा का स्मारक है। स्वामी विवेकानंद कोई साधारण सन्यासी नहीं थे; वे उस अग्नि के समान थे, जिसने भारत के सोए हुए मानस को झकझोरा और विश्व को भारतीय अध्यात्म की अनंत गहराई से परिचित कराया। उनकी पुण्यतिथि हमें नमन करने का अवसर देती है—न केवल उनके जीवन को, बल्कि उस साहस, करुणा और आत्मविश्वास को, जो उन्होंने हमें विरासत में दिया।

स्वामी विवेकानंद, जिनका जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में नरेंद्र नाथ दत्त के रूप में हुआ, बचपन से ही एक असाधारण आत्मा थे। उनकी जिज्ञासु बुद्धि और आध्यात्मिक पिपासा उन्हें उनके समकालीनों से अलग करती थी। 1881 में रामकृष्ण परमहंस से उनकी मुलाकात ने उनके जीवन को एक नया मोड़ दिया। रामकृष्ण ने उनके भीतर छिपे उस सूर्य को देखा, जो विश्व को आलोकित करने वाला था। 1886 में रामकृष्ण के देहावसान के बाद, नरेंद्र ने स्वामी विवेकानंद के रूप में उनके संदेश को विश्व तक पहुँचाने का बीड़ा उठाया। यह केवल एक शिष्य का अपने गुरु के प्रति समर्पण नहीं था, बल्कि एक ऐसी क्रांति का प्रारंभ था, जिसने भारत की आत्मा को पुनर्जागृत किया और विश्व को भारतीय दर्शन की गहनता से परिचित कराया। 1893 में शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद का भाषण इतिहास का वह स्वर्णिम क्षण था, जिसने भारत को वैश्विक मंच पर अमर कर दिया। जब उन्होंने अपनी गूंजती वाणी में "मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों" कहकर सभागार को संबोधित किया, तो वह पल समय को ठहरा देने वाला था। सात मिनट के उस संक्षिप्त भाषण में उन्होंने वेदांत, सहिष्णुता और विश्व बंधुत्व का ऐसा सशक्त संदेश दिया, जो आज भी विश्व के हृदय में गूंज रहा है। न्यूयॉर्क हेराल्ड ने लिखा, "विवेकानंद इस सम्मेलन के सबसे प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं।" यह केवल एक व्यक्ति की प्रशंसा नहीं थी, बल्कि भारतीय संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति का प्रतीक था। उस भाषण ने पश्चिमी जगत को यह सिखाया कि भारत का अध्यात्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि मानवता के लिए एक सार्वभौमिक दर्शन है।

स्वामी विवेकानंद का दर्शन रूढ़ियों को तोड़ने वाला था। उन्होंने धर्म को मंदिरों और पूजा-पाठ तक सीमित नहीं किया। उनके लिए धर्म था—करुणा का सागर, साहस का शिखर और मानव सेवा का जीवंत स्वरूप। वे कहते थे, "जो दरिद्रों और असहायों में ईश्वर के दर्शन नहीं कर सकता, वह सच्चा धार्मिक नहीं है।" यह वाक्य मेरे हृदय को गहरे तक छूता है। जब मैं समाज में व्याप्त दुख और असमानता को देखता हूँ, तो उनके शब्द मेरे भीतर एक नई चेतना जागृत करते हैं। 1897 में रामकृष्ण मिशन की स्थापना उनके इसी दर्शन का मूर्त रूप थी। 2025 तक, यह मिशन 200 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों और 700 से अधिक गैर-औपचारिक शिक्षा केंद्रों के माध्यम से लाखों लोगों के जीवन को शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा के ज़रिए संवार रहा है। स्वामीजी ने यह सिद्ध किया कि सच्चा धर्म वह है, जो मानवता की सेवा में समर्पित हो।स्वामी विवेकानंद के विचारों में आत्मविश्वास की वह अग्नि थी, जो एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र को प्रज्वलित कर सकती थी। उस दौर में, जब भारत औपनिवेशिक गुलामी और आत्मग्लानि से जूझ रहा था, उन्होंने घोषणा की, "अपने को कमजोर समझना सबसे बड़ा पाप है।" यह वाक्य केवल शब्द नहीं थे, बल्कि एक ऐसी क्रांतिकारी हुंकार थी, भारत के युवाओं में आत्मसम्मान और साहस का संचार किया। उनके विचारों में एक विराट आकाश की अनंतता थी, जो हर भय और दुर्बलता को निगल लेती थी। मुझे उनका वह प्रसंग स्मरण आता है, जब एक पाश्चात्य विद्वान ने उनसे उनकी निर्भीकता का रहस्य पूछा। स्वामीजी ने मुस्कुराते हुए कहा, "ब्रह्मचर्य और स्वाध्याय।" इस संक्षिप्त उत्तर में उनके जीवन की साधना और संयम का सार छिपा था। उन्होंने अपने जीवन से यह दिखाया कि आत्मानुशासन और साधना ही वह शक्ति है, जो मनुष्य को महामानव बनाती है।

स्वामी विवेकानंद का एक और विशेष पहलू था उनकी युवाओं के प्रति अपार श्रद्धा। वे मानते थे कि युवा शक्ति ही राष्ट्र के भविष्य का आधार है। उन्होंने कहा, "मुझे सौ ऊर्जावान युवा दो, और मैं भारत को बदल दूँगा।" यह वाक्य आज भी मेरे हृदय में आग की तरह जलता है। यह वह आह्वान था, जो युवाओं को अपनी शक्ति पहचानने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करता था। उनके इस विश्वास ने भारत के युवाओं में एक नई चेतना का संचार किया, जो आज भी प्रासंगिक है। 2023 के आँकड़ों के अनुसार, भारत की 65% जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है, और स्वामीजी का यह संदेश आज के युवाओं के लिए उतना ही प्रेरक है, जितना उनके समय में था।

उनका सबसे अमर संदेश था, "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।" यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि जीवन का मंत्र है। जब-जब मैं हताशा या असफलता के क्षणों से जूझता हूँ, यह वाणी मेरे भीतर नई ऊर्जा का संचार करती है। यह वह आह्वान है, जो हर सोई हुई आत्मा को झकझोरकर उसे उसकी अनंत संभावनाओं का स्मरण कराता है। स्वामी विवेकानंद ने हमें सिखाया कि हमारी सबसे बड़ी शक्ति हमारे भीतर ही निहित है। उन्होंने कहा, "प्रत्येक आत्मा में अनंत शक्ति छिपी है।" यह विश्वास उनके दर्शन का मूल था, और यही विश्वास आज भी हमें अपने भीतर की दिव्यता का आभास कराता है। शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण भी क्रांतिकारी था। वे मानते थे कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्रियाँ अर्जित करना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और आत्मनिर्भरता का विकास करना है।

ग्लोबल हिंसा-युद्ध बड़े शासकों की सनक का परिणाम

संजीव ठाकुर

किसी भी विचार या मुद्दों से असहमती के प्रतिफल में हिंसा या क्रूरता नहीं की जा सकती। विचारों से असहमति और हिंसा के विरोध में प्रतिहिंसा समस्या का हल नही हो सकता है। सबसे ताजा क्रूर और हिंसात्मक परिणाम फिलिस्तीन-इजरायल युद्ध के रूप में सामने आया है। जिसमें 20000 लोगों की जान चली गई और

50000 लोगों से ज्यादा घायल मानविय शरीर कराह रहे हैं। इसराइल ने फिलीस्तीन, हमास,लेबनान को तबाह कर दिया है आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह को नेस्तनाबूत करने की बात तो एक बार समझ में आती है पर लेबनान के 50 लाख लोगों को देश छोड़ने पर मजबूर कर देना तानाशाही का एक भयानक रूप ही दिखाई देता है। इसके बाद भी उसकी हिंसा की प्यास नहीं बुझी है और अमेरिका ईरान इजरायल युद्ध में अमेरिका ने युद्ध के सबसे बड़े हथियार रूपी हवाई जहाज से ईरान ईरान के संग्रहण ठिकानों में हवाई हमला कर युद्ध का रौद्र रूप दिखाया इजरायल ईरान आपस में बैलिस्टिक मिसाइल से हमला कर एक दूसरे के महत्वपूर्ण ठिकानों को तबाह कर दिया है1 दूसरी तरफ रूस यूक्रेन युद्ध को 2 साल से ज्यादा समय हो चुका है इस युद्ध ने दोनों देशों के लाखों लोगों को बेघर कर दिया गया है और हजारों लोगों की जान चली गई है। दोनों देशों के अरबों रुपए इस युद्ध में खर्च हो चुके हैं यदि इस धनराशी का विकास के लिए मानव शांति के लिए उपयोग किया गया होता तो आज दोनों देशों में शांती के साथ विकास भी होता1 नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अमेरिका को इजराइल का साथ न देने की स्पष्ट चेतावनी देकर कहा है कि यदि वह इजराइल पिलिस्तानी लेबनान ईरान युद्ध में बीच में आया तो उत्तर कोरिया अमेरिका पर परमाणु हमला कर देगा। जब तक विश्व में व्लादिमीर पुतिन, सी जिन पिंग,नेतन्याहू और किम जोंग-उन जैसे खून के प्यासे तानाशाह रहेंगे विश्व में शांति स्थापना की कल्पना करना नामुमकिन ही होगा। आज वैश्विक शांति में खलबली मची हुई है। धरती विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है। ऐसे में भारत जैसे शांतिप्रिय, निर्गुण देश को भी सावधान और सतर्क हो जाना चाहिए। उसके परंपरागत शत्रु चीन और पाकिस्तान भी हमेशा भारत की सीमा में घात लगाए बैठे रहते हैं और आक्रमण का खतरा भी सदैव बना रहता है। आइये भारत का एक रचनात्मक विश्लेषण करते हैं-: भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक,प्रजातांत्रिक स्वतंत्र राष्ट्र है।यहां वैचारिक चिंतन, प्रभुद्धता लोकतंत्र के प्रमुख अवयव होते हैं, राष्ट्र के किसी भी नीति में सहमत और असहमत होना एक सामान्य प्रक्रिया-प्रतिक्रिया हो सकती है, और आम जनमानस का किसी मुद्दे पर आप सहमत होना भी एक सामान्य बात हो सकती है पर किन्ही भी परिस्थितियों में असहमति हिंसा के रूप में कतई बर्दाश्त के योग्य नहीं होनी चाहिए, विरोध का स्वरूप राष्ट्रीय संपत्ति की बर्बादी तो किसी भी काल और खंड में स्वीकार्य नहीं है। यह राष्ट्र के लिए घातक और विकास की अवधारणा को अवरुद्ध करने वाला आत्मघाती कदम है।आंदोलन का स्वरूप सदैव शांति पूर्वक हो तो राष्ट्र तथा आमजन के हित में ही होगा। आंदोलनकारियों को शायद यह गुमान नहीं है कि राष्ट्रीय सरकारी संपत्ति आपके द्वारा दिए गए टैक्स के रूप में रुपयों से ही निर्मित होती है, इसे नष्ट करके आप स्वयं अपनी संपत्ति का नुकसान ही कर रहे हैं। आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैं1 देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है।

लुप्त होता भारतीय समाज

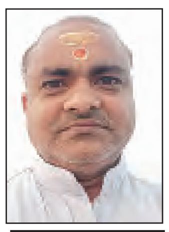

शिवानन्द मिश्रा

सावधान हो जाइए ! भारत सहित पश्चिमी देशों में कुछ ही दशक बाद फैमिली सिस्टम का अंत निकट है। परिवार लगातार टूट रहे हैं , बिखर रहे हैं , समाप्त हो रहे हैं। इस समय फैमिली सिस्टम को बचाना पश्चिमी जगत का सबसे बड़ा मुद्दा है। भारत के सनातनी समाज में भी फैमिली सिस्टम बड़ी तेजी से सिमट रहा है । फैमिली सिस्टम यूँ ही बिखरता रहा तो भविष्य खराब है । आज पश्चिमी समाज को तबाही का दृश्य दिखाई पड़ने लगा है । कल भारत भी इसी दौर से गुजरनेवाला है। मशहूर पश्चिमी लेखक डेविड सेलबोर्न की किताब loosing battle with islam में आँखें खोलने वाले खुलासे किए गए हैं । बताया गया है कि ईसाई जगत के समान सनातनी जगत के सामने भी ऐसा ही खतरा है। यहूदियों ने इस खतरे पर पार पा लिया है। डेविड के अनुसार इस्लाम के सशक्त फेमिली सिस्टम से पश्चिमी दुनिया हार रही है। पश्चिम में लोग शादी करना पसंद नहीं करते। समलैंगिकता , अवैध सम्बन्ध , लिव इन रिलेशनशिप आदि से फैमिली सिस्टम टूट गया है ।पश्चिम में ऐसे बच्चों की तादाद बढ़ती जा रही है , जिन्हें अपने पिता का पता नहीं । मां बाप के साथ रहने का चलन पश्चिम पूरी तरह भूल चुका है । लोगों का बुढ़ापा ओल्ड एज होम्स में गुजर रहा है । नतीजा यह कि पश्चिमी बच्चे दादा दादी , नाना नानी , चाचा ताऊ जैसे रिश्तों के नाम भी भूल चुके हैं ।अब तो नो चाइल्ड लाइफ स्टाइल बहुत शीघ्र पश्चिम को बर्बाद कर देगा । आबादी घटने से उत्पन्न अकेलेपन के सबसे बड़े शिकार जापान और दक्षिण कोरिया हैं । कारण , खाओ पियो ऐश करो , नो चाइल्ड ऑनली प्लेजर, ऑनली मस्ती। गौर से देखने पर पता चल जाता है कि भारत का हिन्दू समाज भी उधर बढ़ चुका है जहां से पश्चिमी जगत के सामने अंधेरा ही अंधेरा नजर आ रहा है । सॉलिड फेमिली सिस्टम के कारण अमेरिका , ब्रिटेन , जर्मनी और फ्रांस में इस्लाम की संख्या बढ़ती जा रही है। इस्लाम धर्म में परिवार वास्तव में मजबूत इकाई है । परिवार को जोड़े रखने की कला यहूदियों ने इस्लाम से सीखी है और अपनी आबादी बढ़ाई है। पश्चिम में अकेला होता जा रहा आदमी भयावह ऊब और घुटन का शिकार है। भारत के शहरों में ही नहीं , कस्बाई जीवन में भी अकेलापन प्रवेश कर चुका है ।भारत में भी पाएंगे कि समाज में भी चाचा , भतीजा , बुआ , ताऊ , मामा , मौसी और यहां तक कि सगे भाई सगी बहन के रिश्ते भी धीरे धीरे समाज में खत्म हो रहे है । यह घोर चिन्ता का विषय है , दुर्भाग्य से इस पर चिंतन अभी शुरू भी नहीं हुआ है । इसका एक प्रमुख कारण विवाहित बेटियों का अपने मैके में दखल देना तथा बेटियों के मां को उनके ससुराल में दखलंदाजी है। विवाहित बहन भी अपनी उल्लू सीधा कर भाइयों को आपस में खूब लड़वाते हैं। याद कीजिए चीन ने वन चाइल्ड पॉलिसी लागू कर अपनी आबादी घटाई जो अब भारत से कम हो गई । वहां भी चीनी जनता ने जब वन चाइल्ड के बजाय नो चाइल्ड अपनाना शुरू किया तब चीन ने दो बच्चों की इजाजत दी । आज दुनिया के अनेक देशों में आबादी बढ़ाने के अभियान चल पड़े हैं । भारत में भी कुछ धार्मिक गुरु ज्यादा बच्चे पैदा करने को कह रहे हैं । बहरहाल एक समस्या तो है जिसका समाधान खोजना पूरी दुनिया के लिए जरूरी है। मनुष्य सामाजिक प्राणी है । समाज तभी बनता है जब परिवार हो। समाज की सबसे बड़ी ताकत संयुक्त परिवार थी जो अब लगभग मर चुका है । मैं , मेरी बीबी और मेरे बच्चे सिद्धांत ने परिवारों के बीच दीवारें खड़ी कर दी है। नारी को इस बाबत सबसे ज्यादा विचार करने की आवश्यकता है क्योंकि वो जननी है उसको अपना स्वहित त्याग समाज हित को देखना होगा । अपना फिगर अपना कैरियर अपनी फ्री लाइफ अपने आनन्द से ऊपर उठ परिवार समाज व सनातन धर्म के लिये संकल्प लेना होगा।

ईमानदारी का बोझ

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

पुराने दिनों की बात है, जब हमारे शहर में ईमानदारी एक दुर्लभ प्रजाति हुआ करती थी, जैसे आज अच्छे नेता। उस समय, एक सज्जन थे, बाबू सुखराम, जो अपने नाम के अनुरूप केवल सुख से राम नाम जपने के लायक थे, खासकर जब बात उनके आलस्य और अक्षमता की आती थी। बाबूजी एक सरकारी दफ्तर में 'अत्यंत महत्वपूर्ण' पद पर थे, जिसका अर्थ था कि वे दफ्तर में सबसे कम काम करने वाले व्यक्ति थे, लेकिन सबसे ज्यादा चाय पीने वाले। उनका दिन सूर्योदय से शुरू होकर सूर्यास्त पर समाप्त होता था, और इस पूरे अंतराल में उनका एकमात्र उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कोई भी काम बिना रिश्वत के न हो। उनकी रिश्वत भी कोई साधारण रिश्वत नहीं थी, वह तो कला का एक अनुपम उदाहरण थी। कभी दस का नोट बड़े ही नाटकीय ढंग से मेज से फिसलकर उनकी जेब में चला जाता, तो कभी बीस का नोट फाइलों के ढेर में ऐसे छिप जाता, मानो वह भी भ्रष्टाचार के अंधेरे में अपनी पहचान छिपा रहा हो। बाबूजी अक्सर कहते थे, ईमानदारी तो बुढ़ापे की निशानी है, जवान आदमी को तो थोड़ा टेढ़ा चलना ही पड़ता है। और वे इस सिद्धांत का पालन बड़ी निष्ठा से करते थे। उनका घर एक छोटा सा महल था, जिसकी नींव रिश्वत के ईंटों से रखी गई थी और छत भ्रष्टाचार के कंक्रीट से बनी थी। उनकी पत्नी, श्रीमती दौलत देवी, उनकी हर 'उपलब्धि' पर गर्व करती थीं। वे अक्सर मोहल्ले की औरतों से कहती थीं, मेरे पति देव ने कभी किसी का काम बिना पैसे के नहीं किया, आखिर ईमानदारी भी तो कोई चीज होती है! और यह कहते हुए उनका सीना गर्व से फूल जाता, मानो उन्होंने कोई महान त्याग किया हो। उनके बच्चे भी इसी माहौल में पले-बढ़े, जहाँ रिश्वत एक पारिवारिक संस्कार था और बेईमानी एक पुण्य। उनके बेटे, लखपती लाल, और बेटी, करोड़पति कुमारी, को बचपन से ही सिखाया गया था कि जीवन में सफलता का एक ही मंत्र है - 'लेना सीखो, देना नहीं।' और वे इस मंत्र का पालन बड़ी ईमानदारी से करते थे, खासकर जब बात दूसरों का पैसा हड़पने की आती थी। सच कहूँ तो, उस समय हमारा समाज इतना 'पारदर्शी' था कि भ्रष्टाचार को छिपाने की जरूरत ही नहीं पड़ती थी, वह तो खुलेआम नाचता था, जैसे आज के नेता मंचों पर। उस समय, अगर कोई ईमानदार अधिकारी गलती से आ भी जाता, तो उसे ऐसे देखा जाता, जैसे वह किसी और ग्रह से आया हो, या शायद उसका दिमागी संतुलन ठीक न हो। लोग कहते थे, अरे, यह ईमानदार है? लगता है इसे पता नहीं कि दुनिया कैसे चलती है। और फिर उसे एक कोने में बिठाकर चाय पिलाई जाती, ताकि वह किसी और को 'ईमानदारी' का ज्ञान न दे पाए। बाबूजी कहते थे, ईमानदारी तो एक बीमारी है, और इसका इलाज सिर्फ पैसा है। और वे इस इलाज को बड़ी शिद्दत से करते थे। उनका मानना था कि गरीबी एक पाप है, और रिश्वत एक मोक्ष का मार्ग। वे अक्सर अपनी आत्मा से कहते थे, मैं जो भी कर रहा हूँ, समाज के भले के लिए कर रहा हूँ, आखिर किसी को तो भ्रष्टाचार को जिंदा रखना ही पड़ेगा, नहीं तो यह बेचारा कैसे चलेगा? और इस तरह, बाबू सुखराम ने भ्रष्टाचार के इतिहास में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में लिखवा लिया, या यूँ कहूँ, गंदे अक्षरों में।

भोलेनाथ इस बार सीधे सुनेंगे अपने भक्तों की पुकार !

-सुरेश गांधी

भगवान शिव के हाथों में आ जाती है। यह वही समय है जब "अब होगी सृष्टि की कमान महादेव के हाथों में, विष्णु करेंगे विश्राम", यह वाक्य शास्त्रों में जीवंत हो उठता है। हिंदू शास्त्रों और पुराणों में कहा गया है कि सृष्टि का संचालन त्रिदेवों के सामंजस्य से होता है। भगवान ब्रह्मा सृष्टि के रचनाकार, भगवान विष्णु पालनकर्ता और भगवान शिव संहार तथा पुनर्निर्माण के अधिपति माने जाते हैं। लेकिन सावन का महीना वह कालखंड है, जब सृष्टि की बागडोर पूरी तरह महादेव के हाथों में आ जाती है। पुराणों के अनुसार, सावन में भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं और सृष्टि का संपूर्ण भार भगवान शिव संभालते हैं। इसीलिए इस महीने को शिव का मास कहा जाता है। इस दौरान महादेव ही पालनकर्ता, संहारकर्ता और सृजनकर्ता बन जाते हैं। इस दौरान चातुर्मास का प्रारंभ होता है, जो लगभग चार महीने तक चलता है। इस अवधि में भगवान विष्णु विश्राम करते हैं और सृष्टि के संचालन का भार महादेव संभालते हैं। यह काल सृष्टि के संचालन, पालन और न्याय की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। स्कंद पुराण, शिव महापुराण और पद्म पुराण में उल्लेख है कि सावन के दौरान भगवान शिव साक्षात सृष्टि के नियंता बन जाते हैं। इस काल में महादेव की पूजा से मनोकामनाएं तत्काल फलित होती हैं। खास यह है कि इस बार सावन के पहले सोमवार को शनि और गुरु का स्वराशि में रहना, साथ में प्रीति योग, आयुष्मान योग, सुकर्मा योग, शिव योग, शोभन योग, सर्वार्थ सिद्धि योग का महा संयोग बन रहा है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, ऐसा संयोग लगभग 500 वर्षों बाद आया है। ज्योतिषाचार्यो की मानें तो सावन का यह सोमवार शिवभक्तों के लिए विशेष सिद्धि का अवसर है। इस दिन शिव को जलाभिषेक करने से अनेक जन्मों के पापों का क्षय होता है। साथ ही, विष्णु विश्राम काल के कारण सृष्टि का सारा नियंत्रण महादेव के अधीन हो जाता है। यह वही काल है, जब सृष्टि की हर क्रिया सीधे शिव संकल्प से प्रभावित होती है। भगवान विष्णु के विश्राम काल में शिव अपने करुणामय स्वरूप में विशेष रूप से भक्तों की पुकार सुनते हैं। इसलिए सावन में की गई हर प्रार्थना सीधे महादेव के दरबार में सुनी जाती है। सावन हमें यह भी सिखाता है कि जब पालनकर्ता (विष्णु) विश्राम में होते हैं, तब भी सृष्टि रुकती नहीं। सृष्टि की गति तब शिव के हाथों में आ जाती है, जो सृजन, संरक्षण और संहार तीनों के परम अधिपति हैं। यह समय हमें बताता है कि जीवन में परिवर्तन अनिवार्य है और हर परिवर्तन शिव के संकल्प से होता है। ऐसे में सावन में प्रतिदिन गंगाजल और पंचामृत से शिव का जलाभिषेक करें। महामृत्युंजय मंत्र का जाप अवश्य करें :-

"ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगंधिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारुकमिव बंधनान मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

सोमवार व्रत रखें, शिव चालीसा, रुद्राष्टक और शिव पंचाक्षरी मंत्र "ॐ नमः शिवाय" का जाप करें। बिल्वपत्र, आक, धतूरा, भस्म और शमी पत्र महादेव को अर्पित करें। गंगाजल से अभिषेक करने से पापों का क्षय होता है। रुद्राभिषेक : जीवन में स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

व्रत और उपवास : भगवान शिव प्रसन्न होकर भक्तों की हर मनोकामना पूरी करते हैं। महामृत्युंजय जाप : सभी प्रकार की बाधाएं, रोग, और भय समाप्त होते हैं। यह समय केवल धार्मिक कर्मकांड का नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और शिव से एकात्म होने का सर्वोत्तम अवसर है। महादेव स्वयं सृष्टि की कमान अपने हाथ में लेकर हमें यह सिखाते हैं कि परिवर्तन और पुनर्निर्माण ही जीवन का सत्य है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस बार सावन में शनि अपनी स्वराशि कुंभ में और गुरु अपनी स्वराशि मीन में स्थित हैं। दोनों ही ग्रह अपनी उच्च ऊर्जा में होते हैं, और इस प्रकार का संयोग पांच शताब्दियों के बाद बना है। शनिः न्याय, कर्म और धैर्य के कारक हैं। शनि का स्वराशि में रहना शुभ फल देता है। गुरु : ज्ञान, धर्म, सुख और उन्नति के कारक हैं। गुरु का स्वराशि में रहना विशेष लाभकारी है। यह अद्वितीय संयोग शिवभक्तों के लिए अत्यंत फलदायी है। इस दिन भगवान शिव की उपासना, व्रत, और जलाभिषेक विशेष सिद्धि और पुण्य देने वाला माना गया है।

महा संयोग में बन रहे शुभ योगः

प्रीति योगः प्रेम और प्रसन्नता का प्रतीक।

आयुष्मान योगः लंबी आयु और उत्तम स्वास्थ्य का कारक।

सुकर्मा योगः सभी कार्यों में सफलता का योग।

शिव योगः भगवान शिव की कृपा शीघ्र प्राप्त होती है।

शोभन योगः सौंदर्य, प्रतिष्ठा और यश बढ़ाने वाला योग।

सर्वार्थ सिद्धि योगः सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला योग।

क्यों है यह संयोग अत्यंत दुर्लभः

पांच सौ वर्षों बाद शनि-गुरु का स्वराशि संयोग। सावन के पहले सोमवार पर इतने शुभ योगों का एक साथ बनना। इस अद्भुत संयोग का अगला अवसर कई पीढ़ियों बाद ही आएगा।

भक्तों के लिए विशेष लाभः

इस दिन जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप, शिव चालीसा, बिल्वपत्र अर्पण करने से रोग, शोक, दरिद्रता और कष्ट समाप्त होते हैं। व्रत रखने से कुंडली के दोष शांत होते हैं और शनि-गुरु के विशेष आशीर्वाद की प्राप्ति होती है। इस दिन की गई प्रार्थना और दान से अकल्पनीय पुण्य प्राप्त होता है। **(जारी)**

क्या बच्चे कांवड़ यात्रा कर सकते हैं?

सावन में शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। साल 2025 में कांवड़ यात्रा 11 जुलाई से शुरू हो जाएगी। जानते हैं क्या कांवड़ यात्रा में बच्चे जा सकते हैं, यहां पढ़ें इससे जुड़े पूरे नियम।

कांवड़ यात्रा हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण मानी गई है। सावन माह में इस यात्रा को किया जाता है। साल 2025 में कांवड़ यात्रा की शुरूआत 11 जुलाई से हो रही है। कांवड़ के दौरान लाखों श्रद्धालु कांवड़ लेकर गंगा नदी का पवित्र जल लेकर आते हैं, और शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। कांवड़ यात्रा को शिव भक्ति का सरल रूप माना जाता है।

भोलेनाथ के सबसे बड़े भक्त रावण के भी भोलेनाथ का अभिषेक किया था। इस बात पर सवाल पर उठते हैं कि क्या बच्चे कांवड़ यात्रा कर सकते हैं। कांवड़ यात्रा एक धार्मिक यात्रा है तो बच्चे इस यात्रा में भाग ले सकते हैं। कांवड़ यात्रा में अगर कोई भाग लेना चाहता है तो इसकी कोई उम्र नहीं होती है। बच्चे कांवड़ यात्रा में अपने माता-पिता और अभिभावकों के साथ शामिल हो सकते हैं। लेकिन अगर बच्चे इस कांवड़ यात्रा में जाते हैं तो विशेष बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

बच्चों के साथ कांवड़ यात्रा में रखें इन बातों का ख्याल

कांवड़ यात्रा के दौरान बच्चों को भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से उनका ध्यान रखना चाहिए और उन्हें खोने से बचाना चाहिए।

कांवड़ यात्रा में पैदल चलना पड़ता है और गर्मी, बारिश, धूप और थकान का सामना करना पड़ता है। इसीलिए बच्चों के साथ इन सब चीजों का ध्यान रखना चाहिए।

बच्चों को भी कांवड़ यात्रा के नियमों का पालन करना चाहिए।

बड़े लोगों को नशीली चीजों से दूर रहना चाहिए इसका असर बच्चों पर पड़ सकता है।

कांवड़ यात्रा के दौरान शिव जी के मंत्रों का जाप करना चाहिए।

यात्रा को प्लान करते समय बच्चों का जरूरी सामान साथ ले जाना ना भूलें।

बच्चे को अगर कांवड़ यात्रा के लिए लेकर जा रहे हैं को उनकी सुरक्षा का पूरा ख्याल रखें।

कनखजूरा दिखे तो न करें ये गलती वरना नाराज हो सकता है रहस्यमयी ग्रह

अक्सर बारिश के मौसम में या नमी वाले माहौल में घर के कोनों में कनखजूरे रेंगते दिख जाते हैं। लोग बिना सोचे-समझे इन्हें मार देते हैं, क्योंकि ये दिखने में डरावने होते हैं और जहर वाले कीड़ों की श्रेणी में आते हैं। मगर क्या आप जानते हैं, कुछ खास दिनों में कनखजूरे को मारना आपके लिए बहुत भारी पड़ सकता है?

कनखजूरा दिखना राहु ग्रह से जुड़ा संकेत होता है। राहु को क्रूर और रहस्यमयी ग्रह माना जाता है। इस दिन मां महागौरी की पूजा होती है जो राहु के प्रभाव को कम करने के लिए की जाती है। ऐसे में यदि आप इस दिन कनखजूरे को मार देते हैं, तो यह राहु को नाराज कर सकता है।

पंडित जी का कहना है कि इस दिन जानबूझकर किसी जीव की हत्या करना नकारात्मक फल दे सकता है। कनखजूरे का संबंध राहु से होने के कारण, उसे मारना आपकी किस्मत बिगाड़ सकता है। राहु के नाराज होने पर व्यक्ति को आर्थिक नुकसान, बीमारी और पारिवारिक झगड़े झेलने पड़ सकते हैं।

अगर कनखजूरा मर जाए, तो क्या करें?

अगर गलती से कनखजूरा आपके पैरों के नीचे आकर मर जाए, तो घबराएं नहीं। उसके असर को कम करने के कुछ सरल उपाय बताए गए हैं:

1. एक कागज़ में थोड़ा नमक बांधकर दिनभर अपने पास रखें और शाम को किसी बहते पानी में बहा दें।
2. भगवान शिव पर आठ मुख वाला रुद्राक्ष चढ़ाकर उसे गले में धारण करें।
3. हर दिन पक्षियों को बाजरा खिलाएं, लेकिन अपने घर की छत पर नहीं बल्कि किसी चौराहे पर रखें।
4. शनिवार के दिन किसी जरूरतमंद को सात तरह के अनाज दान करें गेहूं, चना, जौ, उड़द, चावल, बाजरा और मसूर।

मरा हुआ कनखजूरा दिखे तो कैसा संकेत है?

अगर गुप्त नवरात्रि के आठवें दिन आपको मरा हुआ कनखजूरा दिखे, तो ये किसी बड़ी परेशानी से बच जाने का संकेत होता है। इसका मतलब होता है कि कोई संकट टल गया है।

500 साल पहले इस मुस्लिम ने खोजी थी अमरनाथ गुफा

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई यानी आज से शुरू हो गई है। हिंदू धर्म में अमरनाथ यात्रा का विशेष महत्व है और हर शिव भक्त के लिए बाबा बर्फानी के दर्शन करना किसी सपने से कम नहीं है। लेकिन क्या आपको पता है कि 500 साल पहले एक मुस्लिम व्यक्ति ने अमरनाथ गुफा की खोज की थी। यह यात्रा भले

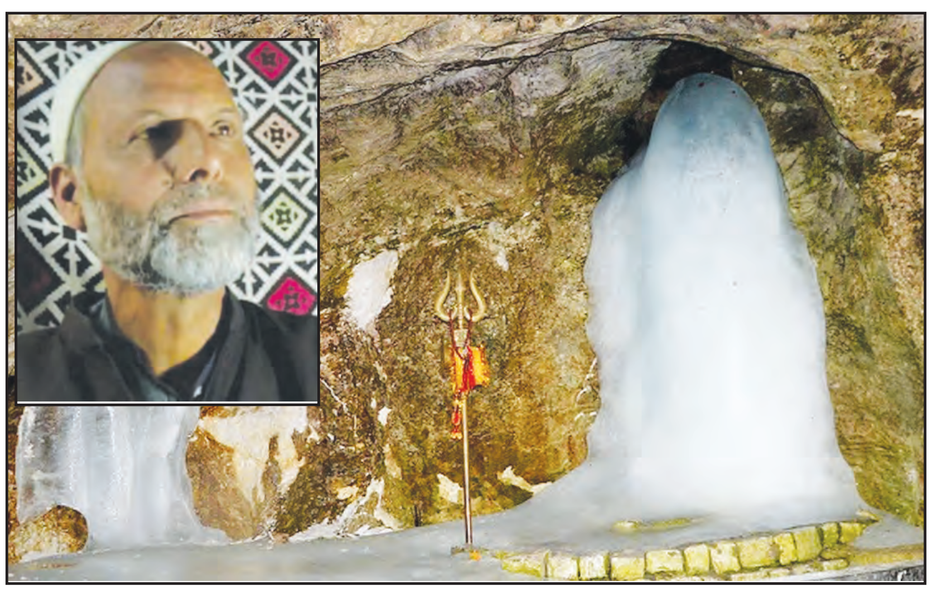

ही हिंदू करते हों लेकिन इस यात्रा को सफल बनाने में सबसे बड़ा योगदान कश्मीरी मुसलमानों का होता है। इसलिए अमरनाथ यात्रा को हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक बताया जाता है। यह कथा न सिर्फ ऐतिहासिक दस्तावेजों में दर्ज है, बल्कि जम्मू-कश्मीर के लोककथाओं में भी बार-बार सुनाई जाती है और यह हमें बताती है कि आस्था किसी जाति, धर्म या भाषा की मोहताज नहीं होती।

कहानी है कि बुटा मलिक नामक एक स्थानीय मुस्लिम चरवाहा (गड़ेरिया) पहलगाम के पास अपने पशुओं को चराने निकला था। एक दिन भेड बकरी चराते चराते एक साधु मिला, जिससे उनकी दोस्ती हो गई। एक बार बुटा मलिक को ठंड लगी तो साधु उनको गुफा में ले गया। गुफा में भी बहुत ठंड लगी तो साधु ने उनको एक कांगड़ी दी, जो सुबह सोने की कांगड़ी में बदल गई। जब सुबह बुटा मलिक गुफा से बाहर निकले तो उनको कई साधु मिले और भगवान शिव को खोज रहे थे।

मलिक ने साधुओं से कहा कि शिवजी का तो पता नहीं लेकिन उपर एक गुफा में एक चमत्कारी साधु जरूर रहते हैं, आप कहें तो मैं आपको उस गुफा में ले चलूं। मलिक की बात सुनकर सभी साधु गुफा में पहुंचे तो वहां बर्फ की एक विशाल शिवलिंग मिली, जहां उनके साथ माता पार्वती और भगवान गणेश भी बैठे हुए थे। इस घटना के बाद से अमरनाथ यात्रा शुरू हो गई। बाद में कई साधु गुफा के पास पहुंचकर जान देने लगे तो महाराजा रणजीत सिंह ने इसे बंद कर दिया।

बताया जाता है कि हिंदुओं की धार्मिक भावना का ध्यान रखते हुए यहां के मुसलमान अमरनाथ यात्रा के दौरान दो महीने तक मांस नहीं खाते हैं। समुद्र तल से 12,756 फीट की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा तक कश्मीरी मुसलमान अपनी पालकी और खच्चर पर बैठाकर श्रद्धालुओं की यात्रा पूरी करवाते हैं।

अमरनाथ गुफा तक पहुंचने के लिए दो रास्ते हैं, एक पहलगाम से होकर जाता है जो 46 किमी लंबा है, दूसरा रास्ता बालटाल से है जो 16 किमी लंबा लेकिन कठिन चढ़ाई वाला है। अमरनाथ यात्रा का समापन छड़ी मुबारक के साथ होता है, यह असल में चांदी की एक पवित्र छड़ी है जिसे लेकर साधू रक्षाबंधन के दिन अमरनाथ पहुंचते हैं और इसकी पूजा की जाती है। कश्मीरी मुसलमान यात्रा शुरू होते ही 'छड़ी मुबारक' का इंतजार करते हैं कि वह पवित्र छड़ी कब उनके गांव पहुंचेगी। वे उसकी झलक पाने के लिए कई दिन पहले से तैयारी करते हैं।

बुटा मलिक की खोज को नमन करते हुए आज भी अमरनाथ श्राइन बोर्ड में उनके वंशजों की विशेष भूमिका होती है। कहा जाता है कि अमरनाथ यात्रा की हर साल की शुरुआत में बुटा मलिक परिवार को विशेष मान दिया जाता है। उनकी पीढ़ियां आज भी अमरनाथ यात्रा के पवित्र दायित्व में सहभागी हैं। साल 2002 तक अमरनाथ गुफा में भक्तों से होने वाली कमाई का एक तिहाई हिस्सा बूटा मलिक के परिवार को मिलता था, श्राइन बोर्ड बनने के बाद यह व्यवस्था बंद हो गई।

संतुष्टि से मिलता है असली सुख

देवी ने किसान से वरदान मांगने के लिए कहा तो वह परेशान हो गया, अंत में उसने मांगी भक्ति

किसी गांव में एक किसान रहता था, जो बहुत मेहनत करता था, लेकिन उसके जीवन की परेशानियां खत्म नहीं हो रही थीं, वह बहुत गरीब था। किसान देवी का परम भक्त था और काम करते हुए भी उनका ध्यान करता रहता था।

एक दिन देवी उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर उसके सामने प्रकट हुईं। देवी ने कहा, तुम्हारी भक्ति से मैं बहुत प्रसन्न हूं, तुम जो भी चाहते हो, वह वरदान मैं तुम्हें दे सकती हूं। किसान थोड़ी देर के लिए सोच में पड़ गया, उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह देवी से क्या मांगे। सोच-विचार करने के बाद उसने कहा, देवी मां, मैं अभी ठीक से निर्णय नहीं ले पा रहा हूं। मुझे कल तक का समय दीजिए, तब मैं आपसे वरदान मांगूंगा। देवी ने उसकी बात मान ली और अंतर्ध्यान हो गईं। देवी के जाने के बाद किसान बहुत चिंतित हो गया। उसने सोचा, मेरे पास रहने के लिए अच्छा घर नहीं है, तो मुझे एक सुंदर घर मांग लेना चाहिए। फिर उसे ख्याल आया, ₹जमींदार के पास बहुत ताकत होती है, तो क्यों न जमींदार बनने का वरदान मांगूं? लेकिन फिर उसने सोचा, जमींदार से भी अधिक शक्तिशाली तो राजा होता है तो मुझे राजा बनने का वरदान मांगना चाहिए।

इस तरह, सोचते-सोचते पूरा दिन निकल गया और रात में भी सोच-विचार करने की वजह से उसे नींद नहीं आई। वह यह तय नहीं कर सका कि देवी से क्या वरदान मांगे। अगले दिन सुबह होते ही देवी फिर से प्रकट हुईं और वरदान मांगने के लिए कहा। किसान ने देवी से कहा, देवी, कृपया मुझे यह वरदान दें कि मेरा मन हमेशा आपकी भक्ति में लगा रहे और मैं हर परिस्थिति में संतुष्ट रहूं। देवी ने मुस्कुराते हुए कहा, तथास्तु! और फिर पूछा, तुमने मुझसे धन-संपत्ति क्यों नहीं मांगी? किसान ने उत्तर दिया, देवी, मेरे पास धन नहीं है, लेकिन उस धन आने की उम्मीद ने ही मेरी मानसिक शांति छीन ली। मैं दिनभर तनाव में रहता हूं और रात में ठीक से सो नहीं पाता। इसलिए मुझे वह धन नहीं चाहिए, जिससे मेरे जीवन की सुख-शांति ही समाप्त हो जाए।

कथा की सीख- किसान को जब यह एहसास हुआ कि धन या पद केवल अस्थायी सुख दे सकते हैं, लेकिन उनके पीछे भागने से मानसिक शांति खत्म हो जाती है, तभी उसने सबसे महत्वपूर्ण वरदान मांगाः संतोष। जो व्यक्ति हर परिस्थिति में संतुष्ट रहना सीख लेता है, वही सच्चे अर्थों में सुखी होता है। आज हम जो चाहते हैं, कल वह भी छोटा लगने लगता है। किसान की तरह पहले घर की इच्छा, फिर जमींदार बनने की, फिर राजा बनने की, यही मन की प्रवृत्ति है। इच्छाएं अनंत हैं, और इनके पीछे भागना तनाव का कारण बनता है।

किसान ने खुद अनुभव किया कि केवल 'धन की उम्मीद' ने ही उसकी नींद छीन ली। उसने यह समझ लिया कि अगर उम्मीद ही अशांति ला सकती है, तो वास्तविक संपत्ति तो शांति ही है।भक्ति और संतुष्टि से मिलती है स्थायी खुशीजब हमारा मन किसी उच्चतर शक्ति से जुड़ा होता है

बजरंगी भाईजान की 'मुन्नी' को मिली साउथ की बड़ी फिल्म

65 साल का हीरो और 17 साल की हीरोइन

सलमान खान की फिल्म बजरंगी भाईजान से घर-घर 'मुन्नी' के नाम से प्रसिद्ध हुईं हर्षाली मल्होत्रा को साउथ की फिल्म में एंट्री मिल गई है। इस बात की जानकारी खुद हर्षाली ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर दी है। हर्षाली ने फिल्म से अपना पहला लुक शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है।

हर्षाली मल्होत्रा का पोस्ट

हर्षाली ने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'अखंडा 2' से अपना पहला लुक शेयर किया और कैप्शन में लिखा, 'एक खामोशी थी, जो सब कुछ कह गई, एक मुस्कान थी, जो दिल में रह गई। छोटी सी मुन्नी थी, पर यादों में बड़ी बन गई। आज फिर एक कहानी लेकर आई हूं, इस बार लफ्जों के साथ, एक नई रोशनी बन कर छायी हूं।'

बजरंगी भाईजान में अपने किरदार मुन्नी को लेकर कही खास बात

हर्षाली मल्होत्रा ने आगे लिखा, 'मुन्नी सिर्फ एक किरदार नहीं थी, वह एक एहसास थी, एक याद थी, एक दिल की धड़कन थी - कुछ ऐसा जो तुम्हारे साथ और मेरे साथ रहा। इतने वक्त बाद भी, मैंने तुम्हारे प्यार को थामे रखा है- धैर्यपूर्वक, चुपचाप, और कृतज्ञता से भरे दिल से, जब तुम मुन्नी को याद कर रहे थे, मैं तैयारी कर रही थी - सीख रही थी, बढ़ रही थी, और बन रही थी, ताकि एक दिन, जब मैं लौटूं, तो मैं सिर्फ उस छोटी लड़की के रूप में नहीं, बल्कि आपके साथ स्क्रीन पर फिर से सब कुछ महसूस करने के लिए तैयार होकर लौटूं।'

फिल्म अखंडा में अपने किरदार को लेकर कही यह बात

हर्षाली मल्होत्रा ने आगे लिखा, 'अब, मैं आखिरकार उसे आपके साथ साझा करने के लिए तैयार हूं। जननी से मिलिए - एक नई कहानी, एक नया एहसास, मेरा एक नया अध्याय। वह हंसती है, वह सपने देखती है, वह दिल से बोलती है, और मैंने अपनी आत्मा हर सीन में डालती है। इस बार भी मुझे आपका प्यार चाहिए - वही आशीर्वाद, वही तालियों की गूंज, वही आंखों का प्यार, मेरे लिए वही जज्बात। मुन्नी की खामोशी से लेकर जननी की आवाज तक, यह सिर्फ मेरी वापसी नहीं है - यह हमारा है। #अखंड2, सिनेमाघरों में दशहरा 25 सितंबर, पैन इंडिया रिलीज - हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम।'

फिल्म अखंडा 2

इस फिल्म में साउथ अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह साल 2021 में आई 'अखंड' का ही सीक्वल है। फिल्म का निर्देशन बोयापति श्रीनु ने किया है। 'अखंडा 2' 25 सितंबर को सिनेमाघरों में कई भाषाओं में रिलीज की जाएगी।

'सितारे जमीन पर' की कामयाबी से खुश हुए आमिर जश्न मनाते हुए कलाकारों को दी बधाई

आमिर खान इन दिनों अपनी फिल्म 'सितारे जमीन पर' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। हाल ही में उन्होंने इसकी सकसेज पार्टी रखी है। इस पार्टी में आमिर खान के साथ फिल्म के दूसरे कलाकार भी पहुंचे। यहां सभी ने जश्न मनाया। यही नहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी आमिर खान की फिल्म देखी। इस इवेंट के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं।

जश्न के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में देखा जा सकता है कि आमिर खान उन सभी लोगों को बारी-बारी गले लगा रहे हैं, जिन्होंने फिल्म में दिव्यांग बच्चों का रोल निभाया है। इसके बाद आमिर खान सभी कलाकारों के साथ फोटो खिंचवा रहे हैं। सभी कलाकार एक पोस्टर के सामने खड़े होकर पोज दे रहे हैं। एक दूसरी वीडियो में आमिर खान बैठे हैं। उनके पीछे सभी कलाकार खड़े हैं और पोज दे रहे हैं।

एक प्रोग्राम में मनाया गया जश्न

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि यह प्रोग्राम 'सिनेमा एक्सहिबिशनऑफ इंडिया' की तरफ से किया गया है। इस पर लिखा है 'सितारे जमीन पर' की कामयाबी और बॉक्स ऑफिस पर इसकी अच्छी कमाई के लिए जश्न।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने देखी फिल्म

महाराष्ट के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज एक स्पेशल स्क्रीनिंग में 'सितारे जमीन पर' देखी। यह स्क्रीनिंग 'दिव्यज फाउंडेशन' की तरफ से रखी गई। स्क्रीनिंग में 15 स्कूलों के स्पेशल छात्रों ने फिल्म देखी। इस फाउंडेशन की संस्थापक मुख्यमंत्री की पत्नी अमृता देवेंद्र फडणवीस हैं। मुख्यमंत्री के साथ आमिर खान भी रहे।

फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर की अच्छी कमाई

आपको बता दें कि आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म की लागल लगभग 90 करोड़ रुपये है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक 132.90 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। यह फिल्म दिव्यांग बच्चों पर आधारित है। फिल्म में आमिर खान 10 दिव्यांग बच्चों को बास्केटबॉल सिखाते हैं।

तृप्ति और रूमर्ड बॉयफ्रेंड ने फिर शेयर की एक जैसी तस्वीरें, एक्ट्रेस ने लिखा- मेरा सीक्रेट

तृप्ति डिमरी जब फिल्मों में व्यस्त नहीं होती हैं तो वेकेशन पर चली जाती हैं। मगर वह अकेले वेकेशन पर नहीं होती हैं, अक्सर रूमर्ड बॉयफ्रेंड सैम मर्जेंट भी साथ होते हैं। दोनों एक ही लोकेशन फोटो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हैं, मगर साथ कभी तस्वीरों में नजर नहीं आते हैं। हाल ही में वेकेशन की कुछ तस्वीरें तृप्ति ने शेयर की हैं, जिनमें ऐसा हिंट दिया है, जिससे लगता है कि वह अब दुनिया के सामने अपना रिश्ता सैम मर्जेंट से कबूल कर रही हैं। जानिए, ऐसा क्या लिखा है तृप्ति ने अपनी शेयर की गई फोटोज में।

सैम-तृप्ति ने एक ही लोकेशन की तस्वीरें शेयर कीं

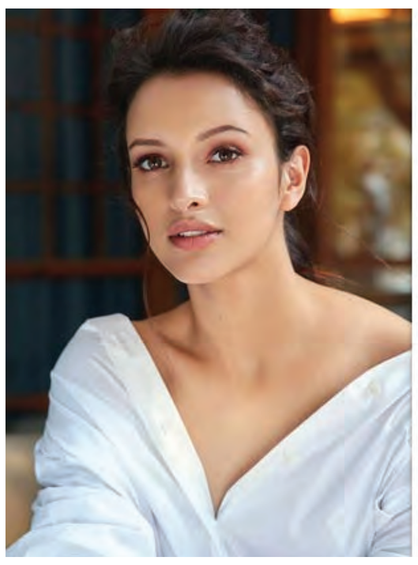

सैम मर्चेंट की तस्वीरों को देखकर लगता है कि वह गोवा में छुट्टियां मना रहे हैं। जिस होटल में वह रह रहे हैं, वहां पर एक स्वीमिंग पुल है, जिसकी फोटो सैम ने शेयर की हैं। बिल्कुल वैसी ही फोटो तृप्ति ने भी अपनी इंस्टा स्टोरी पर लगाई है। इससे पता चलता है कि दोनों एक ही जगह पर मौजूद हैं।

क्या तृप्ति ने कबूल किया है रिश्ता

तृप्ति ने इंस्टाग्राम पर जो फोटो शेयर की है, उसमें खूबसूरत सा होटल दिख रहा है। इस तस्वीर पर तृप्ति ने लिखा है, 'मेरा सीक्रेट हाइडआउट' यानी मेरी सीक्रेट छुपने की जगह। इस फोटो में तृप्ति ने सैम मर्चेंट को टैग भी किया है। ऐसा वह पहले नहीं करती थीं। इससे साफ होता है कि अब तृप्ति खुलकर सैम के साथ अपना रिश्ता स्वीकार कर रही हैं।

तृप्ति डिमरी का करियर फ्रंट

तृप्ति डिमरी के करियर फ्रंट की बात करें तो वह संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' कर रही हैं। इस फिल्म में पहले दीपिका पादुकोण थीं। बाद में दीपिका की जगह तृप्ति डिमरी को लिया गया। इससे पहले वह संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'एनिमल' में नजर आ चुकी हैं।

'आलोचना की परवाह नहीं', दिलजीत के समर्थन वाली पोस्ट डिलीट करने पर नसीरुद्दीन ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेता दिलजीत दोसांझ इन दिनों फिल्म 'सरदार जी 3' में पाकिस्तान अभिनेत्री हानिया आमिर के साथ काम करने को लेकर विवादों में हैं। इस बीच सोमवार को दिग्गज एक्टर नसीरुद्दीन शाह ने कथित तौर पर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दिलजीत दोसांझ का सपोर्ट किया। बाद में उन्होंने वह डिलीट कर दिया। इसे लेकर जब अभिनेता की आलोचना हो रही है तो उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ी है।

बोले- 'मैंने पोस्ट डिलीट नहीं की'

नसीरुद्दीन शाह ने अपने फेसबुक अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने दिलजीत के समर्थन में पोस्ट करने को लेकर हो रही आलोचना पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा है कि उन्होंने ऐसा कोई पोस्ट नहीं किया। एक्टर ने फेसबुक पर साझा की गई पोस्ट में लिखा है, 'मैंने दिलजीत दोसांझ के बारे में अपनी पोस्ट डिलीट नहीं की है। मुझे किसी भी तरह की आलोचना की परवाह नहीं है'।

पोस्ट डिलीट करने के बाद शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

जिस पोस्ट को लेकर दावे किए जा रहे हैं कि नसीरुद्दीन शाह ने डिलीट कर दी है, वह सोशल मीडिया पर नजर नहीं आ रही है। कहा जा रहा है कि दिलीजत के समर्थन में पोस्ट करने के बाद हुई आलोचनाओं के चलते उन्होंने पोस्ट डिलीट करने का फैसला लिया। नसीरुद्दीन शाह ने सोमवार को किए गए पोस्ट को डिलीट करने के बाद मंगलवार को एक क्रिप्टिक संदेश फेसबुक पर लिखा है।

दार्शनिक का विचार किया साझा

नसीरुद्दीन शाह ने जो पोस्ट शेयर किया, उसमें उन्होंने वैज्ञानिक और दार्शनिक जॉर्ज क्रिस्टोफ लिचेनबर्ग का एक विचार साझा किया है। उन्होंने संदेश में लिखा, 'किसी की दाढ़ी जलाए बिना भीड़ के बीच सच्चाई की मशाल ले जाना लगभग असंभव है।' अभिनेता के इस नए पोस्ट पर यूजर्स ने मिली-जुली प्रतिक्रिया दी। कुछ ने उनकी आलोचना की तो कुछ ने उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का बचाव किया।

'हेरा फेरी 3' विवाद पर निर्देशक ने तोड़ी चुप्पी बोले- अक्षय के अलावा किसी से लेना-देना नहीं

हेरा फेरी फ्रेंचाइजी को लेकर फैंस का इंतजार एक बार फिर तेज हो गया है। लंबे समय से अटकी पड़ी 'हेरा फेरी 3' को लेकर अब निर्देशक प्रियदर्शन ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। फिल्म को लेकर हो रही तमाम अटकलों और अफवाहों के बीच प्रियदर्शन ने ये साफ कर दिया है कि वो इस प्रोजेक्ट के लिए सिर्फ अक्षय कुमार के साथ ही कमिटेड हैं।

डायरेक्टर प्रियदर्शन ने किया रिएक्ट

प्रियदर्शन ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें इस प्रोजेक्ट से जुड़ने को लेकर खुशी है लेकिन उनका पूरा फोकस सिर्फ एक्टर अक्षय कुमार पर है। उन्होंने कहा, 'मैं साउथ इंडिया में रहता हूं, जब भी फिल्म साइन होती है, मैं शूटिंग के लिए जाऊंगा। मैं केवल अक्षय कुमार के लिए ही कमिटेड हूं। बाकी किसी से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।'

'हेरा फेरी' में वापसी को लेकर परेश रावल ने दी पुष्टि

इससे पहले खुद अभिनेता परेश रावल ने इस बात की पुष्टि की थी कि वो 'हेरा फेरी 3' में नजर आएंगे। इसके बाद से ही ऐसी खबरें आईं कि फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की मूल तिकड़ी एक बार फिर साथ आने वाली है। वहीं, सुनील शेट्टी भी पहले इस बात को स्वीकार चुके हैं कि फिल्म को लेकर तीनों के बीच कुछ मुद्दे थे, लेकिन अब वह सुलझ चुके हैं।

'सिनेमा की राजनीति में नहीं पड़ता'

प्रियदर्शन ने आगे कहा कि उन्होंने अब तक पूरे मामले पर एक भी टिप्पणी नहीं की थी क्योंकि वो फिल्म इंडस्ट्री की राजनीति में विश्वास नहीं रखते। उन्होंने साफ कहा, 'मैंने अब तक इस मुद्दे पर एक भी बयान नहीं दिया है। मैं सिनेमा की राजनीति में विश्वास नहीं करता। अक्षय, सुनील और परेश मेरे अच्छे दोस्त हैं। उनके बीच जो मतभेद थे, वो अब सुलझ चुके हैं। मुझे नहीं लगता कि इसके अलावा कोई और इसमें शामिल है।'

फैंस की उम्मीदें फिर से जगीं

'हेरा फेरी 3' को लेकर पिछले कुछ वर्षों में कई तरह की खबरें आती रही हैं। कभी फिल्म के कास्ट को लेकर असमंजस रहा तो कभी डायरेक्शन को लेकर। लेकिन अब जब निर्देशक स्वयं सामने आकर स्थिति साफ कर रहे हैं, तो इससे फैंस को फिर से उम्मीद जगी है कि ये आइकोनिक कॉमेडी ट्रायो जल्द ही फिर से एक साथ स्क्रीन पर नजर आ सकता है। फिलहाल फिल्म की स्क्रिप्ट, शूटिंग डेट्स और बाकी कलाकारों को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इस बयान से इतना तो साफ है कि 'हेरा फेरी 3' की गाड़ी आखिरकार ट्रैक पर लौटने लगी है।

'बड़े अच्छे लगते हैं' गाने से दिलों में बस गए अमित कुमार पिता किशोर कुमार से सीखे थे संगीत के गुण

अमित कुमार सिनेमाई दुनिया में उन चुनिंदा गायकों में शुमार हैं, जिन्होंने अपनी खुद की एक अलग पहचान बनाई। अमित कुमार महान संगीतकार और गायक रहे किशोर कुमार के बेटे हैं। अमित कुमार के गाए हुए कई लोकप्रिय और हिट गाने हैं, जो आज भी श्रोताओं के दिलों में बसे हुए हैं। आज 3 जुलाई को गायक अपना 73वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास अवसर पर चलिए एक नजर डालते हैं सिंगर के गानों और करियर पर।

शुरुआती जीवन

अमित कुमार का जन्म 3 जुलाई 1952 को कलकत्ता, पश्चिम बंगाल में हुआ था। गायक दिग्गज अभिनेता, संगीतकार, गायक और निर्माता किशोर कुमार और बंगाली गायिका-अभिनेत्री रूमा गुहा ठाकुरता के पुत्र हैं। अमित कुमार को बचपन से ही घर में संगीत का माहौल मिला, जिसने म्यूजिक में उनकी रूचि बढ़ाई। गायक बचपन में अक्सर अपने पिता संग संगीत के कार्यक्रमों में जाया करते थे और मंच पर

अपने सुरों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करते थे।

संगीत की दुनिया में रखा कदम

किशोर कुमार ने अपने बेटे अमित कुमार की गायन प्रतिभा को बहुत जल्दी पहचान लिया था। हालांकि, गायक को पहला ब्रेक संगीतकार सपन जगमोहन ने दिया। गायक ने अपने करियर की शुरुआत साल 1973 में रिलीज हुई फिल्म 'दरवाजा' से की, जिसमें उन्होंने 'होश में हम कहां' गाना गाया था, जिसे सपन जगमोहन द्वारा संगीतबद्ध किया गया था। इस गाने से उनकी आवाज को पहचान मिलनी शुरू हो गई।

'बड़े अच्छे लगते हैं' गाने से हुए मशहूर

साल 1976 में 'बालिका बधू' फिल्म में अमित कुमार ने एक गाना गाया 'बड़े अच्छे लगते हैं', जिसे आर डी बर्मन साहब ने संगीतबद्ध किया था और आनंद बक्शी द्वारा लिखा गया था। इस सॉन्ग से गायक सबके दिलों में छा गए और हर किसी के जुबां पर यही गाना था। इतना ही नहीं यह गाना टीवी के मशहूर शो 'बड़े अच्छे लगते हैं' का टाइटल सॉन्ग भी था, जिसमें अभिनेता राम कपूर ने अभिनय किया था।

अमित कुमार के इन गानों ने भी बनाया दीवाना

गायक ने अपने करियर में ऐसे कई गानें गाएं हैं, जो आज भी काफी प्रसिद्ध हैं। कुछ के तो रीमेक भी बन रहे हैं। ये गाने जो सदाबहार है', 'एक दो तीन चार', 'दिल में बजी गिटार', 'नैनो में सपना', 'याद आ रही है', 'दुश्मन ना करे दोस्त ने', 'बोले चूड़ियां', आदि।

पुरस्कार और सम्मान

अमित कुमार को अपने गायन करियर के दौरान कुछ सम्मान भी मिले। गायक को 'याद आ रही है' सॉन्ग के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार में बेस्ट सिंगर के तौर पर सम्मानित किया गया था। हालांकि, उन्हें बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय पुरस्कार नहीं मिले, लेकिन उनकी गायकी को हमेशा सराहा गया है।

प्रियंका चोपड़ा के बॉलीवुड फैंस के लिए गुड न्यूज अभिनेत्री का दिल अब भी भारत और बॉलीवुड के करीब

बॉलीवुड की 'देसी गर्ल' और अब हॉलीवुड की सुपरस्टार बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा के दिल की बात एक बार फिर खुलकर सामने आई है। भले ही वो हॉलीवुड में लगातार झंडे गाड़ रही हों, लेकिन उनका दिल अब भी भारत और बॉलीवुड के करीब ही है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुद स्वीकार किया कि उन्हें बॉलीवुड की बहुत याद आती है और इस साल वो भारत में एक नई फिल्म की शूटिंग भी शुरू करेंगी।

'मैं इंडिया और हिंदी फिल्मों को बहुत मिस करती हूं'

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी हालिया हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' के प्रमोशन के दौरान जब भारतीय मीडिया से बात की, तो उन्होंने खुलकर अपनी बात कही। प्रियंका ने कहा, 'मैं हिंदी सिनेमा को बहुत मिस करती हूं और भारत को भी।' इस बयान ने उनके चाहने वालों के दिलों में उम्मीद जगा दी है कि वो जल्द बड़े पर्दे पर एक बार फिर देसी अंदाज में नजर आएंगी।

एस एस राजामौली की फिल्म से भारत में होगी वापसी

प्रियंका भारत में जिन प्रोजेक्ट्स को लेकर उत्साहित हैं, उनमें सबसे बड़ा नाम निर्देशक एस.एस. राजामौली की आगामी फिल्म SSMB29 का है। इस मेगा बजट फिल्म में उनके साथ साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे सितारे नजर आएंगे। रिपोर्ट्स की मानें तो ये एक माइथोलॉजिकल थ्रिलर होगी, जिसकी शूटिंग इस साल की शुरुआत में ओडिशा में शुरू भी हो चुकी है।

'जी ले जरा' में भी करेंगी धमाल?

इसके अलावा, प्रियंका फरहान अख्तर की मच अवेटेड फिल्म 'जी ले जरा' में भी नजर आ सकती हैं। इस फिल्म में उनके साथ आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ को भी कास्ट किया गया है। हालांकि फिल्म की शूटिंग डेट्स को लेकर काफी उथल-पुथल चल रही है, लेकिन मेकर्स अब भी इस प्रोजेक्ट को लेकर आशावान हैं।

रामायण करने से किया इनकार

प्रियंका को नितेश तिवारी की भव्य फिल्म रामायण के लिए भी अप्रोच किया गया था। लेकिन खबरों के मुताबिक, उन्होंने इस प्रोजेक्ट को मना कर दिया क्योंकि उनके पास पहले से इंटरनेशनल कमिटमेंट्स हैं। इससे साफ है कि प्रियंका फिलहाल अपने शेड्यूल को संतुलित रखते हुए बॉलीवुड में वापसी की योजना बना रही हैं।

फैंस में जगी उम्मीद

प्रियंका के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनके फैंस में खुशी की लहर दौड़ गई है। 'देसी गर्ल' को फिर से भारतीय पर्दे पर देखने की उम्मीदें अब और प्रबल हो गई हैं।

बता दें प्रियंका चोपड़ा आज ग्लोबल लेवल पर एक बड़ा नाम बन चुकी हैं, लेकिन उनका दिल आज भी भारत में ही बसता है। उनके बयान से साफ है कि वो अपने रूट्स को नहीं भूलीं और जल्द ही हिंदी सिनेमा में अपनी वापसी से एक बार फिर तहलका मचाने को तैयार हैं।

डेटिंग रूमर्स के बीच कार्तिक आर्यन और श्रीलीला ने साथ में किया डिनर

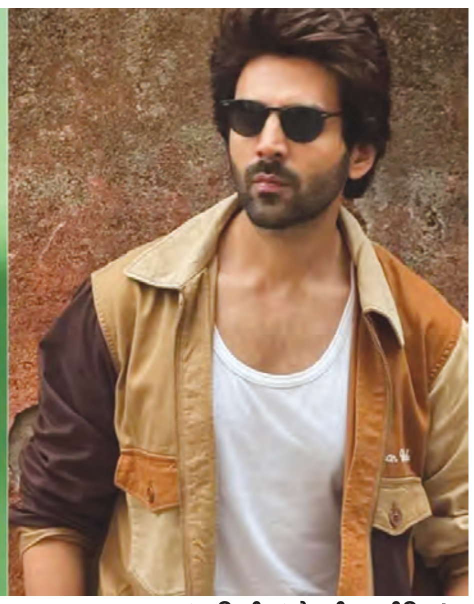

बॉलीवुड के चॉकलेटी बॉय कार्तिक आर्यन एक बार फिर अपने लव अफेयर को लेकर चर्चा में आ गए हैं। इस बार उनके साथ जुड़ा है साउथ की ग्लैमरस एक्ट्रेस श्रीलीला का नाम। बीते कुछ दिनों से दोनों को कई बार एक साथ देखा गया है और हाल ही में दोनों को देर रात मुंबई के एक मशहूर रेस्टोरेंट से बाहर निकलते हुए स्पॉट किया गया। बस फिर क्या था, सोशल मीडिया पर फैंस ने इन्हें लेकर कयास लगाने शुरू कर दिए।

फैंस बोले- 'अब तो शादी कर लो भाई!'

कार्तिक और श्रीलीला की ये लेट नाइट मुलाकात जैसे ही कैमरे में कैद हुई, इंटरनेट पर कमेंट्स का सैलाब आ गया। वीडियो में दोनों को हंसते-मुस्कुराते और साथ वक्त बिताते देखा गया। फैंस ने कमेंट बॉक्स में मजेदार प्रतिक्रियाएं दीं। एक यूजर ने लिखा, 'नई जोड़ी सुपरहिट लग रही है।'

'आशिकी 3' से बढ़ी नज़दीकियां?

सूत्रों की मानें तो कार्तिक और श्रीलीला अनुराग बसु की फिल्म 'आशिकी 3' में साथ नजर आने वाले हैं। इस रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म की शूटिंग की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और दोनों स्टार्स इन दिनों फिल्म की स्क्रिप्ट रीडिंग और वर्कशॉप्स में साथ देखे जा रहे हैं। ऐसे में दोनों के बीच बढ़ती नज़दीकियों को लेकर बातें होना लाजमी है।

श्रीलीला के बर्थडे पर कार्तिक का खास पोस्ट

हाल ही में श्रीलीला के जन्मदिन पर कार्तिक ने एक प्यारी सी तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की थी, जिसमें दोनों काफी क्यूट लग रहे थे। इस पोस्ट ने फैंस के बीच इनकी रिलेशनशिप की चर्चा को और हवा दी।

फैशन के मामले में भी छाए कपल

मुंबई में स्पॉट किए जाने के दौरान कार्तिक ने कैजुअल ब्लू शर्ट और ब्लैक पैंट पहनी थी, वहीं श्रीलीला फ्लोरल आउटफिट में नजर आईं। दोनों कैमरे के सामने बेहद सहज दिखे और कार्तिक ने अपनी ट्रेडमार्क स्माइल से सबका दिल जीत लिया।

काम में भी व्यस्त हैं दोनों सितारे

जहां कार्तिक 'तू मेरी मैं तेरा' और 'नागजिला' जैसी फिल्मों में बिजी हैं, वहीं श्रीलीला भी साउथ की बड़ी फिल्मों के साथ-साथ अब बॉलीवुड में भी अपनी पहचान मजबूत कर रही हैं।

क्या सच में है कोई खास रिश्ता?

हालांकि दोनों सितारों ने अभी तक अपने रिलेशनशिप को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन जिस तरह से दोनों को बार-बार साथ में देखा जा रहा है, उससे इनके अफेयर की चर्चाएं दिन-ब-दिन तेज होती जा रही हैं।

न आलिया भट्ट, न प्रियंका चोपड़ा, ऐसा करने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड की सुपरस्टार दीपिका पादुकोण ने एक बार फिर भारत को गौरवान्वित कर दिया है। जी हां, हॉलीवुड की प्रतिष्ठित 'वॉक ऑफ फेम' लिस्ट में उनका नाम शामिल कर लिया गया है और इस सम्मान के साथ वो पहली भारतीय बनी हैं जिन्हें ये वैश्विक पहचान मिली है। खास बात ये है कि ये उपलब्धि उन्होंने हाल ही में मां बनने के बाद हासिल की है, जिससे ये पल और भी खास बन गया है।

35 अंतरराष्ट्रीय हस्तियों में चमका दीपिका का नाम

साल 2026 के लिए घोषित 'हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम' की लिस्ट में दीपिका उन 35 दिग्गजों में शामिल हैं, जिन्हें मोशन पिक्चर्स की कैटेगरी में चुना गया है। इस प्रतिष्ठित सूची में उनके साथ हॉलीवुड के सुपरस्टार टिमोथी चालमेट, डेमी मूर, राशेल मैकऐड्म्स और रामी मालेक जैसे बड़े नाम भी हैं।

आलिया-प्रियंका को छोड़ा पीछे

दीपिका पादुकोण ने न सिर्फ आलिया भट्ट, रश्मिका मंदाना और कियारा आडवाणी जैसी नई पीढ़ी की अदाकाराओं को पीछे छोड़ा है, बल्कि प्रियंका चोपड़ा जैसी ग्लोबली स्थापित स्टार को भी

पछाड़कर खुद को एक अलग मुकाम पर पहुंचा दिया है।

हॉलीवुड में भी दमदार छाप

दीपिका ने सिर्फ बॉलीवुड तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने 'XXX: रिटर्न ऑफ जेंडर केज' जैसी फिल्म से हॉलीवुड में एंट्री की और वहां भी अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया। अब वॉक ऑफ फेम का हिस्सा बनकर उन्होंने इंटरनेशनल मंच पर अपनी उपस्थिति और भी मजबूत कर ली है।

पहले भी हासिल किए हैं ग्लोबल सम्मान

साल 2018 में टाइम मैगजीन ने दीपिका को दुनिया की 100 सबसे प्रभावशाली हस्तियों में शामिल किया था। इसके बाद TIME100 इम्पैक्ट अवॉर्ड और फीफा वर्ल्ड कप 2022 के फाइनल में ट्रॉफी अनवील करने का मौका पाकर उन्होंने भारत का नाम रोशन किया था।

लुई विटॉन और कार्टियर की ब्रांड एंबेसडर

दीपिका को इंटरनेशनल फैशन ब्रांड्स ने भी खूब सराहा। वो लुई विटॉन और कार्टियर जैसी लग्जरी ब्रांड्स का चेहरा बन चुकी हैं। ये उपलब्धि किसी भी भारतीय अभिनेत्री के लिए गौरव की बात है।

आने वाली फिल्में और प्रोजेक्ट्स

दीपिका के पास फिलहाल कई बड़े बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें एक फिल्म एटली के निर्देशन में है। इसके अलावा वो अपनी प्रोडक्शन कंपनी के जरिए भी नए प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं।

वॉक ऑफ फेम क्या है?

बता दें ये एक विशेष सम्मान है जो हॉलीवुड बुलेवार्ड पर उन कलाकारों को दिया जाता है जिन्होंने अपने क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया हो। इसका हिस्सा बनना किसी भी कलाकार के लिए एक ऐतिहासिक पल होता है।

हिंदी सिनेमा के 'जानी' जिनके अंदाज और डायलॉग आज भी हैं मशहूर

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता राज कुमार की आज 3 जुलाई को पुण्यतिथि है। राज कुमार का असली नाम कुलभूषण पंडित है। वह अपने रौबीले अंदाज, दमदार डायलॉग और शानदार अभिनय के लिए हमेशा याद किए जाते हैं। 8 अक्तूबर 1926 को बलूचिस्तान (अब पाकिस्तान) में जन्मे राज कुमार ने अपने करियर में करीब 70 फिल्में कीं और बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई। आइए उनके स्टाइल, डायलॉग, करियर, निजी जिंदगी पर एक नजर डालते हैं।

राज कुमार का अनोखा स्टाइल

राज कुमार का अंदाज इतना निराला था, कि लोग उनके एक-एक डायलॉग पर तालियां बजाते थे। उनकी रौबीली आवाज और पारसी थिएटर से प्रेरित डायलॉग डिलीवरी उनकी खासियत थी। चाहे वह स्क्रीन पर हों या असल जिंदगी में, उनका आत्मविश्वास और बेबाकी भरा रवैया उन्हें सबसे अलग बनाता था। वे अपनी शर्तों पर काम करते थे।

फिल्म का एक किस्सा मशहूर

रिपोर्ट्स के अनुसार, राज कुमार ने फिल्म 'जंजीर' सिर्फ इसलिए ठुकरा दी थी, क्योंकि उन्हें निर्देशक प्रकाश मेहरा की शक्ल पसंद नहीं आई थी। वे हमेशा अपनी शर्तों पर काम करते थे और अपनी फीस भी खुद तय करते थे। खास बात यह थी कि फिल्म फ्लॉप होने पर भी वे अपनी फीस बढ़ा देते थे, क्योंकि उनका मानना था कि फिल्म फ्लॉप हुई, वे नहीं। हालांकि, राज कुमार की इमेज एक अक्खड़ और गुस्सैल अभिनेता की थी। कई अभिनेताओं, जैसे गोविंदा और फिरोज खान, ने उनके साथ काम करने में मुश्किलों का जिक्र किया। एक मशहूर किस्सा है कि गोविंदा की शर्ट पसंद आने पर राज कुमार ने उसे मांगा और बाद में उसका रुमाल बनाकर जेब में रख लिया।

प्रसिद्ध डायलॉग

राज कुमार के प्रसिद्ध डायलॉग

आज भी लोगों की जुबान पर हैं। उनकी भारी आवाज और शब्दों का चयन दर्शकों को रोमांचित कर देता था। कुछ मशहूर डायलॉग हैं, जिन्होंने इन डायलॉग्स ने राज कुमार को 'जानी' का खिताब दिलाया और उनके किरदारों को अमर बना दिया।

जानी, हम तुम्हें मारेंगे, और जरूर मारेंगे... लेकिन वो बंदूक भी हमारी होगी, गोली भी हमारी होगी और वक्त भी हमारा होगा

फिल्म तिरंगा का डायलॉग- ना तलवार की धार से, ना गोलियों की बौछार से, बंदा डरता है तो सिर्फ परवर दिगार से

दुनिया जानती है कि राजेश्वर सिंह जब दोस्ती निभाता है तो अफसाने बन जाते हैं, मगर दुश्मनी करता है तो इतिहास लिखे जाते हैं

करियर और फिल्में

रिपोर्ट्स के अनुसार, अपने 40 साल के करियर में उन्होंने लगभग 70 फिल्मों में काम किया और 'दिल एक मंदिर' और 'वक्त' के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार जीता। 1996 में उन्हें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। राज कुमार ने अपने करियर की शुरुआत बतौर सब-इंस्पेक्टर की थी, लेकिन एक दोस्त की सलाह पर उन्होंने फिल्मों में कदम रखा। 1952 में फिल्म रंगीली से डेब्यू करने के बाद उन्हें असली पहचान 1957 की फिल्म 'नौशेरवां-ए-आदिल' और 'मदर इंडिया' से मिली। इसके बाद उन्होंने 'पैगाम', वक्त, पाकीजा, 'हीर रांझा', 'लाल पत्थर', 'सौदागर' और 'तिरंगा' जैसी कई हिट फिल्में दीं।

मीना कुमारी और हेमा मालिनी से प्यार की अफवाहें

रिपोर्ट्स के अनुसार, राज कुमार की निजी जिंदगी भी उनकी फिल्मों की तरह चर्चा में रही। कहा जाता है कि वे दो मशहूर अभिनेत्रियों, मीना कुमारी और हेमा मालिनी, के प्यार में थे। फिल्म 'पाकीजा' में राज कुमार ने मीना कुमारी के साथ काम किया। अफवाह थी कि वे मीना की खूबसूरती के इतने दीवाने थे कि सेट पर अपने डायलॉग तक भूल जाते थे। लेकिन मीना कुमारी की शादी कमाल अमरोही से होने के कारण यह प्यार एक तरफा रहा।

फिल्म लाल पत्थर के दौरान राज कुमार कथित तौर पर हेमा मालिनी को दिल दे बैठे थे। उन्होंने निर्देशक से वैजयंती माला की जगह हेमा को कास्ट करने की जिद की थी। बाद में हेमा को मनाने के लिए खुद राज कुमार आगे आए, लेकिन उस वक्त हेमा धर्मेंद्र के साथ रिश्ते में थीं, इसलिए यह प्रेम कहानी भी अधूरी रह गई।

निधन

अंतिम दिन 90 के दशक में राज कुमार को गले का कैंसर हुआ, जिसके कारण उनकी आवाज प्रभावित हुई। डॉक्टरों ने उन्हें जोर से बोलने से मना किया था, फिर भी उनकी करकरी आवाज में बोले डायलॉग दर्शकों को पसंद आए। 3 जुलाई 1996 को 69 साल की उम्र में उनका निधन हो गया, लेकिन उनके डायलॉग और किरदार आज भी सिनेमा प्रेमियों के दिलों में जिंदा हैं।

तारा-वीर पहाड़िया ने डेटिंग की अफवाह के बीच एक जैसी वैकेशन पोस्ट की साझा, रिश्ते पर साधी चुप्पी

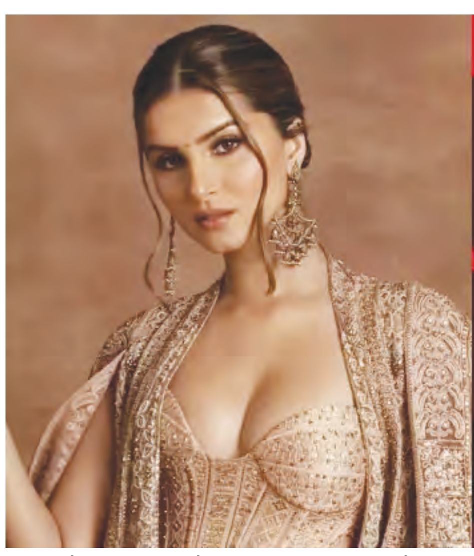

पिछले कुछ समय से बॉलीवुड गलियारों में तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया की डेटिंग की अफवाह सुनने को मिल रही है। मगर इस बात को लेकर दोनों ने चुप्पी साधी है। हाल ही में दोनों ने अपने-अपने सोशल मीडिया पेज पर वैकेशन की तस्वीरें साझा की हैं, जो देखने में एक जगह की लग रही हैं।

एक जैसा नजर आया फोटो का बैकग्राउड

वीर पहाड़िया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर जो वैकेशन की तस्वीर शेयर की हैं, उसमें वह एक बोट में बैठे हैं, पीछे कुछ छोटे-छोटे टापू नजर आ रहे हैं। इसी तरह की तस्वीरें तारा सुतारिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी लगाई है। दोनों फोटो देखने में एक ही जगह की लगती हैं। इससे लगता है कि तारा और वीर एक ही जगह पर वैकेशन मना रहे हैं।

वीर पहाड़िया और तारा को पहले भी साथ देखा गया

वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया की डेटिंग की अफवाह तब शुरू हुई, जब कुछ महीनों पहले इन्हें एक रेस्तरां में साथ देखा गया। दोनों को साथ में एक इवेंट में रैंप वॉक करते हुए भी देखा गया। तब भी इनके बीच एक अलग तरह की केमिस्ट्री नजर आई।

पहले डेटिंग पार्टनर भी फिल्म इंडस्ट्री से कनेक्टेड

तारा और वीर दोनों ही पहले बॉलीवुड से जुड़े लोगों को डेट कर चुके हैं। तारा पहले करीना कपूर के कजिन आदर जैन को डेट कर चुकी हैं। इसी तरह वीर का नाम भी पहले सारा अली खान से जोड़ा गया था। दोनों अब भी अच्छे दोस्त हैं।

वीर और तारा का वर्क फ्रंट

वीर पहाड़िया ने इसी साल बॉलीवुड में डेब्यू किया है, अक्षय कुमार के साथ वह फिल्म 'स्काई फोर्स' में नजर आ चुके हैं। वहीं तारा ने भी अब तक कई फिल्में की हैं। अगले साल तारा पैन इंडिया फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी।

मेकर्स ने दिखाई 'रामायण' की पहली झलक रणबीर और यश को देखकर खुश हुए फैंस

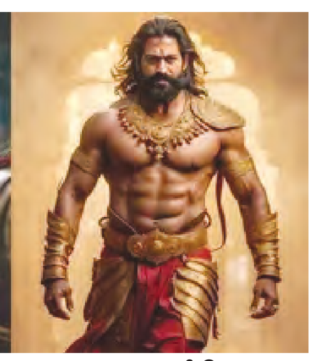

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें रणबीर कपूर राम के अवतार में नजर आ रहे हैं। वहीं रावण के किरदार में एक्टर यश नजर आ रहे हैं। 3 मिनट 3 सेकंड की इस फर्स्ट ग्लिम्स में फिल्म के किरदारों की पहली झलक देखने को मिली।

रणबीर का राम अवतार लग रहा शक्तिशाली

फिल्म के पहले लुक में रणबीर कपूर को धनुषधारी योद्धा के रूप में दिखाया गया है। उनकी आंखों में दृढ़ निश्चय और पीठ पर टंगे धनुष के साथ वो एक सच्चे योद्धा की तरह दिख रहे हैं। बैकग्राउंड में दिख रहा उदयमान सूरज और बादलों का समावेश इस पोस्टर को और भी भव्य बनाता है। रणबीर के इस लुक ने साबित कर दिया है कि वो राम के किरदार में जान फूंकने वाले हैं।

पहले लुक पॉस्टर में झलक रही है राम-रावण की भिड़ंत

फर्स्ट लुक टीजर में फिल्म की भव्यता साफ झलक रही है। राम और रावण के बीच के संघर्ष को दमदार विजुअल्स के साथ दिखाया गया है। एक सीन में रणबीर को जंगल में पेड़ पर चढ़कर धनुष चलाते हुए देखा जा सकता है। यश का रावण लुक भी काफी शक्तिशाली प्रतीत हो रहा है।

'रामायण' फिल्म की स्टारकास्ट

इस फिल्म की स्टारकास्ट भी किसी ब्लॉकबस्टर से कम नहीं है। जहां रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में हैं, वहीं सई पल्लवी मां सीता के रूप में दर्शकों का दिल जीतने को तैयार हैं। इनके अलावा सनी देओल हनुमान के अवतार में नजर आएंगे, जिनकी आक्रामकता और भावनात्मक गहराई दोनों इस किरदार को मजबूती देने वाली हैं। यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे और उनका रौबदार लुक इस बात की पुष्टि करता है कि उन्होंने इस किरदार को पूरी ईमानदारी से निभाया है।

ब्रेक के बाद फिल्मों में एक्टिव हुए विक्रांत बोले- अब हर चीज को लेकर क्लीयर हूं

पिछले साल अपने परिवार, हेल्थ पर ध्यान देने के लिए विक्रांत मैसी ने एक्टिंग से ब्रेक लेने की घोषणा की थी। एक्टर ने साफ कहा था कि ब्रेक कुछ महीनों का होगा। हाल ही में अपने इस करियर ब्रेक के बारे में विक्रांत ने बात की है। साथ ही वह अपनी जल्द रिलीज होने वाली फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' को लेकर भी उत्साहित हैं।

खत्म हो गया विक्रांत का करियर ब्रेक

विक्रांत मैसी कहते हैं, 'मेरा ब्रेक खत्म हो गया है। मैंने बस छह महीने का ब्रेक लिया था। अब मैं हर चीज को लेकर बहुत क्लीयर हूं। पर्सनल लाइफ हो या करियर, सब चीजों को लेकर मेरा नजरिया बिल्कुल क्लीयर हो चुका है। मैंने इस ब्रेक में महसूस किया कि एक्टिंग मेरी जिंदगी का हिस्सा है, साथ ही कई और चीजें भी मेरे लिए बहुत अहम हैं।'

परिवार के साथ गुजारा समय

विक्रांत ने करियर ब्रेक के दौरान परिवार के साथ खूब समय गुजारा। वह कहते हैं, 'मैंने बेटे वरदान के साथ समय बिताया, खूब सारी फिल्में देखी। उन चीजों पर नोट्स बनाए हैं, जिन पर मुझे काम करना है। मेरी कोशिश एक एक्टर के तौर पर खुद को बेहतर बनाना है।'

खुद में ठहराव महसूस करते हैं विक्रांत

विक्रांत आगे कहते हैं, 'ब्रेक के बाद मेरे अंदर एक ठहराव भी आ गया है। मैंने अपनी सभी भी फिल्में देखीं, इन पर गौर किया। उन फिल्मों में और बेहतर काम कर सकता था। अब मैं जिन फिल्मों का हिस्सा बन रहा हूं, उनमें इन बातों का ध्यान रखूंगा।'

'आंखों की गुस्ताखियां' को लेकर उत्साहित

विक्रांत मैसी फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' में शनाया कपूर के एक्टिंग कर रहे हैं। यह फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होगी। फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां" रस्किन बॉन्ड की शॉर्ट स्टोरी 'द आइज हैव इट' पर बेस्ड है। विक्रांत, राइटर रस्किन बॉन्ड के फैन हैं। वह फिल्म में अंधे इंसान का किरदार निभा रहे हैं। विक्रांत कहते हैं, 'इस रोल ने अंधे लोगों के बारे में मेरी समझ को चैलेंज किया है।'

अमीरों की दुनिया में बडा उलटफेर

शादी के बाद जेफ बेजोस को हुआ मोटा नुकसान तो मस्क के डूब गए 6 लाख करोड़

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में एक बार फिर ज़बरदस्त उलटफेर हुआ है। दुनिया के सबसे अमीरों की लिस्ट में शामिल अरबपतियों की संपत्ति में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। एलन मस्क से लेकर बिल गेट्स और जेफ़ बेजोस तक की नेटवर्थ घटी है। सबसे ज्यादा घाटा एलन मस्क को हुआ है। 24 घंटे में इनकी दौलत 71.2 अरब डॉलर घट गई है। इसके बाद सबसे ज्यादा नुकसान बर्नार्ड अर्नोल्ट को हुआ है। यही नहीं ओरेकल के को-फाउंडर लैरी एलिसन ने अमाजान के जेफ बेजोस को पीछे छोड़ते हुए अमीरों की दौड़ में तीसरे नंबर पर छलांग लगा दी है।

24 घंटे में मोटा नुकसान

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के अनुसार, बुधवार को लैरी एलिसन की संपत्ति में एक ही दिन में $10.3 अरब (करीब 86,000 करोड़) की बढ़ोतरी हुई, जिससे उनकी कुल संपत्ति $246 अरब हो गई। इस साल अब तक उनकी नेटवर्थ में $54.2 अरब का इज़ाफा हो चुका है। वहीं, जेफ बेजोस की संपत्ति में हल्की गिरावट आई $672 मिलियन की। अब उनकी कुल संपत्ति $241 अरब रह गई है, और इसी के साथ वे एक पायदान नीचे चौथे नंबर पर खिसक गए।

मस्क अब भी नंबर 1, लेकिन इस बार जकरबर्ग पीछे नहीं!

इस उतार-चढ़ाव के बीच एलन मस्क ने अपनी बादशाहत कायम रखी है। उनकी ईवी कंपनी टेस्ला के शेयरों में लगभग 5% की छलांग लगी, जिससे उनकी नेटवर्थ में $10.7 अरब की बढ़त हुई और कुल संपत्ति $361 अरब पर पहुंच गई।हालांकि, मस्क की संपत्ति में इस साल अब तक सबसे ज्यादा $71.2 अरब की गिरावट आई है फिर भी वो अमीरों के राजा बने हुए हैं। अब बात करें दूसरे नंबर के खिलाड़ी की तो वो हैं मेटा (फेसबुक) के सीईओ मार्क ज़करबर्ग, जिनकी नेटवर्थ है $252 अरब। एलिसन अब उनसे महज़ $6 अरब पीछे हैं। यानी आने वाले दिनों में इस लिस्ट में और हलचल देखी जा सकती है।

भारत के अरबपति कहां हैं?

भारत और एशिया के सबसे रईस मुकेश अंबानी इस सूची में 16वें नंबर पर हैं, जिनकी कुल संपत्ति $111 अरब है। वहीं, गौतम अडानी $85.2 अरब के साथ 20वें स्थान पर हैं।दुनिया के टॉप अरबपतियों की लिस्ट अब किसी रेस ट्रैक से कम नहीं लगती। हर दिन शेयरों की हलचल, टेक्नोलॉजी की तरक्की और बाज़ार की उठापटक से यह लिस्ट ऊपर-नीचे होती रहती है। कौन जाने, अगले हफ्ते एलिसन नंबर दो पर हों या बेजोस वापसी कर लें।

60 करोड़ लोगों पर नजर : नई कंपनी बनाने का तैयारी में अंबानी

क्या होगा रिलायंस का नया बिजनेस?

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) एक बड़ा बदलाव करने जा रही है। यह बदलाव उसके एफएमसीजी कारोबार में होगा। आरआईएल अपने सभी एफएमसीजी ब्रांड्स को एक नई कंपनी में शामिल करेगी। अभी ये ब्रांड्स रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल), रिलायंस रिटेल लिमिटेड (आरआरएल) और रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) के तहत हैं।

नई कंपनी का नाम न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (नई आरसीपीएल) होगा। यह कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड की तरह सीधे तौर पर आरआईएल की सहायक कंपनी होगी। इस बदलाव का मकसद एफएमसीजी ब्रांड्स पर खास ध्यान देना है। साथ ही यह उन निवेशकों को आकर्षित करेगा जो इस क्षेत्र में निवेश करना चाहते हैं। एक कानूनी आदेश के अनुसार इस बदलाव से अलग तरह के निवेशकों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी। यह आदेश 25 जून को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने दिया था। यह आदेश आरआईएल के पुनर्गठन के आवेदन पर आधारित है। आदेश में कहा गया है, 'कंज्यूमर ब्रांड्स का कारोबार ब्रांड बनाने, रिसर्च, डेवलपमेंट, मैन्युफैक्चरिंग, डिस्ट्रीब्यूशन और मार्केटिंग जैसे सभी पहलुओं को संभालने का काम है। यह अपने आप में एक बड़ा कारोबार है जिसके लिए खास ध्यान, विशेषज्ञता और अलग तरह के कौशल की जरूरत होती है, जो रिटेल कारोबार से अलग है।' इसका मतलब है कि एफएमसीजी कारोबार को चलाने के लिए अलग तरह की सोच और रणनीति चाहिए।अंबानी पहले ही रिटेल और टेलीकॉम कारोबार के लिए आईपीओ लाने की बात कह चुके हैं। इस पुनर्गठन से रिटेल बिजनस को शेयर बेचने के लिए तैयार करने में मदद मिलेगी। एफएमसीजी कारोबार को अलग करने से रिटेल कारोबार की वैल्यूएशन बढ़ सकता है। एक सूत्र ने कहा कि आरआरवीएल का वैल्यूएशन 100 बिलियन डॉलर से ज्यादा है। अगर यह आईपीओ आता है, तो यह हाल के समय में सबसे बड़ा इश्यू होगा। पिछले फाइनेंशियल ईयर में रिलायंस का एफएमसीजी कारोबार 11,500 करोड़ रुपये का था।

इसमें कैम्पा (सॉफ्ट ड्रिंक्स), इंडिपेंडेंस (पैकेज्ड ग्रोसरी) और रावलगांव (कन्फेक्शनरी) जैसे 15 से ज्यादा ब्रांड शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी ने जैम और सॉस ब्रांड एसआईएल, रीजनल बेवरेज ब्रांड सोस्यो और शैम्पू ब्रांड वेलवेट्ट का भी अधिग्रहण किया है। एनसीएलटी के दस्तावेज के अनुसार इस कारोबार में लगातार बड़े पैमाने पर पूंजी निवेश की जरूरत होती है और यह अलग तरह के निवेशकों को आकर्षित कर सकता है। इसमें यह भी कहा गया है कि कंज्यूमर ब्रांड्स का कारोबार रिटेल कारोबार का हिस्सा नहीं है और यह प्रस्ताव है कि इस कारोबार को आरआईएल की सीधी सहायक कंपनी में रखा जाए। आरसीपीएल मैन्युफैक्चरिंग, डिस्ट्रीब्यूशन और मार्केटिंग का काम करती है। यह अपने प्रोडक्ट्स को कोका-कोला, मोंडेलेज और हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसे प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में 20-40% कम कीमत पर बेचती है। साथ ही, यह ट्रेड मार्जिन भी ज्यादा देती है।

70 घंटे काम की नसीहत देने वाले नारायण मूर्ति की कंपनी अब सिखा रही 'वर्क-लाइफ बैलेंस'!

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने भले ही 70 घंटे काम करने की वकालत की हो लेकिन उनकी अपनी कंपनी अब इस सोच से किनारा कर रही है। भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस ने अपने कर्मचारियों को वर्क-लाइफ बैलेंस पर ध्यान देने का नया फरमान सुनाया है। कंपनी ने साफ तौर पर कहा है कि वर्क फ्रॉम होम के दौरान लंबे समय तक काम करने से बचें, क्योंकि इससे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।इन्फोसिस ने अपने सभी कर्मचारियों को व्यक्तिगत तौर पर ईमेल भेजकर कहा है कि वे नियमित कामकाजी घंटों का पालन करें। कंपनी ने एक ऐसा सिस्टम लागू किया है, जो 9 घंटे 15 मिनट से ज्यादा काम करने पर चेतावनी देता है। एक कर्मचारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि अगर पिछले एक महीने में औसत कामकाजी घंटे सामान्य से ज्यादा हुए, तो कंपनी इसके लिए अलग से ईमेल भेजकर कर्मचारियों को आगाह करती है। इन ईमेल्स में कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कार्यक्षमता के लिए वर्क-लाइफ बैलेंस को जरूरी बताया गया है। हाल के दिनों में कई खबरों में सामने आया है कि युवा कर्मचारी लंबे समय तक काम करने की वजह से गंभार स्वास्थ्य समस्याओं का शिकार हो रहे हैं। इनमें हार्ट अटैक जैसे गंभीर मामले भी शामिल हैं। इन्फोसिस का यह कदम इन खतरों को देखते हुए उठाया गया है। कंपनी का मानना है कि कर्मचारियों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य उनकी कार्यक्षमता के लिए बेहद जरूरी है।

इसलिए, अब कंपनी ने अपने कर्मचारियों को लंबे समय तक काम करने से मना किया है और उन्हें अपनी सेहत का ख्याल रखने की सलाह दी है। इन्फोसिस का यह नया नियम इसके संस्थापक नारायण मूर्ति की सोच के बिल्कुल उलट है। कुछ महीने पहले नारायण मूर्ति ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि भारत की प्रोडक्टिविटी दुनिया में सबसे कम है और देश के विकास के लिए युवाओं को हफ्ते में 70 घंटे काम करना चाहिए। इस बयान ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं।

8 देशों के पास है अमेरिका से बड़ा तेल भंडार, कौन-कौन हैं टाप लिस्ट में

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पेट्रोलियम को काला सोना कहा जाता है। इससे कई तरह के प्रोडक्ट्स बनते हैं जिनका कई उद्योगों में व्यापक इस्तेमाल होता है। इसके बिजनस पर कब्जा करने के लिए दुनिया देशों के बीच होड़ चलती रहती है। पश्चिम एशिया के कई देशों के इकॉनमी पूरी तरह तेल पर निर्भर है। फिलहाल अमेरिका दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है लेकिन उसके पास इसका बहुत बड़ा भंडार नहीं है। दुनिया के आठ देशों में अमेरिका से बड़ा ऑयल रिजर्व है। तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक के मुताबिक दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के पास है। इस देश के पास 303 अरब बैरल ऑयल रिजर्व है जो दुनिया के कुल ज्ञात तेल भंडार का 17.3 फीसदी है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर सऊदी अरब है। इस देश का ऑयल रिजर्व 267 अरब बैरल है जो दुनिया का 15.2 फीसदी है। ईरान 209 अरब बैरल के भंडार के साथ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। वेनेजुएला और ईरान उन देशों में शामिल हैं जहां पेट्रोल की कीमत सबसे कम है।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में

कनाडा एरिया के आधार पर दुनिया का दूसरा बड़ा देश है। इस देश में 163 अरब बैरल कच्चे तेल का भंडार है जो दुनिया का 9.3 फीसदी है। इराक में 145 अरब बैरल कच्चे तेल का भंडार है। इसी तरह यूएई में 113 अरब बैरल, कुवैत में 102 अरब बैरल, रूस में 80 अरब बैरल, अमेरिका में 74 अरब बैरल और लीबिया में 48 अरब बैरल कच्चे तेल का भंडार है। भारत अपनी जरूरत का 85 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बनकर उभरा है।

सफलता की गारंटी है रिलायंस और अंबानी का नाम

फिर अनिल क्यों हुए 'बदनाम'

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। कभी भारत की टेलीकॉम इंडस्ट्री में रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरसीओएम) का दबदबा था। लेकिन, कंपनी बहुत तेजी से आगे बढ़ी और उतनी ही तेजी से नीचे भी आ गई। अब इस कंपनी को लेकर एक नया अपडेट आया है। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई ने आरकॉम के लोन अकाउंट को 'फ्रॉड' घोषित कर दिया है। बैंक ने साथ ही कंपनी के डायरेक्टर रहे अनिल अंबानी का नाम आरबीआई को रिपोर्ट करने का फैसला किया है। यह मामला अगस्त 2016 से चल रहा है।

कंपनी ने खुद एक फाइलिंग में यह जानकारी दी है। सवाल है कि आरकॉम अर्श से फर्श पर कैसे आई? आरकॉम साल 2019 से ही कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है। यह कभी भारत की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी थी। लेकिन 2019 तक कंपनी पर अरबों डॉलर का कर्ज हो गया और वह दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गई। अप्रैल में कंपनी ने बताया था कि मार्च 2025 तक उस पर कुल 404 अरब रुपये (4.71 बिलियन डॉलर) का कर्ज है। कंपनी के मैनेजमेंट में दिक्कत, कड़ी प्रतिस्पर्धा और टेलीकॉम सेक्टर में चल रही प्राइस वॉर जैसी वजहों से आरकॉम की हालत खराब हो गई। कभी किसी ने सोचा भी नहीं था कि अंबानी परिवार की कोई कंपनी इस तरह नीचे गिर जाएगी। दो दशक पहले जब आरकॉम शुरू हुई थी, तब 'रिलायंस' और 'अंबानी' नाम सफलता की गारंटी माने जाते थे। आरकॉम का जन्म 2005 में रिलायंस इंडस्ट्रीज के बंटवारे के बाद हुआ। मुकेश और अनिल अंबानी के बीच झगड़े के बाद यह फैसला लिया गया था। छोटे भाई अनिल अंबानी को टेलीकॉम, पावर और फाइनेंशियल सर्विसेज का कारोबार मिला। इसमें रिलायंस इन्फोकॉम भी शामिल थी, जिसका नाम बदलकर उन्होंने रिलायंस कम्युनिकेशंस कर दिया। आरकॉम ने कॉल रेट को कम करके और सस्ते हैंडसेट के साथ सर्विस प्लान देकर मार्केट में तहलका मचा दिया। 2003 में 'मॉनसून हंगामा' नाम से एक ऑफर आया, जिसमें ग्राहक सिर्फ 501 रुपये में फोन खरीद सकते थे। इससे भारत के गरीब लोगों तक भी टेलीकॉम सर्विस पहुंच गई। जब दूसरी कंपनियां जीएसएम टेक्नोलॉजी में निवेश कर रही थीं, तब आरकॉम ने सीडीएमए को अपनाया। सीडीएमए से स्पेक्ट्रम का बेहतर इस्तेमाल हो सकता था और यह जीएसएम से पहले डेटा सर्विस को सपोर्ट करता था। आरकॉम ने रिलायंस ग्रुप के पैसे और काम करने की क्षमता का इस्तेमाल करके भारत में सबसे बड़ा टेलीकॉम नेटवर्क बनाया। साल 2006 में कंपनी का आईपीओ 73 गुना सब्सक्राइब हुआ और 5,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई हुई। इससे पता चलता है कि निवेशकों को कंपनी पर कितना भरोसा था। आरकॉम ने सीडीएमए टेक्नोलॉजी में बहुत ज्यादा निवेश किया, जो उसके लिए नुकसानदायक साबित हुआ।

जैसे-जैसे जीएसएम ग्लोबल स्टैंडर्ड बन गया, आरकॉम डिवाइस कंपैटिबिलिटी और वेंडर सपोर्ट के मामले में पिछड़ गई। एयरटेल और वोडाफोन जैसी कंपनियों ने जीएसएम के ग्लोबल इकोसिस्टम का फायदा उठाया और ज्यादा हैंडसेट और बेहतर रोमिंग सर्विस दी। आरकॉम ने 2008 में जीएसएम मार्केट में एंट्री की लेकिन उसके पास दूसरी कंपनियों जितना इन्फ्रास्ट्रक्चर और ब्रांड वैल्यू नहीं थी।

एयरपोर्ट लाउंज में अब बिना रोकटोक मिलेगी एंट्री!

अडानी ने यात्रियों को दिया बड़ा तोहफा

मुंबई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। हवाई यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। अब आपको एयरपोर्ट लाउंज में घुसने के लिए इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं। अडानी समूह ने यात्रियों को ऐसा तोहफा दिया है, जिससे उनकी यात्रा और भी सुविधाजनक हो जाएगी। अब आप सीधे लाउंज में एंट्री मार सकते हैं, बिना किसी थर्ड पार्टी के चक्कर में पड़े।

अडानी एयरपोर्ट्स के बॉस अरुण बंसल ने इसकी पूरी जानकारी लिंक्डइन पर साझा की है।अडानी एयरपोर्ट्स ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए यात्रियों को लाउंज में डायरेक्ट एंट्री देने का ऐलान किया है। यानी अब आपको लाउंज की सुविधाओं के लिए किसी और कंपनी या सर्विस प्रोवाइडर की मदद नहीं लेनी पड़ेगी। लाउंज की सर्विस लेने के लिए बस अडानी के प्लेटफॉर्म पर जाइए और सीधे लाउंज का मज़ा लीजिए। अडानी एयरपोर्ट्स के सीईओ अरुण बंसल ने बताया, हमने कई लाउंज ऑपरेटर्स से पार्टनरशिप की है, जिससे हमारे प्लेटफॉर्म से यात्रियों को बिना किसी रुकावट के एंट्री मिल सके। अब न कोई बिचौलिया होगा, न कोई परेशानी सिर्फ सीधी, आसान और स्मूद एंट्री। ये सुविधा अभी अडानी ग्रुप द्वारा संचालित 7 एयरपोर्ट्स पर मिलेगी मुंबई, लखनऊ, अहमदाबाद, मंगलुरु, गुवाहाटी, जयपुर और तिरुवनंतपुरम। साथ ही नवी मुंबई एयरपोर्ट का काम भी तेजी से चल रहा है। अरुण बंसल ने ये भी बताया कि भारत आज डिजिटल इनोवेशन में दुनिया में सबसे आगे है। उन्होंने यूपीआई का जिक्र करते हुए कहा कि जिस तरह यूपीआई ने फिनटेक की दुनिया में बिचौलियों को हटाकर एक अरब भारतीयों की जिंदगी को आसान बनाया, उसी तर्ज पर अब अडानी एयरपोर्ट्स भी डिजिटल क्रांति ला रहा है। "हमारी डिजिटल लैब टीम इस इनोवेशन को लीड कर रही है।

24 कैरेट सोने का दाम 306 रु. बढा

चांदी 1060 महंगी होकर 1.08 लाख रुपए किलो बिक रही

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 3 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 306 बढ़कर 97,786 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले इसका दाम 97,480 पर था। वहीं चांदी की कीमत 1,060 बढ़कर 1,07,748 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,06,688 पर थी। वहीं 18 जून को चांदी ने 1,09,550 और सोने ने 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,480 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,200

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,330 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,050

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,330 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,050

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,330 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,050

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,380 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,100

उतार-चढ़ाव के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 170 अंक टूटा, निफ्टी भी लुढ़का

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। वित्तीय और धातु शेयरों में आखिरी घंटे की बिकवाली के कारण बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को इंट्रा-डे लाभ खोकर गिरावट के साथ बंद हुए। डे ट्रेडिंग लाभ एक ही ट्रेडिंग दिवस के भीतर प्रतिभूतियों की खरीद और बिक्री से अर्जित लाभ को संदर्भित करता है। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को उतार-चढाव के बाद भारतीय बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 170.22 अंक या 0.20 प्रतिशत गिरकर 83,239.47 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 440.4 अंक या 0.52 प्रतिशत बढ़कर 83,850.09 अंक पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 48.10 अंक या 0.19 प्रतिशत गिरकर 25,405.30 अंक पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 31 पैसे बढ़कर 85.31 (अनंतिम) पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, अडानी पोर्ट्स, ट्रेंट, भारतीय स्टेट बैंक, टाइटन और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज पिछड़ गईं। वहीं मारुति, इंफोसिस, एनटीपीसी, एशियन पेंट्स, इटरनल और हिंदुस्तान यूनिलीवर सबसे ज्यादा लाभ में रहे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने कहा कि साप्ताहिक समाप्ति के दिन बाजार में उतार-चढ़ाव रहा और अंत में बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। उन्होंने कहा कि सेक्टरवार रुझान मिला-जुला रहा। ऑटो और फार्मा में बढ़त दर्ज की गई, जबकि मेटल और रियल्टी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। व्यापक सूचकांकों ने भी इस उतार-चढ़ाव को दर्शाया। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। बुधवार को अमेरिकी बाजार ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए। एक मासिक सर्वेक्षण में गुरुवार को कहा गया कि सकारात्मक मांग के रुझान और बिक्री में जारी सुधार के बीच अंतरराष्ट्रीय बिक्री और रोजगार सृजन में मजबूत विस्तार हुआ। इससे जून में भारतीय सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर दस महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स मई में 58.8 से बढ़कर जून में 60.4 हो गया। यह नए व्यावसायिक ऑर्डरों में तीव्र वृद्धि के कारण हुआ। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में, 50 से ऊपर का अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है।

ब्रेंट क्रूड का भाव घटकर 68.40 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.03 प्रतिशत घटकर 68.40 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,561.62 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। बुधवार को बीएसई सेंसेक्स 287.60 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83,409.69 पर बंद हुआ। निफ्टी 88.40 अंक या 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,453.40 पर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082

शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा

महावीर निर्वाण संवत् -2551

कलियुग अवधि-432000 — 05-49

भोग्य कलि वर्ष-426874 — 18-50

कलियुग संवत् -5126 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् -1972949126

सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन	मिथुन	04-28 बजे
चंद्र-	तुला	कर्क	06-41 बजे
मंगल	सिंह	सिंह	08-52 बजे
बुध-	कर्क	कन्या	10-59 बजे
गुरु-	मिथुन	तुला	13-06 बजे
शुक्र-	वृष	वृश्चिक	15-14 बजे
शनि-	मीन	धनु	17-28 बजे
राहु-	कुंभ	मकर	19-38 बजे
केतु-	सिंह	कुंभ	21-25 बजे
		मीन	23-03 बजे
		मेष	00-39 बजे
		वृष	03-08 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले

तिथि- नवमी 16-32 तक उपरान्त दशर्मी

मास - आषाढ़ शुक्ल , शुक्रवार 04 July

नक्षत्र - चित्रा 16-49 तक उपरान्त स्वाति

योग - शिव 19-35 तक उप सिद्ध

करण- कौलव 16-32 तक उप तैतिल

विशेष- भडली नवमी

व्रत-त्योहार - विवेकानंद पुण्य

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:42 से 12:21 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	05:49 - 07:26	शुभ	रोग।	18:50 - 20:15	अशुभ
लाभ	07:26 - 09:04	शुभ	काल।	20:15 - 21:37	अशुभ
अमृत	09:04 - 10:42	शुभ	लाभ	21:37 - 22:59	शुभ
काल।	10:42 - 12:21	अशुभ	उत्पात	22:59 - 00:21	अशुभ
शुभ।	12:21 - 13:59	शुभ	शुभ	00:21 - 01:43	शुभ
रोग	13:59 - 15:37	अशुभ	अमृत	01:43 - 03:04	शुभ
उत्पात	15:37 - 17:15	अशुभ	चंचल	03:04 - 04:26	शुभ
चंचल	17:15 - 18:50	शुभ	रोग	04:26 - 05:49	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे । लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें । कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आप आजकल हर किसी की नजर में हैं । जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे । इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं । यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ । हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी । यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें । इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा । आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — गृहों की स्थिति आपको आज बहुत अधिक सामाजिक होने को कह रही है । आप दूसरों से बातचीत के माध्यम से अपनी जीवनशैली और करियर में बदलाव लाना चाहते हैं । जो कुछ आपने सोचा है .वो सब करने की कोशिश करें । आप जो भी करना चाहते हैं,उसपर अच्छे से ध्यान केन्द्रित क्र सकते हैं ,बस इतना ध्यान रखें कि अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारी न लें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — अपने स्वतंत्र विचारों को अभिव्यक्त कर दें लेकिन आवाज को नीची रखें । पुरानी बातों में उलझे रहने के स्थान पर बदलाव के लिए जो कुछ जरूरी है उसपर फोकस करें । इस समय बेहतर यही होगा कि आप जिनके साथ रहते हैं उनके साथ विवादों में पड़ने की बजाय विवादों से दूर ही रहें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें । आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं । आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा । अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें,आप आसानी से ओइसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी । ऐसा हो सकता है कि घर पर अचानक बहुत सारे मेहमान आ जाएँ या बॉस आपको अंतिम समय पर कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दें । स्थिति चाहे जो हो,आप बहुत अच्छे से संभल लेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है । अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें । आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा । इसलिए आपको सोच-समझकर ही कुछ बोलना और कहना पड़ेगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज आपको गृहों की स्थिति के कारण हर भावना काफी गहन प्रतीत होगी । आपको प्यार और नफरत दोनों ही का बहुत गहनता से अनुभव होगा । आपको यह समझाने वाले अवसर भी आयेंगे कि आप किस कारण अब अपने करीबी दोस्तों से पुरानी भावना से बात नही कर पा रहे? हालाँकि तुरंत कोई भी फैसला लेने के स्थान पुर रूककर और सोच समझकर कदम उठाना ही सही होगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज आप बारीकियों पर बहुत ध्यान देंगे । आप किसी परियोजना की ब्योरेवार योजना बनाने में जुटे हुए हैं और आप इस पर बहुत मेहनत भी कर रहे हैं । आपकी यह मेहनत आपके काम में भी दिखाई देगी और इस काम के लिए आपको काफी तारीफ मिलेगी । आपके काम में आज पूरा दिन सृजनात्मकता बनी रहेगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आप आज कल्पनात्मक रहेंगे ।कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है ।आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी । अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है ,लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी । साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे । अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज आपकी किस्मत आपके साथ है। आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे । सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगें । आपका आत्मविश्वास देकने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा । खुश रहें और अपनों के साथ ख़ुशी बाँटें । आज कोई दोस्त मिल सकता है । दिन कुल मिलाकर मजेदार रहेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

मेडिकल कॉलेज मान्यता घोटाले में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अफसर

सीबीआई की एफआईआर में 35 नाम, इनमें छत्तीसगढ़–राजस्थान, गुजरात समेत 7 राज्यों के डॉक्टर–अधिकारी

रायपुर, 3 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। देश में प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की जांच और मान्यता देने की प्रक्रिया को लेकर एक बड़ा घोटाला सामने आया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने नवा रायपुर के रावतपुरा सरकारी मेडिकल कॉलेज समेत यूपी, गुजरात, आंध्रप्रदेश, राजस्थान समेत 7 राज्यों के 35 आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

इनमें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के अधिकारी, डॉक्टर, प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों के अधिकारी और डील करवाने वाले दलाल शामिल हैं। वहीं घूसखोरी में शामिल एक डॉक्टर को नेशनल मेडिकल काउंसिल एनएमसी ने ब्लैकलिस्ट किया है।

अब तक इस केस में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार लोगों में 3 डॉक्टर भी शामिल हैं। सीबीआई इनसे 7 जुलाई तक पूछताछ करेगी। यह मामला मेडिकल कॉलेजों के निरीक्षण प्रक्रिया में गड़बड़ी, फर्जी फैकल्टी की नियुक्ति, और बायोमेट्रिक रिकॉर्ड में हेरफेर से जुड़ा है।

सीबीआई को पुख्ता जानकारी मिली थी कि स्वास्थ्य मंत्रालय और एनएमसी के कुछ अधिकारी, प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों के साथ मिलकर गड़बड़ी कर रहे हैं। इन लोगों ने नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए मेडिकल कॉलेजों को फर्जी तरीके से मान्यता दिलाने में मदद की साथ ही अपने फेवर में अच्छी रिपोर्ट बनाने के एवज में निजी मेडिकल कॉलेजों से घूस ली।

इस मामले में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली और एनएमसी के कुछ अधिकारी, निजी मेडिकल कॉलेजों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर भ्रष्टाचार में शामिल है। आरोप है कि मंत्रालय के अधिकारियों ने कॉन्फिडेंशियल डॉक्यूमेंट और संवेदनशील जानकारी को लीक किया और प्राइवेट कॉलेजों के निरीक्षण प्रक्रिया में हेरफेर की।

सीबीआई की एफआईआर में बताया गया है कि डॉ. जीतू लाल मीणा, जो कि नेशनल हेल्थ अथॉरिटी में जॉइंट डायरेक्टर हैं, उन्हें डॉ. वीरेंद्र कुमार ने भारी रिश्वत पहुंचाई। इस पैसे से राजस्थान के सवाई माधोपुर में एक हनुमान मंदिर बनवाया, जिसकी कीमत 75 लाख बताई जा रही है। यह पैसा हवाला के जरिए ठेकेदार भीकालाल को दिया गया।

विशाखापट्नम के गायत्री मेडिकल कॉलेज को एनएमसी से मंजूरी दिलाने के बदले 2.5 करोड़ की रिश्वत ली गई, जिसे दिल्ली हवाला चैनल से भेजा गया।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी चंदन कुमार ने मंत्रालय की गोपनीय जानकारी गीतांजलि यूनिवर्सिटी, उदयपुर के रजिस्ट्रार मयूर रावल को दी।

मयूर रावल ने टेक-इन्फी सॉल्यूशन्स के आर. रणदीप नायर के साथ मिलकर कई कॉलेजों को जांच की जानकारी पहले ही दे दी, ताकि वे भी फर्जी तैयारी कर सकें।

इस मामले में स्वामीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (गुजरात), नेशनल कैपिटल रीजन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (मेरठ), और अन्य कॉलेजों ने फर्जीवाड़ा कर रिपोर्ट अपने फेवर में बनवाई है।

देशभर के मेडिकल कॉलेजों की मान्यता के नाम पर बड़े भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के मामले में सीबीआई ने 30 जून को छत्तीसगढ़, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और मध्य प्रदेश में 40 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी कार्रवाई की थी। 3 डॉक्टर समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।

आरोप है कि 30 जून को एनएमसी की इंस्पेक्शन टीम के 4 सदस्य की टीम छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर स्थित रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च पहुंचे थे। एसआरआईएमएसआर के डायरेक्टर अतुल कुमार तिवारी ने इंस्टीट्यूशन के फेवर में रिपोर्ट बनाने के लिए जांच टीम को पैसों का ऑफर किया।

यह ऑफर सीधे डॉक्टर मंजप्पा को दिया गया था, जो कि मांड्या इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस बेंगलुरु में ऑर्थोपेडिक्स डिपार्टमेंट के एचओडी है। साथ ही एनएमसी जांच दल क प्रमुख है। डॉ मंजप्पा ने सतीश ए. को हवाला ऑपरेटर से 55 लाख रुपए इकट्ठा करने के निर्देश दिए।

डॉक्टर चैत्रा और अपनी टीम के दूसरे सदस्य को भी इस बात के लिए मनाया और उन्हें बताया कि उनका कमीशन डॉक्टर सतीश उनके घर पर डिलीवर कर देंगे। यह पूरी डील 30 जून को ही हो गई थी।

उन्होंने सतीश ए. को यह भी बताया कि उन्हें हवाला ऑपरेटर से एक कॉल आएगा कि राशि कैसे एकत्र की जानी है। डॉ. मंजप्पा ने निरीक्षण दल की एक अन्य सदस्य डॉ. चैत्रा से भी बात की। उन्हें बताया कि उनका हिस्सा सतीश ए. उनके निवास पर पहुंचवाएंगे।

सीबीआई ने लंबे समय से एनएमसी और उससे जुड़े लोगों को ट्रैप कर रही थी। केस फाइल करने के बाद सभी आरोपियों को पकड़ने के लिए बेंगलुरु में जाल बिछाया। यहां से 55 लाख रुपए की रिश्वत की रकम बरामद की। रिश्वत की कुल रकम में से 16.62 लाख रुपए डॉ. चैत्रा के पति रविन्द्रन से और 38.38 लाख रुपए डॉ. मंजप्पा के सहयोगी सतीश ए से बरामद किए गए हैं।

1 जुलाई सीबीआई ने को डॉ. मंजप्पा, डॉ. चैत्रा, डॉ. अशोक, अतुल कुमार तिवारी को रायपुर से गिरफ्तार किया गया। वहीं बेंगलुरु से सतीश ए. और रविचंद्र के. को भी गिरफ्तार कर रायपुर लाया गया। 2 जुलाई को सभी को रायपुर के स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया।

रायपुर स्पेशल कोर्ट में सीबीआई ने सभी 6 आरोपियों की 5 दिनों की रिमांड मांगी। दोनों पक्षों का तर्क सुनने के बाद कोर्ट ने सभी आरोपियों को 7 जुलाई तक सीबीआई रिमांड पर भेजा है।

सीबीआई की टीम एनएमसी दल के 3 डॉक्टर समेत सभी 6 आरोपियों से 7 जुलाई तक पूछताछ करेगी।

सभी आरोपियों से रायपुर वीआईपी रोड स्थित सीबीआई दफ्तर में पूछताछ होगी। रिमांड के दौरान परिवार के सदस्य और वकील रोजाना आधे घंटे के लिए उनसे मिल सकेंगे।

सीबीआई के अधिकारियों का कहना है कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी निरीक्षण प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए कई रणनीतियों का इस्तेमाल कर रहे थे। आरोपियों के पास से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए हैं।

जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक में बड़ा खुलासा

28 अभ्यर्थियों को दिए गए थे पेपर, इनमें से 10 पास, 11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

रांची, 3 जुलाई (एजेंसियां)। जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक मामले की सीआईडी जांच में बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है।

पेपर लीक के मास्टरमाइंड शशिभूषण दीक्षित और अन्य आरोपियों के मोबाइल से 28 अभ्यर्थियों के नाम सीआईडी मिले। ये वो नाम हैं, जिन्हें प्रश्न पत्र उपलब्ध कराया गया था। इनमें से 10 अभ्यर्थी परीक्षा में सफल रहे थे।

जांच में पता चला है कि अभ्यर्थियों से सबसे ज्यादा वसूली शशिभूषण दीक्षित ने की है। उसके दो बैंक खाते की डिटेल्स सीआईडी को मिली है। इसमें आठ लाख रुपए से ज्यादा की रकम ट्रांसफर की गई है। वहीं एक अन्य आरोपी मनोज कुमार के खाते में एक अभ्यर्थी ने यूपीआई के जरिए एक लाख रुपए ट्रांसफर किया था।

सीआईडी इस मामले में अब तक 11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुका है। शशिभूषण अभी जेल में है। उसे 28 मार्च को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से गिरफ्तार किया गया था। उसने झारखंड हाईकोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी। लेकिन कोर्ट ने जमानत देने से इनकार करते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी थी।

सीआईडी को आरोपियों के मोबाइल से अभ्यर्थियों के नाम के साथ उनका रोल नंबर, परीक्षा केंद्र और एजेंट के नाम की भी जानकारी मिली है। इनके बैंक खातों से लेनदेन के सबूत भी मिले हैं। सीआईडी ने इस केस में एक आरोपी कुंदन कुमार को भी गिरफ्तार किया था। उसके मोबाइल से उसकी पत्नी के बैंक खाते का पता चला। उस खाते में भी पैसों का लेनदेन हुआ है। इससे साफ हो गया कि आरोपियों ने अभ्यर्थियों से पैसे लिए और उन्हें सीजीएल परीक्षा का पेपर उपलब्ध कराया।

इस मामले में राजेश कुमार ने रातू थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस इसकी जांच कर रही थी। इसी केस को क्राइम इंवेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) ने टेकओवर कर मामले की जांच शुरू की। करीब एक दर्जन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। उधर, परीक्षा के बाद पेपर लीक की बात से अन्य अभ्यर्थी परेशान हैं। उन्होंने पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की है, ताकि सीजीएल पेपर लीक मामले का सच सामने आ सके। हालांकि यह मामला अभी झारखंड हाईकोर्ट में लंबित है।

रायगढ़-कोरबा में तेज बारिश से घरों में घुसा पानी

बस्तर–सरगुजा संभाग में हैवी रेन का यलो अलर्ट रेलवे–ट्रैक पर चट्टान गिरने से 2 ट्रेन कैंसिल

रायपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में गुरुवार सुबह से तेज बारिश हो रही है, जिससे सड़कों पर पानी भर गया है। वहीं शहर के दुर्गा विहार कॉलोनी, विनोबा नगर और कुछ मोहल्लों के घरों में भी पानी घुस गया। कोरबा के चिमनीभट्ठा इलाके के कई घरों में पानी घुस गया है। गलियों में नदियां बह रही हैं।

मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के बस्तर, बीजापुर,दंतेवाड़ा, सुकमा और गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में मध्यम से भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। यह अगले 24 घंटे के लिए मौसम विभाग ने जारी की है। वहीं सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिले में अगले 48 घंटे के लिए मध्यम से भारी बारिश का अलर्ट जारी हुआ है।

इस बीच मौसम विभाग ने आज भी सूरजपुर, एमसीबी (मनेंद्रगढ़-चिरमिरी,भरतपुर), कोरिया और जीपीएम (गौरेला-पेंड्रा-मरवाही) इन 4 जिलों में बिजली गिरने और भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। बाकी 29 जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने का यलो अलर्ट है। प्रदेश के उत्तरी हिस्सों में अगले 5 दिनों तक हैवी रेनफॉल हो सकती है।

वहीं बस्तर में लगातार बारिश के कारण कोरापुट-किरंदुल रेल लाइन पर लैंड स्लाइड हो गई है। मिट्टी और चट्टानें कटकर ट्रैक पर गिर गईं, जिससे रूट बाधित हो गया। किरंदुल-विशाखापट्टनम और हीराखंड दो ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। फिलहाल रूट को बहाल करने की कोशिशें जारी हैं।

जुलाई महीने की शुरुआत से ही मानसून ने रफ्तार पकड़ी हुई है। बुधवार को करीब 18 जिलों में 117 जगहों पर बारिश हुई है। पूरे प्रदेश में औसत बारिश 40.6 एमएम रिकॉर्ड की गई। सरगुजा और बस्तर संभाग में सबसे ज्यादा पानी गिरा है। जिससे यहां नदी-नाले उफान पर हैं। बलरामपुर जिले में सेंदुर नदी पार करने के दौरान कोटवार बह गया। वहीं जगदलपुर में लगातार बारिश के कारण कॉलोनियों में जलभराव हो गया। दलपत सागर वार्ड गायत्री नगर में पानी घरों में घुस गया।

उत्तरी हिस्से यानी सरगुजा संभाग में लगातार बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। मंगलवार को बलरामपुर के शंकरगढ़ में कोरवा जनजाति के मां-बेटे की उफनते नाले में बहने से मौत हो गई, जबकि दूसरी तरफ गेउर नदी में मछली मारने गए एक युवक की डूबने से जान चली गई। कोरबा जिले में भी एक घर का बरामदा और बाथरूम अचानक भरभराकर गिर गया। परिवार वालों की जान बाल-बाल बची। तापमान की बात करें तो बुधवार को 30.6°सी के साथ अम्बिकापुर सबसे गर्म रहा और 21.2°सी डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ पेंड्रा सबसे ठंडा रहा। 1 जून से 2 जुलाई तक प्रदेश में 188.6एमएम बारिश हो चुकी है। जबकि पूरे जून में नॉर्मली 215 एमएम बारिश रिकॉर्ड की जाती है।

श्री ज्वेलर्स गोलीकांड में 9 अपराधी गिरफ्तार

हजारीबाग, 3 जुलाई (एजेंसियां)। हजारीबाग पुलिस ने श्री ज्वेलर्स गोलीकांड में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस की विशेष टीम ने उत्तम यादव गिरोह के 9 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ये सभी किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहे थे। वहीं, पुलिस ने गिरफ्तार सभी आरोपियों से रोड मार्च कराया और उन्हें जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों में शक्ति गिरी, मनीष यादव, मुकेश कुमार सोनी, राहुल कुमार वर्मा, शुभम अग्रवाल, गोलू कुमार, रवि रोशन कुमार, नितिन कुमार और बादल कुमार सिंह शामिल हैं। शक्ति गिरी और मनीष यादव ने 22 जून को श्री ज्वेलर्स पर गोलीबारी की थी। पूछताछ में सभी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों से दो पिस्टल (9 एमएम और 7.65 एमएम) बरामद की हैं। इनके पास से चार जिंदा गोलियां और केएफ 8एमएम की तीन जिंदा गोलियां मिली हैं। एक ग्रैंड विटारा कार, एक पल्सर बाइक और कई मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं।

सारंडा में आईईडी ब्लास्ट में घायल हुआ जंगली हाथी

पिछले बाएं पैर में लगी गंभीर चोट, ड्रोन की मदद से तलाशा गया, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

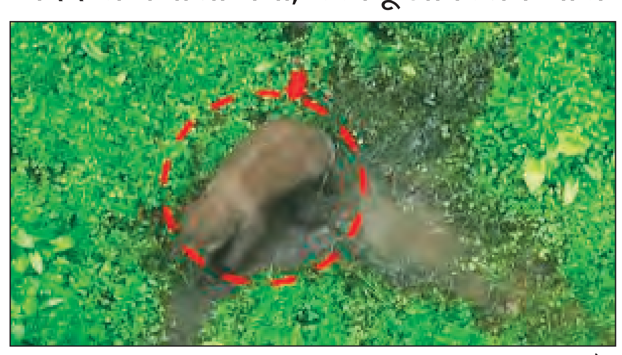

चाईबासा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी ब्लास्ट में एक जंगली हाथी गंभीर रूप से घायल हो गया है। यह हादसा जंगल के दीघा इलाके के पास हुआ। जहां एक हाथी के पिछले बाएं पैर में गंभीर चोट लगी है। वन विभाग ने ड्रोन की मदद से घायल हाथी की लोकेशन ट्रैक की है और उसकी निगरानी की जा रही है।

हाथी नाम गडरु बताया जा रहा है। वह करीब छह साल का है। उसे तलाशने में छह टीमें लगी है। जिसमें ओडिसा की वेटनरी डॉक्टर भी शामिल हैं।

घायल होने की घटना 24 जून के आसपास का बताया जा रहा है। अंतिम बार 27 जून को सारंडा जंगल के जिले के दिघा गांव में ड्रोन के जरिए देखा गया है।

ड्रोन से मिले फुटेज में हाथी के पैर में सूजन और खून के निशान साफ नजर आ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि हाथी को चलने-फिरने में दिक्कत हो रही है और वह काफी तकलीफ में है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की कई टीमें हाथी के रेस्क्यू ऑपरेशन में जुट गई हैं।

रेस्क्यू के लिए झारखंड और ओडिशा के विभिन्न वन क्षेत्रों से टीमें बुलायी गई हैं। अब तक हाथी को ट्रैक तो किया गया है, लेकिन उसका रेस्क्यू सफल नहीं हो सका है। जंगल का इलाका दुर्गम होने और हाथी के लगातार मूवमेंट के कारण टीमों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, घायल हाथी को ट्रैंकुलाइज कर इलाज देने की योजना है, ताकि उसकी जान बचाई जा सके। इसके लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम भी मंगाई जा रही है।

हाथी की स्थिति गंभीर बनी हुई है और समय पर इलाज जरूरी है। वहीं, इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि नक्सली गतिविधियों का दायरा केवल इंसानों तक सीमित नहीं रहा, अब वन्यजीव भी इसके शिकार हो रहे हैं।

स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस घटना पर चिंता जताई है और वन विभाग से हाथी को शीघ्र राहत दिलाने की मांग की है।

शिबू सोरेन की सेहत में लगातार हो रहा सुधार

सर गंगाराम अस्पताल में हैं भर्ती दिल्ली में मौजूद है पूरा सोरेन परिवार

रांची, 3 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन की हालत में सुधार हो रहा है। दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनके स्वास्थ्य पर लगातार नजर रख रही है। 81 वर्षीय शिबू सोरेन को पिछले दिनों बेहतर इलाज के लिए दिल्ली लाया गया था। वह पहले से डायबिटीज, किडनी और हृदय संबंधी बीमारियों से ग्रस्त हैं। ब्रेन स्ट्रोक और पैरालिसिस के चलते उनकी स्थिति गंभीर हो गई थी। अब उनमें सुधार के लक्षण सामने आ रहे हैं। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, उनकी स्थिति स्थिर है और धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और नेफ्रोलॉजी विशेषज्ञ उनकी देखरेख कर रहे हैं। विदेश से भी चिकित्सकीय परामर्श लिया जा रहा है। मालूम हो कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उनकी पत्नी कल्पना सोरेन, भाई बसंत सोरेन समेत परिवार के अन्य सदस्य दिल्ली में हैं। वे उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रहे हैं। विभिन्न स्थानों पर शिबू सोरेन के लिए दुआएं हो रही हैं। झामुमो के संरक्षक और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन की तबीयत अब स्थिर है।

मंडप-दुल्हन छोड़कर भागा महादेव-सट्टा का लाइजनर

ईडी रेड से पहले सौरभ फरार, शादी में बॉलीवुड कलाकारों की परफॉर्मेंस

रायपुर/जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर के आलीशान फेयर माउंट होटल में रायपुर ईडी की टीम ने छापेमारी की। होटल में महादेव बेटिंग ऐप के लाइजनर सौरभ आहूजा शादी कर रहा था, जिसमें बॉलीवुड कलाकार समेत सैकड़ों मेहमान जुटे थे। ईडी की रेड की भनक सौरभ को जैसे लगी, वह मंडप और दुल्हन को छोड़कर मौके से फरार हो गया।

मिली जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ के भिलाई से लगभग 100 खास मेहमान जयपुर पहुंचे थे। इनमें राइस मिलर्स, मेडिकल स्टोर संचालक, सराफा और ऑयल कारोबारी शामिल थे। हालांकि पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया, लेकिन सौरभ के खास प्रणवेंद्र समेत 3 साथियों को गिरफ्तार कर फ्लाइट से रायपुर लाया गया है। बताया जा रहा है कि ईडी ने सौरभ की शादी में आए मेहमानों से, दुल्हन और वर-वधू पक्ष से भी पूछताछ की, लेकिन कोई बड़ा खुलासा नहीं हो सका। हालांकि 12 से ज्यादा मोबाइल जब्त कर लिए गए हैं। डिजिटल डाटा खंगाला जा रहा है। एजेंसी का दावा है कि महादेव नेटवर्क से जुड़े कई चेहरे जल्द ही कानून के घेरे में आ सकते हैं।

ईडी के अधिकारियों ने बताया, कि सौरभ आहूजा की शादी के कार्यक्रम 29 जून से होटल में चल रहे थे। 29 जून को संगीत कार्यक्रम का आयोजन सौरभ और उसके साथियों द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम में बॉलीवुड के आर्टिस्टों ने परफॉर्मेंस दी थी।

30 जून को शादी कॉर्निवल शुरू हुआ, जिसमें पूल पार्टी और शराब पार्टी का आयोजन किया गया। 1 जुलाई को गुरुद्वारे में सौरभ और उसकी मंगेतर की शादी हुई। शादी के दौरान ईडी की रेड की जानकारी सौरभ आहूजा और उसके दोस्तों को मिली।

रेड की जानकारी मिलते ही आरोपी ने जल्दी शादी की और ईडी की टीम को चकमा देकर फरार हो गया। शादी में दुबई से भी आकर कुछ लोगों के शामिल होने का हल्ला है, लेकिन ईडी के अफसरों ने इसकी पुष्टि नहीं की है। ईडी की टीम को सौरभ आहूजा के फरार होने की जानकारी जैसे मिली, तत्काल सौरभ के 3 मददगारों को पकड़ लिया। इन्होंने सौरभ की शादी का पूरा इंतजार किया था। पूछताछ के लिए ईडी के अफसर प्रणवेंद्र समेत 2 मददगारों को लेकर रायपुर आई है। छत्तीसगढ़ के रायपुर की ईडी टीम को महादेव बेटिंग ऐप मामले के आरोपियों के फेयर माउंट होटल में रुके होने की सूचना मिली थी। इसी इनपुट के आधार पर ईडी की टीम ने होटल में दबिश देकर छापेमारी की। ईडी के अनुसार इस केस में वांटेड सौरभ आहूजा जयपुर में चोरी छिपे शादी कर रहा था।

पति-पत्नी के बीच विवाद में खूनी वारदात

शराबी पति ने टांगी से की पत्नी की हत्या, पलामू पुलिस ने किया गिरफ्तार

पलामू, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पलामू जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के महुआरी गांव में एक पति ने अपनी पत्नी की टांगी से हत्या कर दी।

आरोपी बसंत भुईयां शराब के नशे में घर पहुंचा था। पति-पत्नी के बीच पिछले तीन दिनों से विवाद चल रहा था।

घटना की सूचना मिलते ही नौडीहा बाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने इलाके में छापेमारी कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। मृतका के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी ने बताया कि पूछताछ में सामने आया है कि दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद में हत्या की घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

घटना की जानकारी मिलने पर मृतका के परिजन और रिश्तेदार भी मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, पति-पत्नी के बीच पिछले कुछ दिनों से तनाव चल रहा था।

भोगनाडीह में हुए बवाल पर जेएमएम का भाजपा पर हमला

झामुमो जिलाध्यक्ष ने बीजेपी पर लगाया साजिश का आरोप, टावर चौक पर फूंका पुतला

गिरिडीह, 3 जुलाई (एजेंसियां)। गिरिडीह में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने साहेबगंज के भोगनाडीह में हुल दिवस पर हुए बवाल को लेकर भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जेएमएम जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने बुधवार को प्रेसवार्ता में इस घटना को भाजपा की सोची-समझी साजिश बताया।

संजय सिंह ने कहा कि भोगनाडीह वह पावन स्थल है, जहां से सिद्धो-कान्हू ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ विद्रोह शुरू किया था। उन्होंने प्रशासन से इस घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। जिलाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हुल दिवस कार्यक्रम में अपने पिता गुरु जी की गंभीर बीमारी के कारण शामिल नहीं हो सके। वे उस समय दिल्ली में थे।

विरोध प्रदर्शन के दौरान सैकड़ों जेएमएम कार्यकर्ता संजय सिंह के नेतृत्व में टावर चौक तक पैदल मार्च किया। वहां भाजपा का पुतला दहन किया गया। कार्यकर्ताओं ने 'हुल दिवस के अपमान का बदला लेगा झारखंड' के नारे लगाए।

किसान की सड़क हादसे में मौत

रामगढ़, 3 जुलाई (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के मांडू आरा कांटा पंचायत सचिवालय के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। पिकअप वैन और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में बाइक सवार किसान की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान दनिया बस्ती निवासी गेन्दलाल यादव के रूप में हुई है। वह बांस की टोकरियां लेकर कुजू बाजार बेचने जा रहे थे। इसी दौरान कुजू की तरफ से आ रही तेज रफ्तार पिकअप वैन से उनकी बाइक की टक्कर हो गई।

बिजली का करंट लगने से छात्रा की मौत

कोरबा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। कोरबा शहर में एक कक्षा 6 की छात्रा की करंट लगने से मौत हो गई। यह घटना उस वक्त हुई जब वह स्कूल जाने की तैयारी कर रही थी। इसी दौरान छात्रा करंट की चपेट में आ गई। परिजन उसे तुरंत निजी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

यह घटना सर्वमंगला नगर स्थित बरेठ मोहल्ला की है। 12 साल की भूमि निषाद दुरपा के कर्म भारती स्कूल में कक्षा 6वीं की छात्रा थी। वो स्कूल जाने की तैयारी कर रही थी। बिस्तर साफ करने के बाद वह कमरे की लाइट बंद करने गई। स्विच दबाते ही वह करंट की चपेट में आ गई। उसकी चीख सुनकर परिजन दौड़े। किसी तरह उसे करंट से छुड़ाकर निजी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। भूमि के पिता गोपाल निषाद ने बताया कि वह रोज की तरह सुबह स्कूल के लिए उठी थी और बिस्तर ठीक करने के बाद लाइट बंद करने लगी, तभी यह हादसा हो गया। करंट लगते ही बच्ची जोर से चिल्लाई, जिसके बाद परिजन दौड़कर कमरे में पहुंचे और किसी तरह उसे करंट से अलग किया।

गोपाल निषाद ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण घर के बिजली बोर्ड में करंट आ रहा था, जिसकी जानकारी उन्हें नहीं थी। हादसे के बाद लाइन को तुरंत बंद कराया गया।

उन्होंने बताया कि उनकी बेटी भूमि पढ़ाई में बहुत होशियार थी और स्कूल जाने के लिए हर रोज समय से तैयार हो जाती थी।

इंडोनेशिया के बाली द्वीप के पास जहाज डूबा

65 लोगों को ले जा रहा था, 4 की मौत, 38 लापता, नौ बोट बचाव में जुटी

जकार्ता, 3 जुलाई (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के बाली रिसॉर्ट द्वीप के पास गुरुवार को 65 लोगों को ले जा रही एक जहाज के डूबने से 4 लोगों की मौत हो गई और 29 को बचा लिया गया है। जबकि 32 लोग अब भी लापता हैं।

केएमपी टुनु प्रतामा जया नामक ये जहाज पूर्वी जावा के केतापांग बंदरगाह से बाली के गिलिमानुक बंदरगाह जा रही थी, यह 50 किलोमीटर का सफर था।

रवाना होने के करीब 30 मिनट बाद यह डूब गई। जहाज पर करीब 53 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य सवार थे, साथ ही 22 वाहन भी थे, जिनमें कई ट्रक भी शामिल थे। स्थानीय पुलिस और जांच एजेंसी जहाज के डूबने के कारणों का पता कर रही है। सुरबाया बचाव एजेंसी ने गुरुवार को एक बयान में कहा- जहाज स्थानीय समयानुसार रात के लगभग 11 बजकर 20 मिनट पर डूबी। बचाव के लिए नौ बोट जिनमें टगबोट और इन्फ्लेटेबल जहाज शामिल हैं, सक्रिय रूप से लापता लोगों की तलाश कर रही हैं।

दो मीटर तक ऊंची लहरों के कारण बचाव दल को लोगों को ढूंढने में परेशानी हो रही है। राष्ट्रीय खोज और बचाव एजेंसी का कहना है कि जब तक सभी लापता लोगों का पता नहीं चल जाता, तब तक प्रयास जारी रहेंगे।

इंडोनेशिया के मालुकु में 3 जनवरी 2025 को एक स्पीडबोट 2 नोना डूब गई थी। यह बोट सेराम भागियन बारात से अम्बोन जा रही थी। रास्ते में यह एक तैरते लकड़ी के लट्ठे से टकरा गई, जिससे इसका पतवार टूट गया और यह डूब गई। बोट में 30 यात्री सवार थे, जिनमें से 8 की मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट मिडलटन के अधिकार बढ़े

रॉयल वारंट जारी करने की मिली शक्ति

लंदन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन के राजकुमार विलियम और राजकुमारी केट मिडलटन को राजा चार्ल्स ने नए अधिकार और शक्तियां दी हैं। किंग चार्ल्स ने दोनों को रॉयल वारंट जारी करने की शक्ति दी है। शाही परिवार को सामान की आपूर्ति करने वाली और सेवा देने वाली कंपनियों या व्यक्ति विशेष को यह सम्मान दिया जाता है। अभी तक प्रिंस विलियम और केट मिडलटन के पास यह शक्ति नहीं थी।

रॉयल परिवार की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, केट मिडलटन पहली राजकुमारी हैं, जिन्हें 115 साल के इतिहास में पहली बार रॉयल वारंट जारी करने की शक्ति मिली है। केट मिडलटन से पहले क्वीन मैरी के पास ये शक्ति थी। क्वीन मैरी के पति जॉर्ज पंचम 1910 में ब्रिटेन के राजा बने थे। साल 1980 में प्रिंस ऑफ वेल्स रहते हुए किंग चार्ल्स को यह अधिकार मिला था। हालांकि उनकी तत्कालीन पत्नी राजकुमारी डायना को यह अधिकार नहीं मिला था।

राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने पहुंचे मेटा सीईओ जुकरबर्ग को ओवल ऑफिस से निकाला, रिपोर्ट में दावा

वॉशिंगटन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को व्हाइट हाउस स्थित ओवल ऑफिस से निकाले जाने की खबर सामने आई है। अमेरिकी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। दरअसल जुकरबर्ग ओवल ऑफिस में चल रही शीर्ष सुरक्षा बैठक में पहुंच गए थे, जिसके बाद उन्हें बाहर इंतजार करने को कहा गया।

एनबीसी न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, मार्क जुकरबर्ग को राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात करनी थी, जिसके लिए वे व्हाइट हाउस पहुंचे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जुकरबर्ग ओवल ऑफिस पहुंच गए, जहां अमेरिकी सेना के शीर्ष अधिकारियों की अहम बैठक चल रही थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, सैन्य अधिकारियों की बैठक में अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के मुद्दे पर चर्चा हो रही थी। जब वहां जुकरबर्ग पहुंचे तो सैन्य अधिकारी असहज हो गए क्योंकि जुकरबर्ग के पास सिक्योरिटी क्लीयरेंस नहीं थी।

इसके बाद जुकरबर्ग को ओवल ऑफिस से बाहर जाने और इंतजार करने के लिए कहा गया। उसके बाद बैठक फिर शुरू हुई।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कई सैन्य अधिकारियों ने इस तरह से जुकरबर्ग के ओवल ऑफिस आने पर नाराजगी भी जाहिर की। हालांकि व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया और कहा कि मामले को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। सैन्य अधिकारियों की बैठक के बाद जुकरबर्ग की राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात हुई। मार्क जुकरबर्ग पूर्व में डेमोक्रेटिक पार्टी की अप्रवासी समर्थक नीति के पक्ष में थे, लेकिन राष्ट्रपति चुनाव के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे को समर्थन देना शुरू कर दिया। जब जनवरी में ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह हुआ था, तब भी जुकरबर्ग कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

भारत और पाकिस्तान के बीच तेज हुई पानी की जंग

हकीकत में बदलने वाला है शहबाज का डर, भारी पड़ गया इंडिया से पंगा

इस्लामाबाद, 3 जुलाई (एजेंसियां)। सिंधु जल संधि को स्थगित किए जाने के भारत के फैसले के बाद से ही पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। इसे बीच भारत ने एक और ऐसा फैसला किया है जो पाकिस्तान की नींद उड़ाने वाला है। भारत ने जम्मू-कश्मीर में तुलबुल नेविगेशन प्रोजेक्ट को फिर से पुनर्जीवित करने का फैसला किया है। अप्रैल में सिंधु जल संधि को स्थगित किए जाने के बाद यह भारत का पहला बड़ा कदम है। पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का काम शुरू हो गया है।

भारत ने यह फैसला लेकर साफ कर दिया है कि सिंधु जल संधि को स्थगित किए जाने का फैसला केवल दिखाने के लिए नहीं है, बल्कि पाकिस्तान के खिलाफ नई दिल्ली के पास पूरी प्लानिंग तैयार है। तुलबुल नेविगेशन प्रोजेक्ट को जम्मू और कश्मीर के सोपोर में झेलम नदी पर एक भंडारण सुविधा स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया था। इसे वुलर बैराज के नाम से भी जाना जाता है। इसे सर्दियों के महीने (अक्टूबर-फरवरी) के दौरान झेलम नहीं पर नेविगेशन की सुविधा के लिए इस्तेमाल किया जाना था, लेकिन सिंधु जल संधि का हवाला देते हुए पाकिस्तान ने इसे रोक दिया था।

पाकिस्तान की आपत्ति के बाद से साल 1987 में इस परियोजना पर काम रोक दिया गया था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल समझौते पर रोक लगाए जाने के बाद से ही एक्सपर्ट इसे शुरू करने पर जोर दे रहे थे। 4.5 फीट ड्राफ्ट के साथ तुलबुल परियोजना से श्रीनगर और बारामुला के बीच आवाजाही में भी मदद मिलेगी। परियोजना के अन्य लाभों में हाइड्रो पावर का उत्पादन, अंतरदेशीय परिवहन शामिल हैं। तुलबुल परियोजना पर चार दशक पहले 1984 में काम शुरू हुआ था। पाकिस्तान की आपत्तियों के बाद एक बार काम रोका गया। बाद में 1986 में फिर से काम शुरू हुआ, तो इस्लामाबाद ने सिंधु जल आयोग के समक्ष चिंता जताई। आखिरकार कई आपत्तियों के बाद भारत ने इस परियोजना को छोड़ दिया।

पाकिस्तान का कहना है कि तुलबुल परियोजना सिंधु जल समझौते द्वारा निर्धारित शर्तों का उल्लंघन है। वहीं, नई दिल्ली का कहना है कि उसे अपने भौगोलिक सीमाओं के भीतर प्राकृतिक संसाधनों के साथ कुछ भी करने का पूरा अधिकार है। इसके अलावा संधि ने नई दिल्ली को गैर-उपभोग उद्देश्यों के लिए नदियों के उपयोग का अधिकार दिया है। ऐसे में तुलबुल प्रोजेक्ट भारत के लक्ष्य के अनुरूप है, जिसे भारत हासिल करना चाहता है। भारत की योजना के बाद से ही पाकिस्तान को खौफ सताने लगा है। इसी सप्ताह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने देश में जल भंडारण की क्षमता को बढ़ाने पर जोर दिया है। इसे भारत के पानी रोकने के फैसले के डर के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, पाकिस्तान को डर सता रहा है कि अगर भारत ने पानी रोका तो उससे निपटने के लिए उसे क्या उपाय करना होगा।

रूस, ईरान, पाकिस्तान, म्यांमार पड़ोसियों को लड़वाकर सौदागर बना चीन

युद्ध की आग भड़काकर उठा रहा अरबों का फायदा

बीजिंग, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पड़ोसी देशों जब संघर्ष की आग में जलते हैं तो चीन उसका जमकर फायदा उठाता है। पिछले कुछ सालों में चीन युद्ध का सबसे बड़ा मुनाफाखोर के तौर पर सामने आया है। जब पड़ोसी देश लड़ते हैं तो चीन उसका सौदागर बन जाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर भारत-पाकिस्तान टकराव, और यमन से लेकर अफ्रीका तक के गृह युद्ध, हर मोर्चे पर चीनी हथियार दिखाई दे रहे हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) की हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि चीन ने पिछले कुछ सालों में 44 से ज्यादा देशों को सैन्य उपकरण भेजे हैं। इसे सिर्फ संयोग नहीं कहा जा सकता है कि चीन जिन देशों में हथियारों की सप्लाई कर रहा है वो या तो पहले से ही संघर्ष में फंसे रहते हैं या फिर बाद में संघर्ष में उलझ जाते हैं। ये चीन की रणनीतिक सोच का हिस्सा है कि वो संघर्ष का सौदागर बन गया है।

चीन ने 44 देशों को लड़ाकू विमानों से लेकर अलग अलग हथियारों की सप्लाई की है, जिनमें सबसे ज्यादा हथियार पाकिस्तान को बेचे गये हैं। एसआईपीआरआई की रिपोर्ट से पता चलता है कि चीन के सैन्य निर्यात का 63 प्रतिशत पाकिस्तान को गया है, जिसमें लड़ाकू विमान और मिसाइल से लेकर एयर डिफेंस सिस्टम और ड्रोन तक शामिल हैं। इन प्रणालियों का इस्तेमाल मई में भारत के साथ संघर्ष में किया गया था। हालांकि भारत पाकिस्तान संघर्ष ही एक मात्र युद्ध नहीं था, जिसमें चीनी हथियारों का इस्तेमाल किया गया है। रिपोर्ट से पता चलता है कि चीन की रणनीति देशों को संघर्ष में फंसाने और उन्हें हथियार बेचने की हो चुकी है। इसीलिए चीन अब ऐसे देशों और तत्वों को समर्थन दे रहा है, जो क्षेत्रीय अस्थिरता का कारण बन जाते हैं, जैसे पाकिस्तान, रूस या ईरान और ईरान समर्थक प्रॉक्सी संगठन। चीन और पाकिस्तान के बीच सैन्य गठजोड़ की गहराई का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 63% चीनी सैन्य निर्यात पाकिस्तान को जाता है। इनमें लड़ाकू विमान (जेएफ-17 थंडर), मिसाइलें, ड्रोन, एयर डिफेंस सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर टूल शामिल हैं।

बीजिंग को इससे दो फायदे हुए। एक तरफ उसका सबसे बड़ा रक्षा ग्राहक (पाकिस्तान) संतुष्ट हुआ, और दूसरी ओर भारत जैसे क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी को अप्रत्यक्ष रूप से चुनौती दी गई। यही नहीं, पाकिस्तान जैसे देशों को तकनीकी आत्मनिर्भरता न देकर चीन जानबूझकर उन्हें अपनी सैन्य निर्भरता के जाल में फंसा चुका है। आप सुनते होंगे कि पाकिस्तान में कई चीनी हथियार बनते हैं, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि वो सभी हथियार चीनी इंजीनियर ही बनाते हैं, पाकिस्तान के लोग ऐसी हथियार फैक्ट्री में सिर्फ मजदूरी करते हैं और तमाम इंजीनियर और टेक्निकल काम में लगे लोग चीनी हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध में भी चीन की भूमिका काफी खतरनाक है। हालांकि चीन ने सार्वजनिक रूप से युद्ध में हथियार भेजने से इनकार किया है, लेकिन ड्यूल-यूज सामान, जैसे कि मशीन टूल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल्स की वो लगातार रूस को आपूर्ति कर रहा है, जिससे रूस को अपने सैन्य उत्पादन को बनाए रखने में मदद मिल रही है। इसके अलावा, चीनी ड्रोन और अन्य डिफेंस प्रोडक्ट्स रूसी फौज के जरिए युद्ध मैदान में प्रयोग किए जा रहे हैं।

तक्षशिला संस्थान की शोध रिपोर्ट से पता चलता है कि रूस के 90% उच्च प्राथमिकता वाले सैन्य सामान चीन से खरीदे जा रहे हैं, जिससे यह साफ होता है कि बीजिंग ने यूक्रेन युद्ध को एक मौके के तौर पर इस्तेमाल किया है। चीन ऐसे युद्ध में, जहां वो प्रत्यक्ष तौर पर भागीदार नहीं बन सकता है, वहां वो अप्रत्यक्ष तौर पर अपनी भूमिका निभाकर उसका फायदा उठा रहा है।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष लेयेन की बढ़ीं मुश्किलें

सांसदों ने पेश किया अविश्वास प्रस्ताव, 10 जुलाई को मतदान

ब्रुसेल्स, 3 जुलाई (एजेंसियां)। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लेयेन के खिलाफ दक्षिणपंथी यूरोपीय सांसदों ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। इस प्रस्ताव पर 10 जुलाई को मतदान होगा। हालांकि अविश्वास प्रस्ताव के असफल होने की संभावना है।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन पर कोविड टीकों की खरीद मामले और रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप करने के आरोप लगे हैं। इसके बाद लेयेन के खिलाफ यूरोपीय सांसदों ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। इस प्रस्ताव पर मतदान की तिथि तय करने के लिए जरूरी कम से कम 72 सांसदों के हस्ताक्षर हो चुके हैं। अब सांसद सोमवार को स्ट्रासबर्ग में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस करेंगे। अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले रोमानिया एमईपी घेरघे पिपेरिया ने कोविड के दौरान फाइजर की सीईओ अल्बर्ट बौर्ला के साथ चैट को लेकर वॉन डेर लेयेन की पारदर्शिता की कमी की आलोचना की। पिपेरिया ने यूरोपीय आयोग पर रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप करने का भी आरोप लगाया।

हालांकि लेयेन के अविश्वास प्रस्ताव हारने की संभावना कम हैं। क्योंकि पिपेरिया की अपनी ही पार्टी ईसीआर ने पहले ही अविश्वास प्रस्ताव से खुद को अलग कर लिया है। पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि यह हमारी पहल नहीं है। प्रस्ताव को पारित कराने के लिए पूर्ण बहुमत यानि 720 में 361 वोटों की जरूरत होगी। 2024 में उर्सुला वॉन डेर लेयेन यूरोपीय आयोग की दूसरी बार अध्यक्ष बनीं थीं। साल 2021 में यूरोपीय संसद के कुछ सदस्यों ने यूरोपीय आयोग से कोविड टीकों को लेकर समझौतों का पूरा विवरण मांगा था, लेकिन आयोग केवल कुछ अनुबंधों और दस्तावेजों तक आंशिक पहुंच प्रदान करने के लिए सहमत हुआ, जिन्हें संशोधित संस्करणों में ऑनलाइन रखा गया था। इसने यह बताने से भी इनकार कर दिया कि उसने अरबों खुराकों के लिए कितना भुगतान किया, यह तर्क देते हुए कि गोपनीयता कारणों से अनुबंधों को संरक्षित किया गया था। इस पर यूरोपीय संघ की अदालत ने भी कहा था कि यूरोपीय आयोग ने महामारी के दौरान दवा कंपनियों के साथ किए गए कोविड-19 वैक्सीन खरीद समझौते के बारे में जनता को पर्याप्त जानकारी नहीं दी।

यूक्रेन के साथ जंग में फंसे पुतिन के लिए तानाशाह किम जोंग उन का बड़ा फैसला

30000 अतिरिक्त सैनिक भेजेगा उत्तर कोरिया

मॉस्को, 3 जुलाई (एजेंसियां)। यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझे रूस को उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने बड़ी मदद भेजने का फैसला किया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरिया ने पुतिन की खातिर लड़ने के लिए 30,000 अतिरिक्त सैनिक भेजेगा। सीएनएन ने यूक्रेनी खुफिया दस्तावेजों के हवाले से बताया है कि ये सैनिक नवम्बर तक रूस पहुंच सकते हैं। इन्हें रूसी टुकड़ी को मजबूती देने के लिए भेजा जा रहा है, जिसमें बड़े पैमाने पर आक्रामक सैन्य अभियान भी शामिल हैं। इसक साथ ही सैटेलाइट से हासिल तस्वीरों में रूस की तैयारियों के संकेत मिले हैं।

सैटेलाइट तस्वीरों में उत्तर कोरियाई तैनाती के लिए पहले इस्तेमाल किए गए जहाजों को रूसी बंदरगाहों में देखा गया और कार्गो विमानों के उड़ान पैटर्न से पता चला कि सैनिकों को रूस लाने वाले मार्ग सक्रिय थे। उत्तर कोरिया ने पिछले साल 11,000 सैनिकों को रूस की तरफ से लड़ने के लिए भेजा था। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अप्रैल में उनकी मौजूदगी की पुष्टि की थी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब अमेरिका ने यूक्रेन को वायु रक्षा मिसाइलों की खेप रोकने का फैसला किया है।

रूस और यूक्रेन लंबी लड़ाई के बाद अब शांति की दिशा में कदम उठा रहे हैं। दो दौर की बातचीत लगभग सफल रही और अब क्रेमलिन को उम्मीद है कि रूस-यूक्रेन वार्ता के तीसरे दौर की तारीख जल्द तय हो सकती है।

तुर्की से बचा लो, भारत के 2 दोस्तों के लिए अब बड़ा खतरा बने खलीफा एर्दोगन

अमेरिका की शरण में सरकार, लगाई गुहार

काहिरा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। इस्लामिक दुनिया का खलीफा बनने का सपना देख रहे तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन की नापाक चाल से अब पड़ोसी देश टेंशन में आ गए हैं। अफ्रीकी देश मिस्र ने अमेरिका से हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई है। मिस्र ने अमेरिका से कहा है कि वह लीबिया की पूर्वी इलाके की संसद को तुर्की के साथ समुद्री डील को मंजूरी देने से रोके। मिस्र ने चेतावनी दी है कि अगर इस डील को मंजूरी मिलती है तो इससे भूमध्य सागर में तनाव भड़क सकता है। वह भी तब जब इस इलाके में गाजा और सूडान युद्ध चल रहा है। इस डील को पहले साल 2019 में लीबिया की प्रतिद्वंदी पश्चिमी सरकार ने किया था लेकिन पूर्वी सरकार की संसद इसे मंजूरी देना चाहती है।

मिडिल ईस्ट आई की रिपोर्ट के मुताबिक मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलाट्टी ने इस पूरे मुद्दे को अमेरिका के अफ्रीका के लिए वरिष्ठ एडवाइजर मसाद बोउलोस के साथ उठाया है।

मिस्र के विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका की ओर से आश्वासन मिला है कि वह पूर्वी लीबिया के शासक खलीफा हफ्तार से इस मुद्दे पर बातचीत करेगा। पूर्वी लीबिया की संसद अगर इसे मंजूरी देती है तो तुर्की का पूर्वी भूमध्य सागर के एक बड़े विशेष आर्थिक क्षेत्र पर कब्जा हो जाएगा। लीबिया की पूर्वी संसद तोबरुक में है जो खलीफा हफ्तार के कब्जे में है। खलीफा हफ्तार को साल 2011 से ही यूएई, अमेरिका, मिस्र, फ्रांस और रूस से समय-समय पर समर्थन मिलता रहा है। 81 साल के लीबियाई अमेरिकी नागरिक हफ्तार ने पूर्वी लीबिया के एक बड़े इलाके पर कब्जा कर लिया था। साल 2019 में हफ्तार ने लीबिया में संयुक्त राष्ट्र की मान्यता वाली सरकार को गिराने की कोशिश लेकिन वह फेल रहे। उस समय संयुक्त राष्ट्र के मान्यता वाली सरकार को तुर्की का पूरा सपोर्ट था और उसने अंकारा के साथ एक समुद्री डील की थी जिसका भारत के एक अन्य दोस्त ग्रीस और अन्य देशों ने कड़ा विरोध किया था।

लीबिया की पूर्वी संसद ने शुरू में तुर्की के साथ इस डील का विरोध किया था लेकिन हाल के महीनों में ग्रीस और मिस्र के काफी मनाने के बाद भी हफ्तार अब तुर्की के साथ डील को मंजूरी देने जा रहे हैं।

फ्लाइट के कॉकपिट में संबंध बनाते हैं पायलट और क्रू मेंबर

वॉशिंगटन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। हजारों फीट की ऊंचाई पर उड़ान भरने वाले हवाई जहाज में पायलट से लेकर फ्लाइट अटेंडेंट तक के लिए नियम बहुत सख्त होते हैं। पैसेंजर फ्लाइट में शारीरिक संबंध बनाने के बारे में यह नियम और भी सख्त होते हैं। इसके बावजूद फ्लाइट के अंदर ही क्रू मेंबर्स शारीरिक संबंध बनाते हैं। हैरान करने वाली बात ये है कि कॉकपिट जैसी जगह में ये काम होता है। एक एयर होस्टेस ने यह चौंकाने वाला खुलासा किया है। उसने दावा किया कि कैप्टन और केबिन क्रू के सदस्य 30000 फुट की ऊंचाई पर कॉकपिट में सामूहिक संबंध बनाते हैं।

फ्लाइट में शारीरिक संबंध को माइल हाई कहा जाता है। सीनियर एयर होस्टेस सिएरा मिस्ट ने एक चौंका देने वाले वीडियो में बताया कि जब यात्री सीटों पर आराम कर रहे होते हैं, उसी दौरान कैसे पायलट और फ्लाइट अटेंडेंट माइल हाई क्लब में शामिल होते हैं। एनएफएफडब्ल्यू ने बताया कि इसलिए, फ्लाइट डेक में कम से कम दो पायलट होते हैं और उड़ान के दौरान हर समय फ्लाइट डेक में कम से कम दो लोग होने चाहिए।

मिस्ट ने नियमों के बारे में बताया कि अगर पायलट को भूख या पेशाब लगती है तो उसे फ्लाइट डेक से बाहर आना पड़ता है। इस दौरान उसकी जगह पर फ्लाइट अटेंडेंट को आना पड़ता है। इस तरह से माइल हाई क्लब की योजनाएं शुरू होती हैं। हालांकि, कई एयर होस्टेस फ्लाइट में शारीरिक संबंध बनाने को बेहद घिनौना मानती हैं, लेकिन मिस्ट ऐसा नहीं सोचती हैं। उन्होंने तो यहां तक कहा कि एक या दो शिफ्ट के दौरान उन्होंने खुद इसका आनंद लिया है।

हालांकि, मिस्ट फ्लाइट के दौरान इस तरह के संबंध के लिए कुछ खास बातों को ध्यान में रखने की बात कहती हैं। उन्होंने कहा, सबसे पहले आप सुनिश्चित करें कि ऐसे क्रू के साथ काम करें, जिस पर आप भरोसा कर सकें, जो आपकी इस योजना के बारे में भी जानते हों। नंबर 2, आप ऐसी फ्लाइट चुनें जिसके बारे में आपको पता हो कि उसका रूट आम तौर पर आसान होता है।

दिल्ली से वॉशिंगटन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट में तकनीकी खराबी

वियना में रोकने के बाद की गई रद्द

वॉशिंगटन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली से वॉशिंगटन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। वियना में ईंधन भरने के लिए फ्लाइट के ठहराव के बाद खराबी का पता चला। इसके बाद फ्लाइट को रद्द कर दिया। एयरलाइन ने विमान से वॉशिंगटन के लिए यात्रा कर रहे यात्रियों को वियना में उतारकर वैकल्पिक सुविधा के जरिये यात्रा कराई गई। साथ ही पूर्ण धनवापसी की पेशकश की गई। इसके अलावा एअर इंडिया की वॉशिंगटन डीसी से वियना के रास्ते नई दिल्ली आने वाली फ्लाइट को भी रद्द कर दिया गया।

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि दो जुलाई को नई दिल्ली से वॉशिंगटन डीसी जा रहे विमान संख्या एआई103 को वियना में ईंधन भरने के लिए रोका गया था। ईंधन भरने के दौरान नियमित जांच के वक्त विमान तकनीकी खराबी का पता लगा। इस खराबी को ठीक करने के लिए अतिरिक्त समय की जरूरत थी। इसके कारण विमान की वियना से वाशिंगटन डीसी तक की यात्रा रद्द कर दी गई और यात्रियों को उतार दिया गया।

वीजा-मुक्त प्रवेश के लिए पात्र यात्रियों या वैध शेंगेन वीजा वाले यात्रियों को अगली उपलब्ध उड़ान तक वियना में होटल में रहने की सुविधा प्रदान की गई। जबकि प्रवेश की अनुमति के बिना वाले यात्रियों के लिए ऑस्ट्रियाई अधिकारियों की ओर से आव्रजन और सुरक्षा मंजूरी मिलने तक रहने की व्यवस्था की जा रही है।

इसके बाद वॉशिंगटन डीसी से वियना होते हुए दिल्ली जाने वाली उड़ान एआई104 भी रद्द कर दी गई और प्रभावित यात्रियों को दिल्ली के लिए वैकल्पिक उड़ानों में बुक किया गया। साथ ही उनकी प्राथमिकताओं के आधार पर पूरा रिफंड दिया गया। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि असुविधा के लिए गहरा खेद है और वह सभी यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह निर्णय उड़ान से पहले सुरक्षा जांच पहल के तहत लिया गया था।

ब्रिटेन की संसद में आंसू बहाती दिखीं वित्त मंत्री रीव्ज

लंदन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन की वित्त मंत्री रेचल रीव्ज बुधवार को संसद में रो पड़ीं। तब ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर विपक्ष के सवालों का जवाब दे रहे थे। रीव्ज के रोने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कई लोगों ने उन्हें कमजोर बताया और उनकी आलोचना की। रीव्ज के रोने का नुकसान ब्रिटिश मार्केट पर तुरंत दिखा। पाउंड की कीमत डॉलर के मुकाबले 1% गिर गई। दरअसल, निवेशकों ने समझा कि चांसलर की कुर्सी खतरे में है। अक्टूबर 2022 के बाद यह पहली बार हुआ जब पाउंड में इतनी गिरावट हुई। उस वक्त प्रधानमंत्री लिज ट्रस के मिनी-बजट ने बाजार में जबरदस्त उथल-पुथल मचा दी थी और उसका नतीजा यह हुआ था कि ट्रस को अपने पद से हटना पड़ा था।

इस बीच पीएम स्टार्मर ने रीव्ज का बचाव किया। उन्होंने कहा कि रीव्ज के आंसुओं का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है और उन्होंने भरोसा दिलाया कि रीव्ज आने वाले कई सालों तक चांसलर बनी रहेंगी। वित्त मंत्री के रोने के पीछे क्या वजह थी, इसे लेकर कई तरह की बातें सामने आई। कुछ लोगों ने कहा कि विपक्ष के तीखे सवालों ने उन्हें रुला दिया। हालांकि, उनके प्रवक्ता ने कहा कि यह उनका निजी मामला था।

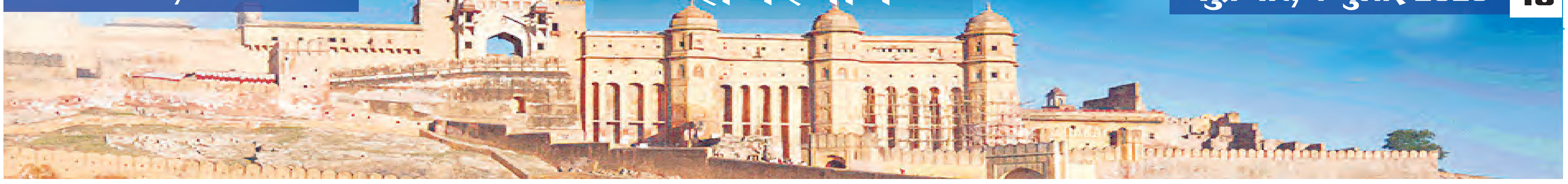

सीकर-नीमकाथाना के बाद इन तहसीलों पर मंडराया संकट
भजनलाल सरकार का क्या होगा फैसला ?

सीकर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पिछली सरकार के फैसलों पर समीक्षा लगातार शेखावाटी के लोगों की चिन्ता बढ़ा रही है। इस वजह से पहले सीकर संभाग व नीमकाथाना से जिले का दर्जा छिन गया। अब सरकार ने उपखंड अधिकारी व तहसील कार्यालय के पुनर्गठन की समीक्षा शुरू कर दी है। समीक्षा के बाद सरकार फैसला लेगी। सरकार ने इसके संदर्भ में वर्ष 2007 में निर्धारित जिस गाईडलाईन का हवाला दिया है, वो अगर हूबहू लागू होती है तो जिले में नवगठित नेछवा, रींगस तथा रामगढ़-शेखावाटी से तहसील का दर्जा छिन सकता है। इस बारे में सरकार की राज्य प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन सलाहकार समिति के सचिव राजनारायण शर्मा ने जिला कलक्टर से 3 जुलाई तक अंतिम रिपोर्ट मांगी है।

तय मानदण्ड के आधार पर मांगी रिपोर्ट

राज्य प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन सलाहकार समिति के सचिव राजनारायण शर्मा की ओर से 25 जून को जिला कलक्टर को इस मामले में पत्र भेजा गया। इसमें बताया कि राजस्व मण्डल अजमेर की ओर से 19 अप्रेल 2007 को राजस्व इकाईयों (तहसील तथा उपतहसील) के सृजन तथा पुनर्गठन के लिए मानदण्ड निर्धारित किए थे। इसके अनुसार तहसील के लिए 30 पटवार मण्डल जबकि उपतहसील के लिए 15 पटवार मण्डल होने आवश्यक है।

कम पटवार मंडल, इसलिए चिन्ता

नेछवा तहसील में 15, रींगस में 16 जबकि रामगढ़-शेखावाटी में 13 पटवार मण्डल ही है। पत्र में जिला कलक्टर से इन तहसीलों को मूल इकाई (पूर्व में जिन तहसील इकाईयों में शामिल थी) में विलय किए जाने के बारे में टिप्पणी सहित रिपोर्ट 3 जुलाई तक मांगी है। इस रिपोर्ट के बाद अगर वर्ष 2007 के मानदण्डों को आधार बनाकर कार्यवाही की गई, तो जिले की नेछवा, रींगस तथा रामगढ़-शेखावाटी से तहसील का दर्जा छिनना लगभग तय है।

सीकर और नीमकाथाना में आंदोलन जारी

सीकर संभाग व नीमकाथाना को जिला बनाने की मांग को लेकर पिछले तीन महीने से आंदोलन जारी है। सीकर संभाग के मामले में जारी आंदोलन को अधिवक्ताओं के अलावा कई संगठन भी समर्थन दे चुके हैं। इस मामले में सीकर व नीमकाथाना जिला दो बार बंद भी रह चुके हैं। सूत्रों की माने तो सीकर संभाग के मामले में सरकार स्तर पर कवायद जारी है। नीमकाथाना को फिर से जिला बनाने को लेकर अभी सरकार के स्तर पर कोई महत्वाकांक्षी योजना नजर नहीं आ रही है।

यह जनविरोधी निर्णय है, जनता सबक सिखाएगी

राज्य सरकार एक ओर तो राज्य में छोटी-छोटी ग्राम पंचायतों व पंचायत समितियों का गठन कर रही है, दूसरी ओर कांग्रेस सरकार की ओर से आमजन की सुविधा के लिए बनाई गई तहसीलों व उपखंड कार्यालयों को पुनर्गठन व समीक्षा के नाम पर खत्म करने में जुटी है। यह पूर्णतया जनविरोधी निर्णय है। इसको जनता कैसे स्वीकार करेगी। जनता की कोई राय इनके लिए मायने नहीं रखती है।

गृह राज्यमंत्री का बेनीवाल पर तीखा पलटवार
बोले- मर्यादित भाषा का प्रयोग करना सीखें

जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश के गृह राज्यमंत्री जवाहरसिंह बेढम ने नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल पर तीखा हमला बोला है। बेढम ने कहा कि हनुमान बेनीवाल अब लगातार अनर्गल और अमर्यादित टिप्पणियां करने के आदी हो गए हैं, जो एक जिम्मेदार जनप्रतिनिधि को शोभा नहीं देतीं।

भरतपुर दौरे के दौरान बेनीवाल के विवादित बयान को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री बेढम ने कहा कि भरतपुर की धरती महाराजा सूरजमल जैसे महान योद्धा की भूमि है।

वहां कम भीड़ देखकर बेनीवाल अपना मानसिक संतुलन खो बैठे और मुख्यमंत्री तथा मेरे खिलाफ जिन शब्दों का इस्तेमाल किया, वह निंदनीय है। उन्होंने कहा कि बेनीवाल की यह हताशा हाल ही में हुए उपचुनाव में उनके प्रत्याशी की हार के कारण है। जनता ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकास और दूरदर्शी नेतृत्व को स्वीकार किया, इसी कारण उपचुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद से बेनीवाल बौखलाहट में हैं।

गृह राज्यमंत्री ने सांसद बेनीवाल को संसदीय भाषा और आचरण की याद दिलाते हुए कहा कि वे दो बार के सांसद हैं, विधायक रहे हैं और उनके पिता व भाई भी विधायक रह चुके हैं। ऐसे में उन्हें जिम्मेदारी के साथ उचित मंच पर मर्यादित भाषा में बात करनी चाहिए। राजस्थान के इतिहास पर बेनीवाल द्वारा कथित टिप्पणी पर नाराजगी जताते हुए बेढम बोले कि अगर वे कहते हैं कि राजस्थान का कोई इतिहास नहीं रहा, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। लगता है उन्होंने महाराणा प्रताप, पन्नाधाय और महाराजा सूरजमल जैसे महान नायकों को पढ़ा ही नहीं। यह भूमि वीरता, त्याग और बलिदान की प्रतीक रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान को विकास की दिशा में नंबर वन बनाने के लिए मुख्यमंत्री दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। अब तक के इतिहास में पहली बार विकास योजनाओं के लिए इतना बड़ा बजट आवंटित हुआ है। यह सरकार के मजबूत संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने बेनीवाल को सलाह दी कि उन्हें नकारात्मकता छोड़कर सकारात्मक राजनीति करनी चाहिए।

हनुमान बेनीवाल के घर की बिजली कटी
11 लाख से ज्यादा बकाया बिल के चलते डिस्कॉम ने की कार्रवाई

जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल का नागौर स्थित आवास अंधेरे में डूब गया है। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने 11 लाख रुपये से अधिक के बकाया बिल के चलते उनके घर बिजली का कनेक्शन काट दिया है। इसी परिसर में आरएलपी का पार्टी कार्यालय भी संचालित होता है, जो फिलहाल बंद पड़ा है। डिस्कॉम अधिकारियों के अनुसार यह बिजली कनेक्शन प्रेमसुख बेनीवाल (हनुमान बेनीवाल के भाई) के नाम पर था। इस पर 10 लाख 75 हजार रुपये से अधिक की बकाया राशि दर्ज थी। विभाग की ओर से 6 बार नोटिस जारी किए गए, मीटर बदलवाने और सैटलमेंट के भी निर्देश दिए गए लेकिन भुगतान नहीं हुआ। आखिरकार विभाग ने कार्रवाई करते हुए बिजली आपूर्ति बंद कर दी। 8 नवंबर 2024 को भी एवीवीएनएल ने दो चेतावनी नोटिस जारी किए थे। पहला नोटिस प्रेमसुख बेनीवाल के नाम पर था, जिसमें खाता संख्या 1521-0249 पर 9.82 लाख रुपये बकाया दर्शाया गया था।

गरीबी मुक्त योजना में 5 हजार गांवों का चयन
हर बीपीएल परिवार को मिलेंगे 1 लाख रुपये

जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के तहत सरकार ने 300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। योजना के पहले चरण में प्रदेश के 5 हजार गांवों का चयन कर लिया गया है। इसमें बीपीएल परिवारों को गरीबी से ऊपर उठाने के लिए 1 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अलावा गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके परिवारों को भी प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

बीपीएल श्रेणी से बाहर आ चुके एपीएल परिवारों को भी इस योजना में प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इन परिवारों की सूची तैयार की जा रही है। ऐसे परिवार जो अपने प्रयासों से गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके हैं, उन्हें सम्मान स्वरूप 21 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े में ऐसे परिवारों के बैंक खातों का सत्यापन किया जा रहा है। ऐसे 22400 परिवारों के खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रोत्साहन राशि हस्तान्तरित की जाएगी। अब तक 17 हजार 891 परिवारों के बैंक खातों का सत्यापन किया जा चुका है। राज्य सरकार द्वारा इन परिवारों को प्रोत्साहन स्वरूप आत्मनिर्भर परिवार कार्ड भी प्रदान किया जाएगा।

अब तक 61 हजार 442 परिवारों के आवेदन प्राप्त किए जा चुके हैं। पहले चरण में 30,631 बीपीएल परिवार चिन्हित योजना के पहले चरण में राज्य के 5002 गांवों में कुल 30,631 बीपीएल परिवारों को चिन्हित किया गया है। चिन्हित समस्त परिवारों का भौतिक सर्वे पूर्ण कर लिया गया है तथा इनका बीपीएल जनगणना 2002 के आंकड़ों से मिलान कर वेब पोर्टल पर सर्वे इन्द्राज कर दिया गया है।

सीएम भजनलाल शर्मा को हटाने के लिए हो रहा है षड्यंत्र ? : सीपी जोशी

उदयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और चित्तौड़गढ़ से सांसद सीपी जोशी उदयपुर के दौरे पर रहे। इस दौरान उदयपुर जिला परिषद में आयोजित एक बैठक में उन्होंने भाग लिया। इसके बाद मीडिया से बातचीत करते हुए सीपी जोशी ने कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयानों को लेकर जवाब दिया। जब मीडिया ने सीपी जोशी से पूछा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कह रहे हैं कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के खिलाफ षड्यंत्र हो रहा है। इस सवाल पर जवाब देते हुए सीपी जोशी ने कहा कि इस तरह की षड्यंत्र कांग्रेस पार्टी में होते हैं।

चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयानों पर जवाब देते हुए कहा कि इस तरह की षड्यंत्र कांग्रेस पार्टी में होते हैं, जहां एक दूसरे को निकम्मा, नालायक कहते हैं। सीपी जोशी ने कहा कांग्रेस में एक दूसरे के प्रति कुर्सी की लड़ाई होती है। जोशी ने कहा कि कोविड के दौरान जब संकट के समय सेवा का मौका था तब सरकार सेवन स्टार होटल में थी। सभी लोग आराम फरमा रहे थे। इस दौरान कोई कुर्सी छोड़ना नहीं चाह रहा था। सीपी जोशी ने कहा कि अशोक गहलोत वरिष्ठ नेता हैं, उनसे मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि उन्हें अपनी पार्टी और परिवार की चिंता करनी चाहिए। जिस पार्टी की सरकार को पांच साल तक जनता ने भुगतने का काम किया है। जोशी ने कहा कि हमारी पार्टी अनुशासित पार्टी है। यहां सभी निर्णय सोच समझकर होते हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस में सचिन पायलट और अशोक गहलोत कौन सा कांटा निकालने के लिए एक हो रहे हैं। यह मैं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से पूछना चाहता हूं।

सीपी जोशी ने कहा कि आज उदयपुर का जिला परिषद सभागार में दिशा कमेटी के बैठक थी, जिसमें उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया मौजूद रहे। केंद्र सरकार की जो योजनाएं चल रहे हैं, उनकी निगरानी और उनके समन्वय को लेकर विचार किया गया।

ट्रक-ट्रेलर की टक्कर के बाद लगी आग में ड्राइवर और खलासी की मौत

जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर-अजमेर नेशनल हाईवे-48 पर दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। दूदू थाना क्षेत्र स्थित एक पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार ट्रक और ट्रेलर के बीच हुई भीषण टक्कर के बाद ट्रक में आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में ट्रक सवार ड्राइवर और खलासी की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 4 बजे हुआ, जब सीमेंट से लदा ट्रेलर अलवर के खुशखेड़ा की ओर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से तेज गति में आ रहा ट्रक अनियंत्रित होकर ट्रेलर में जा घुसा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक के केबिन में आग लग गई और कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा की छापेमारी
सरूपगंज की फैक्ट्री में मिला करोड़ों का नकली बायोडीजल

सिरोही, 3 जुलाई (एजेंसियां)। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल ने सरूपगंज स्थित एक बायोडीजल फैक्ट्री पर दबिश देकर बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान इकाई परिसर में भारी मात्रा में नकली बायोडीजल मिला है। आवश्यक कारवाई के बाद इसे सारा डीजल जब्त कर लिया गया है। कार्रवाई के दौरान टैक्स चोरी से जुड़ी विभिन्न प्रकार की अनियमितताएं सामने आई हैं। इस मामले में अग्रिम कार्रवाई जारी है। उधर, अचानक की गई इस कारवाई से हड़कंप मच गया है।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा अचानक सरूपगंज के रीको औद्योगिक क्षेत्र स्थित कोटियार्क इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड पर दबिश दी। इस दौरान वहां भारी मात्रा नकली बायोडीजल मिला। इसे डीजल बताकर बाजार में बेचा जा रहा था। आवश्यक कार्रवाई के बाद नकली बायोडीजल को जब्त कर लिया गया है। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दस्तावेज जब्त करने और विस्तृत जांच के निर्देश दिए। फैक्ट्री बिना उचित लाइसेंस और गुणवत्ता प्रमाणन के बायोडीजल का निर्माण कर रही थी। जिसे बाजार में डीजल बताकर बेचा जा रहा था। इस दौरान उनका कहना ताज कि इकाई से जुड़ा एक व्यक्ति अकेले 307 करोड़ रुपये का घोटाला कर चुका है। ऐसे करीब एक दर्जन से ज्यादा इकाईयां इस पूरे नेटवर्क में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक फैक्ट्री का मामला नहीं, बल्कि पूरे राज्य में चल रहे बड़े रैकेट की एक कड़ी हो सकती है।

पर्यावरणीय नियमों की भी नहीं की जा रही थी पालना

कार्रवाई के दौरान सामने आया कि इकाई में पर्यावरणीय नियम की भी पूरी तरह से अवहेलना की जा रही थी। टैक्स का भी भुगतान नहीं किया जा रहा था। इससे सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा था।

लोगों के साथ धोखा नहीं किया जाएगा सहन

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि प्रदेश में किसानों और आम लोगों के साथ किसी भी प्रकार का धोखा सहन नहीं किया जाएगा। घटिया बायोडीजल के कारण किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। हम लगातार ऐसी फैक्ट्रियों पर कार्रवाई करते रहेंगे। वर्तमान में उद्योग विभाग, वाणिज्यिक कर विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को संयुक्त रूप से जांच के आदेश दिए गए हैं। आने वाले दिनों में इसी तरह की अन्य संदिग्ध फैक्ट्रियों पर भी छापेमारी की जाएगी।

फिल्मी स्टाइल में 90 लाख की लूट, ज्वेलर्स कर्मचारी से चाकू की नोंक पर छीने गहने

कोटा, 3 जुलाई (एजेंसियां)। कोटा शहर के सबसे व्यस्तम इन्द्रा मार्केट में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। जहां बदमाशों ने 900 ग्राम सोना लूट लिया। जानकारी के अनुसार, इन्द्रा मार्केट स्थित एक ज्वेलर्स की दुकान का कर्मचारी स्कूटी की डिग्गी में 900 ग्राम सोना रखकर उसे दूसरे व्यापारी को देने जा रहा था। बता दें कि इसी दौरान मोहन टॉकिज रोड पर दो बाइक पर सवार चार बदमाशों ने उसे रोका और चाकू की नोंक पर स्कूटी छीनकर फरार हो गए। फरियादी कुलदीप सोनी ने कैथूनीपोल थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। 900 ग्राम सोने की कीमत 90 लाख रुपए बताई जा रही है।

नए डीजीपी बने राजीव शर्मा, ओबीसी कार्ड से सरकार ने साधे कई समीकरण

जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस को नया मुखिया मिल गया है। 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी राजीव शर्मा को राज्य का अगला पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया है। गुरुवार, 3 जुलाई 2025 को शाम 5 बजे पुलिस मुख्यालय में राजीव शर्मा औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण करेंगे।

बताते चलें कि राजीव शर्मा की नियुक्ति को न केवल प्रशासनिक, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि शर्मा अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय से आते हैं। इस नियुक्ति के जरिए सरकार ने एक बार फिर सामाजिक समीकरणों को साधने की रणनीति अपनाई है।

राजस्थान में डीजीपी के चयन के लिए केंद्रीय लोक सेवा आयोग ने सात वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के नामों का पैनल तैयार किया था। इस पैनल में से तीन नामों की अंतिम सूची राजस्थान सरकार को भेजी गई, जिसमें राजीव शर्मा का नाम सबसे ऊपर था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उनके नाम पर अंतिम मुहर लगाई।

राजीव शर्मा की कार्यप्रणाली, पुलिसिंग में अनुभव, व्यवहार और नेतृत्व क्षमता उनके चयन के पक्ष में रही। उनके लंबे करियर में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने का रिकॉर्ड रहा है।

राजीव शर्मा की नियुक्ति से पहले सरकार ने ओबीसी और दलित समुदायों को प्रतिनिधित्व देने की रणनीति पर काम किया है। पूर्व डीजीपी यूआर साहू ओबीसी समुदाय से थे, उनके सेवानिवृत्त होने के बाद सरकार ने रवि प्रकाश मेहरडा को कार्यवाहक डीजीपी नियुक्त किया था।

रेस्टोरेंट मालिक का अपहरण, 5 देशों के बड़ी सुरक्षा एजेंसियों की मिली फेक आईडी, 3 करोड़ की डिमांड

जयपुर, 3 जुलाई (एजेंसियां)। जवाहर सर्कल थाना पुलिस ने गौरव टावर से युवक का अपहरण मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया। उनके पास देश की बड़ी सुरक्षा एजेंसी के पहचान पत्र मिले हैं। पुलिस ने संबंधित सुरक्षा एजेंसी को पहचान पत्र भेजकर जानकारी मांगी है, यह उनके ही कर्मचारी हैं या फर्जी आईडी है।

जानकारी के मुताबिक, शिवा नगर सांगानेर निवासी प्रभुमल चौधरी ने मामला दर्ज करवाया था। इसमें बताया कि 28 जून को शाम 5 बजे वह मालवीय नगर स्थित अपने रेस्टोरेंट में बैठा था। इसी दौरान उसके पास दोस्त मुकेश का व्हाट्सएप कॉल आया। उसने पूछा कि तुम कहां हो तो उसने गौरव टावर होना बताया। मुकेश ने उसे पास के एक शोरूम पर बुला लिया। जब प्रभुमल वहां पहुंचा तो एक कार पहले से खड़ी थी। इसमें एक व्यक्ति चालक वाली सीट पर व पीछे की सीट पर मुकेश बैठा था।

आरोपियों ने देश की एक बड़ी सुरक्षा एजेंसी की आईडी भी दिखाई। कार में वे उन्हें भीलवाड़ा घुमाते रहे। इस दौरान उन्हें सुरक्षा एजेंसी की फाइल भी दिखाते रहे। उनकी आईडी में उनके नाम जितेंद्र सिंह, विधादत, अनिल शर्मा, ओम सिंह राठी और मनोज कुमार था। उन्होंने दोनों से कुछ फार्म भी भरवाए और खाली कागजों में हस्ताक्षर करवाए।

कार सवार युवकों ने प्रभुमल को जबरन कार में बैठा लिया। इसी दौरान दो व्यक्ति और कार में बैठ गए। उन्होंने आते ही पीड़ित का मोबाइल, घड़ी और अन्य सामान लेकर प्रभुमल के मुंह पर काला कपड़ा बांध दिया। वे सभी कार में मारपीट करने लगे। मारपीट करने वालों ने पीड़ित से सुशील नाम के शस के बारे में पूछा। इस पर उसने बताया कि सुशील उसका दोस्त है।

आरोपियों ने दोनों से तीन करोड़ रुपए मांगे। सुशील और प्रभुमल ने 50 लाख देने को कहा। आरोपियों के मानने पर दोनों ने मोबाइल मांगे, ताकि वे व्यवस्था कर सकें। इस पर दोनों को भीलवाड़ा हाईवे पर होटल में ले गए। इस दौरान मुकेश अन्य गाड़ी से आया। मोबाइल ऑन करते ही रिश्तेदारों एवं दोस्तों के फोन आए। इस पर परिजन ने पुलिस को सूचना दे दी। दोनों सुशील और प्रभुमल मौके पर छोड़ भाग छूटे। उधर, दोनों अपने किसी परिचित दोस्त के साथ जयपुर आ गए। पुलिस ने नामजद मामला दर्ज कर पांचों आरोपियों को गिरतार कर लिया।

प्रभुमल से सुशील को फोन कर लोकेशन पूछी तो उसने बताया कि वह पांच सितारा होटल में है। इस पर आरोपी प्रभुमल को होटल ले गए।

इश्क से साजिश तक: स्कूल में पनपा प्यार, शादी के बाद शुरू हुए अवैध संबंध; पति बना रोड़ा तो करवा दी हत्या

राजसमंद, 3 जुलाई (एजेंसियां)। राजसमंद जिले के आमेट थाना क्षेत्र के गांव खाखरमाला में 24 जून 2025 को हुई युवक शेर सिंह की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की इस वारदात के पीछे प्रेम-प्रसंग, विवाहेतर संबंध और व्यक्तिगत प्रतिशोध की कहानी सामने आई है। इस षड्यंत्र में मृतक की ही पत्नी प्रमोद कुंवर भी शामिल पाई गई है, जिसे पुलिस ने 2 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि 24 जून 2025 को प्रार्थी खेम सिंह राजपूत निवासी खाखरमाला थाना आमेट ने रिपोर्ट दी कि उसका भतीजा शेर सिंह सुबह 10 बजे बैग में कपड़े लेकर बाड़मेर के लिए निकला था। प्रतापपुरा पुलिया के पास अज्ञात इको स्पोर्ट्स कार में सवार बदमाशों ने धारदार हथियार से उस पर हमला कर हत्या कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अब इस पूरे मामले में प्रमोद कुंवर की भूमिका, बैंक लेन-देन, कॉल रिकॉर्ड, गाड़ी मालिक की संलिप्तता तथा संभावित डिजिटल साक्ष्यों की बारीकी से जांच की जा रही है। आरोपियों से पूछताछ में और भी चौंकाने वाले तथ्य सामने आने की संभावना जताई गई है।

साल 2018 के बाद राम सिंह का प्रमोद के पास लगातार आना-जाना शुरू हुआ। शेर सिंह को आपत्ति होने पर दोनों में झगड़े और मारपीट बढ़ गई। प्रमोद कुंवर ने बताया कि राम सिंह उसका खर्च उठा सकता है, इसलिए वह शेर सिंह को छोड़ना चाहती है।

इस बीच प्रमोद और राम सिंह साथ रहने लगे और 2021 में प्रमोद कुंवर को दूसरी संतान भी हुई। जब प्रमोद शेर सिंह के साथ खाखरमाला लौटी, तब भी राम सिंह का उसके यहां आना-जाना लगा रहा। इसके चलते घर में रोज झगड़े होने लगे थे। शेर सिंह

की पत्नी भी राम सिंह के साथ जीवन बिताना चाहती थी, लेकिन शेर सिंह उसे तलाक नहीं दे रहा था।

घटना से पूर्वः 21 जून 2025 को झगड़े के बाद प्रमोद कुंवर ने राम सिंह से फोन पर बात कर शेर सिंह को रोड एक्सीडेंट में खत्म करने की साजिश रची। राम सिंह ने इस काम के लिए अपने पूर्व सहयोगी शौकीन कुमार भील निवासी कारुंडा थाना छोटी सादड़ी जिला प्रतापगढ़ से संपर्क किया और साजिश समझाई। शौकीन ने अपने साथी दुर्गा प्रसाद मेघवाल निवासी कारुंडा को भी इस साजिश में शामिल किया।

इस तरह की तैयारीः तीनों ने एमपी पासिंग स्पोर्ट्स कार किराए पर ली। वाहन के लिए 6 हजार रुपये में सौदा किया गया। किराया शौकीन ने अदा किया। प्रमोद कुंवर ने खर्चे के लिए 38 हजार रुपए राम सिंह के खाते में ट्रांसफर किए। 600 रुपये में एक धारदार कुंट (हथियार) खरीदा गया।

24 जून 2025 को साजिश के तहत शेर सिंह बाड़मेर जाने के लिए निकला। उसकी पत्नी ने राम सिंह को उसकी लोकेशन दी और बताया कि वह उसे राजीविका कार्यालय छोड़ने जा रहा है। तीनों आरोपी पीछे-पीछे उसकी निगरानी करते रहे। सरदारगढ़ रोड पर सुनसान प्रतापपुरा पुलिया को चुना गया। पुलिया पर शौकीन ने शेर सिंह की बाइक को पीछे से टक्कर मारी। बाइक गिरते ही राम सिंह ने धारदार हथियार से शेर सिंह पर हमला किया। शेर सिंह ने खुद को बचाने की कोशिश की, लेकिन राम सिंह ने उसकी गर्दन, सीना और सिर पर ताबड़तोड़ वार किए। गर्दन कटने से शेर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई।

थाना कांकरोली से हंसराम सिरवी पुलिस निरीक्षक, ओम सिंह सहायक उपनिरीक्षक, निर्भय सिंह सहायक उप निरीक्षक, महेंद्र सिंह हेड कांस्टेबल, वीरेंद्र सिंह हेड कांस्टेबल, नरेश कुमार हेड कांस्टेबल, सीता हेड कांस्टेबल, यशवंतनाथ कांस्टेबल, हिमत सिंह कांस्टेबल, रोशनलाल कांस्टेबल, थानाराम कांस्टेबल, नरेंद्र वसीटा कांस्टेबल, राजेंद्र सिंह कांस्टेबल, मूलचंद कांस्टेबल, साइबर सेल टीम से शंभुप्रताप सिंह हेड कांस्टेबल, इंद्र कुमार कांस्टेबल, ओमप्रकाश कांस्टेबल, बुदवराम कांस्टेबल हत्या का खुलासा करने वाली टीम में शामिल थे।

डीके अरुणा ने यूरिया की कमी पर कांग्रेस के दुष्प्रचार की निंदा की

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और महबूबनगर से सांसद डीके अरुणा ने आज कहा कि उनकी पार्टी तेलंगाना में यूरिया की कमी पर किसानों के बीच गलत धारणा पैदा करने के लिए केंद्र को निशाना बनाकर कांग्रेस सरकार और बीआरएस पार्टी के नेताओं द्वारा फैलाए जा रहे झूठे प्रचार की कड़ी निंदा करती है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में यूरिया की कमी कांग्रेस सरकार की लापरवाही और अक्षम शासन के कारण पैदा हुई है। एक बयान में उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी स्थिति केवल तेलंगाना में ही है।

उन्होंने कहा, "कांग्रेस सरकार की आपूर्ति और भंडारण योजना में विफलता के कारण किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। तेलंगाना के किसानों को उर्वरकों के बारे में किसी भी भ्रम में नहीं रहना चाहिए। केंद्र सरकार ने इस रबी सीजन के लिए राज्य की जरूरत से ज्यादा यूरिया की आपूर्ति पहले ही कर दी है। राज्य को जहां 9.5 लाख मीट्रिक टन की जरूरत है, वहीं केंद्र ने 12.02 लाख मीट्रिक टन यूरिया भेजा है। इसके अलावा डीएपी और एनपीकेएस जैसे सभी उर्वरक राज्य की जरूरत से ज्यादा भेजे गए हैं। इसका एक उदाहरण यह है कि डीएपी के लिए जहां 1.47 लाख टन की जरूरत है, वहीं 1.72 लाख टन भेजा गया है।' उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र समय-समय पर राज्य की जरूरतों का आकलन कर रहा है और अधिक आपूर्ति कर रहा है, लेकिन राज्य सरकार वितरण प्रणाली को ठीक से प्रबंधित करने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा, "इस स्थिति का सबूत यह आरोप है कि मार्कफेड दिवालिया हो गया है और किसानों पर परिवहन शुल्क लगा रहा है तथा कुछ सहकारी समितियों में उर्वरकों का भंडारण किया जा रहा है और उन्हें काला बाजार में भेजा जा रहा है। असली समस्या राज्य सरकार की विफलता है। इसे छिपाने के लिए केंद्र पर झूठे आरोप लगाना अनैतिक है।' अरुणा ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों को एक यूरिया बैग के लिए 2,236 रुपये और डीएपी बैग के लिए 2,422 रुपये की सब्सिडी दे रही है। उन्होंने कहा कि एक एकड़ के किसान को एक फसल के लिए 9,316 रुपये की उर्वरक सब्सिडी मिल रही है। उन्होंने कहा, 'अगर एक साल में दो फसलें उगाई जाती हैं, तो यह 18,632 रुपये है। इसके अलावा, केंद्र पीएम किसान के माध्यम से कुल 24,632 रुपये की सहायता प्रदान कर रहा है।' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार 268 रुपये में मिलने वाली यूरिया को अधिक कीमत पर और 1311 रुपये में मिलने वाली डीएपी को अतिरिक्त कीमत पर बेचकर किसानों को लूट रही है।

उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव न करा पाने के कारण वित्त आयोग से मिलने वाली राशि गंवाने वाली राज्य सरकार केंद्र द्वारा उपलब्ध कराए गए उर्वरकों का भी प्रभावी वितरण न कर पाने के कारण किसानों को परेशानी में डाल रही है। उन्होंने कहा, 'केंद्र सरकार ने देशभर के किसानों की मदद के लिए पिछले 10 वर्षों में उर्वरक सब्सिडी पर 12.5 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। खासकर तेलंगाना में बंद पड़े रामागुंडम उर्वरक संयंत्र का 6,338 करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार कर उसे फिर से चालू किया गया। यह सब मोदी सरकार की किसानों के प्रति प्रतिबद्धता का सबूत है।'

कांटेदान में रबर फैक्ट्री में लगी भीषण आग

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार सुबह कटेदान औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक रबर फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, आग कार मैट और अन्य रबर के सामान बनाने वाली फैक्ट्री में लगी थी। सूचना मिलने पर आस-पास के दमकल केंद्रों से दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। मैलारदेवपल्ली पुलिस भी डीआरएफ टीमों के साथ मौके पर पहुंची। आग के कारण इमारत से घना धुआं निकल रहा था। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। आग लगने के कारण का पता लगाया जा रहा है।

विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी ने तेलंगाना को धोखा दिया : केटीआर

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर लोकसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर अपने एक साल के कार्यकाल के दौरान तेलंगाना के लोगों को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने संसद में तेलंगाना के किसी भी प्रमुख मुद्दे को उठाने में विफल रहने के लिए गांधी की आलोचना की, जिसमें आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 के अधूरे वादे भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा, राष्ट्रीय दर्जे से लेकर सिंचाई परियोजना, बय्यारम स्टील प्लांट और अन्य वादों तक, राहुल गांधी ने एक बार भी तेलंगाना के ज्वलंत मुद्दों को नहीं उठाया है। रामाराव ने गांधी पर आंध्र प्रदेश की विवादास्पद बनकाचेरला परियोजना पर आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया, जिससे गोदावरी के पानी को तेलंगाना के किसानों से दूर ले जाने का खतरा है। उन्होंने कहा कि बनकाचेर्ला परियोजना पर कांग्रेस नेता की चुप्पी उनकी मिलीभगत का संकेत है। उन्होंने कहा, तेलंगाना विधानसभा चुनावों में 420 खोखले वादे करने के बाद वह छाया की तरह गायब हो गए, जिससे कांग्रेस सत्ता में बनी रही और तेलंगाना की आकांक्षाएं सड़ती रहीं।

आईटी मंत्री ने टी-हब में बोनालु आईटी पोस्टर लॉन्च किया

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की सदियों पुरानी परंपराओं को हैदराबाद के अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी क्षेत्र के साथ सहजता से जोड़ते हुए एक समारोह में, तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने टी-हब में टीआईटीए बोनालु 2025 पोस्टर को आधिकारिक रूप से लॉन्च किया, इस अवसर पर टीआईटीए ग्लोबल के अध्यक्ष संदीप कुमार मकथला और बोनालु आयोजन समिति के सदस्य भी मौजूद थे। इस वर्ष का आईटी बोनालु समारोह भाषा और संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जो समाज के सभी क्षेत्रों में सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस अवसर पर, संदीप मकथला ने समकालीन परिवेश में तेलंगाना की परंपराओं को जीवित रखने में उनके निरंतर समर्थन के लिए भाषा और संस्कृति विभाग के निदेशक ममीदी हरिकृष्णा को हार्दिक धन्यवाद दिया। यह आयोजन टीआईटीए बोनालु के 2025 संस्करण की शुरूआत का प्रतीक है, जो 6 जुलाई, रविवार को आषाढ़ मास के दूसरे शुभ रविवार के दौरान निर्धारित है। मंत्री, जो पिछले वर्षों में व्यक्तिगत रूप से समारोह में शामिल हुए हैं, ने उस माहौल को याद किया। उन्होंने कहा, आईटी बोनालु हमारे सबसे आधुनिक स्थानों में तेलंगाना की सांस्कृतिक धड़कन को दर्शाता है।

मैंने प्रत्यक्ष रूप से देखा है कि आईटी पेशेवर इस उत्सव में कितनी ऊर्जा और समर्पण लाते हैं- यह बेहद प्रेरणादायक है, उन्होंने टेक कॉरिडोर के भीतर सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करने में टीआईटीए के निरंतर प्रयासों की सराहना की। इस वर्ष का एक अनूठा आकर्षण शिल्पकला वेदिका से चिन्ना पेद्दम्मा मंदिर तक भव्य जुलूस है, जो माधापुर में गूगल कार्यालय के सामने स्थित है। जुलूस शुरू होने से पहले, संदीप मक्थला और उनका परिवार देवी को साड़ी और वडिबियम की पारंपरिक पेशकश करेंगे, जो उत्सव के आध्यात्मिक आधार को दर्शाता एक गहन व्यक्तिगत और प्रतीकात्मक अनुष्ठान जारी रखेगा। इस भव्यता को और बढ़ाते हुए, इंफोसिस, आईबीएम, माइक्रोसॉफ्ट और अन्य सहित विभिन्न आईटी कंपनियों के 21 बोनालू अपने-अपने कार्यालय परिसर से अपनी यात्रा शुरू करेंगे और शिल्पकला वेदिका में एकत्रित होंगे, जहां से सामूहिक जुलूस संगीत, भक्ति और सामुदायिक भावना के साथ मंदिर की ओर बढ़ेगा। इस कार्यक्रम की सांस्कृतिक समृद्धि को तेलंगाना के प्रसिद्ध लोक समूहों द्वारा जीवंत किया जाएगा, जिसमें पोथुराजुलु, सिवासथुलु, दप्पुलु, ओग्गू डोलु और गुसाडी आदिवासी नर्तक शामिल हैं। उनके प्रदर्शन आईटी कॉरिडोर को परंपरा के जीवंत मंच में बदल देंगे, जिससे हजारों पेशेवर अपनी सांस्कृतिक जड़ों से फिर से जुड़ जाएंगे। पोस्टर लॉन्च में टीआईटीए बोनालू समिति के प्रमुख सदस्य मौजूद थे, जिनमें भाग्य लक्ष्मी वक्ति, श्रीनिवास मर्री, हरिनी गोली, यामिनी मद्दुकुरी, मानसा, दिनेश, कीर्तन, प्रणीत, वेंकट बूरा और समर्पित स्वयंसेवकों और सांस्कृतिक उत्साही लोगों की एक टीम शामिल थी, जिन्होंने इस उत्सव को जीवंत बनाने के लिए पूरी लगन से काम किया है। इस अवसर पर बोलते हुए, संदीप कुमार मकथला ने कहा, टीआईटीए बोनालू सिर्फ एक त्योहार से कहीं बढ़कर बन गया है- यह एक ऐसा मंच है जहां संस्कृति और नवाचार एक साथ मौजूद हैं। जुलूस में हर कदम तेलंगाना की पहचान पर हमारे गर्व को दर्शाता है। हम इस यात्रा में हमारे साथ खड़े होने के लिए तेलंगाना सरकार और विशेष रूप से भाषा और संस्कृति विभाग के आभारी हैं। साल दर साल, टीआईटीए बोनालू हैदराबाद के तकनीकी पेशेवरों के लिए सांस्कृतिक संरक्षण, आध्यात्मिक संबंध और सामूहिक पहचान के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में काम करना जारी रखता है।

तुम्मला ने केंद्र से कच्चे पाम तेल पर आयात शुल्क बढ़ाकर 44 प्रतिशत करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक पत्र लिखकर उनसे कच्चे पाम तेल पर आयात शुल्क को पहले की तरह बढ़ाकर 44 प्रतिशत करने का आग्रह किया है। गुरुवार को जारी एक बयान में, मंत्री ने केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण से कच्चे पाम तेल पर आयात शुल्क कम करने के निर्णय का पुनर्मूल्यांकन करने और इसे 44 प्रतिशत की पिछली दर पर बहाल करने के अपने अनुरोध पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि तेलंगाना राज्य का लक्ष्य 1,25,000 हेक्टेयर में खेती करना है, जिसमें अब तक 56,231 किसानों की मदद से 78,870 हेक्टेयर में खेती शुरू की गई है, जो राज्य को राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर रखता है। उन्होंने कहा, इस वित्तीय वर्ष का लक्ष्य 50,000 हेक्टेयर भूमि पर खेती करना है। अब तक 18,185 किसानों ने 26,597 हेक्टेयर भूमि पर पाम ऑयल उगाने के लिए हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि, 31 मई को केंद्र सरकार द्वारा कच्चे पाम ऑयल पर आयात शुल्क में 27.5 प्रतिशत से 16.5 प्रतिशत की कटौती से किसान पाम ऑयल की खेती करने से कतराने लगे हैं, जिससे राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम के उद्देश्य खतरे में पड़ सकते हैं, क्योंकि यह केंद्र सरकार की पहल है जिसका उद्देश्य पाम ऑयल की खेती को बढ़ावा देना है। मंत्री ने टिप्पणी की कि कच्चे पाम ऑयल पर आयात शुल्क कम करने का केंद्र का निर्णय खेदजनक है, क्योंकि इससे पाम ऑयल किसानों को मिलने वाली कीमत कम हो जाएगी और लंबे समय में घरेलू पाम ऑयल की खेती पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। तुम्मला ने संकेत दिया कि यह निर्णय किसानों के आत्मविश्वास को कमजोर कर सकता है।

सड़क दुर्घटना में सब-इंस्पेक्टर की मौत

संगारेड्डी, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक पुलिस उपनिरीक्षक की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई, जब गुरुवार तड़के कंडी मंडल के चेरियाल में एनएच-65 पर एक तेज रफ्तार लॉरी ने उनकी कार को टक्कर मार दी। वह संगारेड्डी शहर के चाणिक्यपुरी कॉलोनी के निवासी राजेश्वर (59) थे। राजेश्वर फिल्म नगर थाने में एसआई के पद पर कार्यरत थे। राजेश्वर, जो अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रहते हैं, कथित तौर पर एक सप्ताह पहले ही फिल्म नगर पुलिस स्टेशन में शामिल हुए थे। राजेश्वर 1990 में एक कांस्टेबल के रूप में पुलिस विभाग में शामिल हुए थे। मामला दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए संगारेड्डी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया है।

मूवी पायरेसी रैकेट में शामिल युवक गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की साइबर क्राइम पुलिस ने रंगारेड्डी जिले के वनस्थलीपुरम में एनजीओ कॉलोनी में रहने वाले एसी टेक्नीशियन के तौर पर काम करने वाले जना किरण कुमार को पकड़ा है।

मूल रूप से पूर्वी गोदावरी का रहने वाला यह आरोपी एक हाई-प्रोफाइल मूवी पायरेसी रैकेट में सक्रिय रूप से शामिल पाया गया। 5 जून, 2025 को हैदराबाद के तेलुगु फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (टीएफसीसी) के एंटी-वीडियो पायरेसी सेल का प्रतिनिधित्व करने वाले यारा मनिंद्र बाबू ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि तेलुगु फिल्म, 'सिंगल' (9 मई, 2025 को रिलीज हुई) को अवैध रूप से पायरेटेड किया गया था और फिल्म रिलीज के दिन ही ऑनलाइन प्रसारित किया गया था। फोरेंसिक वॉटरमार्किंग ने एक थिएटर से लीक होने की ओर इशारा किया।

टीएफसीसी ने पायरेसी के कारण 2024 में तेलुगु फिल्म उद्योग को 3,700 करोड़ रुपये का चौंका देने वाला नुकसान होने का अनुमान लगाया है, और व्यापक पायरेसी नेटवर्क के खिलाफ त्वरित जांच और कार्रवाई का आग्रह किया है।

यूओएच के छात्र को प्रतिष्ठित शोध कार्यक्रम के लिए चुना गया

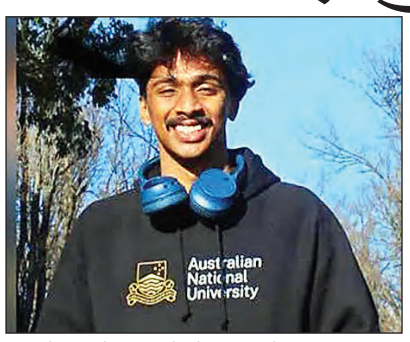

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के अर्थशास्त्र संकाय में अर्थशास्त्र में एकीकृत एमए कार्यक्रम के अंतिम वर्ष के छात्र प्रणव एस को ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (एएनयू), कैनबरा में अत्यधिक प्रतिस्पर्धी फ्यूचर रिसर्च टैलेंट (एफआरटी) कार्यक्रम के लिए चुना गया है।

वर्तमान में एएनयू में स्थित, वह इस छात्रवृत्ति के तहत 11 सप्ताह की शोध परियोजना कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य शीर्ष भारतीय संस्थानों के उत्कृष्ट छात्रों के बीच अनुसंधान सहयोग और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। एफआरटी कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, वह एएनयू के नेशनल सेंटर फॉर एपिडेमियोलॉजी एंड पॉपुलेशन हेल्थ में 'प्रारंभिक बचपन के झटके और स्वस्थ उम्र बढ़ने पर उनका प्रभाव' नामक एक परियोजना पर काम कर रहे हैं।

उनका शोध जाति-आधारित भेदभाव और प्राकृतिक आपदाओं से लेकर सामाजिक नीति हस्तक्षेपों तक, प्रारंभिक जीवन की प्रतिकूलताओं के दीर्घकालिक प्रभावों की खोज करता है, जो बाद के जीवन के स्वास्थ्य परिणामों पर, विशेष रूप से भारतीय संदर्भ में है। इस अध्ययन की देखरेख डॉ. माई ट्रान और डॉ. जिन्हू ली द्वारा की जाती है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और जीवन पाठ्यक्रम महामारी विज्ञान के क्षेत्र में प्रसिद्ध शोधकर्ता हैं।

एयरपोर्ट जाने वाले वाहन चालक और स्थानीय लोग परेशान

> बरकस-शाहीननगर मार्ग पर अंधेरा

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद में राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) के लिए एक प्रमुख मार्ग, बरकस-शाहीननगर सड़क, खराब स्ट्रीट लाइटों और गड्ढों से भरे हिस्सों के कारण, विशेष रूप से सूर्यास्त के बाद, मोटर चालकों और स्थानीय लोगों के लिए एक दुःस्वप्न बन गई है।

बरकस से पहाड़ीशरीफ तक के महत्वपूर्ण 4 किलोमीटर लंबे मार्ग पर स्ट्रीट लाइटें कई हफ़्तों से काम नहीं कर रही हैं, जिससे यात्रियों को अंधेरे में खतरनाक सड़कों पर चलना पड़ रहा है। ट्रैफिक सिग्नल के काम न करने से दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ जाता है। शमशाबाद रोड और मीरपेट-आरसीआई रोड जैसे वैकल्पिक मार्गों पर तेज़ी से विकास हुआ है, लेकिन यह हिस्सा उपेक्षित बना हुआ है। सादतनगर के निवासी करीम अंसारी ने कहा, एयरपोर्ट जाने वाले ट्रैफ़िक को इस सड़क पर लगातार समस्याओं का सामना करना पड़ता है। राज्य सरकार द्वारा इस मार्ग को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने की योजना के बावजूद, स्थानीय लोगों का कहना है कि आंशिक सड़क चौड़ीकरण के अलावा कोई महत्वपूर्ण सुधार नहीं किया गया है। शाहीननगर के एक सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल रऊफ ने कहा, यह सड़क किसी शहरी मुख्य मार्ग की बजाय किसी सुदूरवर्ती राजमार्ग जैसी दिखती है। हाल ही में हुई बारिश ने स्थिति को और खराब कर दिया है। जलपल्ली के एक व्यवसायी जुनैद ने कहा, गड्ढे पत्थरों में बदल गए हैं, जिससे दोपहिया वाहन फिसलने का खतरा बना हुआ है। उन्होंने कहा, अधिकारी बुनियादी मरम्मत भी नहीं कर रहे हैं। पहाड़ीशरीफ निवासी मोहम्मद आसिफ इकबाल ने बताया कि लाइटिंग की कमी के कारण रात और बारिश के दौरान सड़क बेहद खतरनाक हो गई है। उन्होंने बताया, यहां दुर्घटनाएं रोजाना होती हैं। निवासियों ने नगर निगम के अधिकारियों और अन्य संबंधित विभागों से मरम्मत को प्राथमिकता देने, प्रकाश व्यवस्था बहाल करने और आवागमन को आसान बनाने तथा आगे दुर्घटनाओं को रोकने के लिए इस मार्ग पर सुरक्षा उपायों में सुधार करने का आग्रह किया है।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 147वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप 6 को

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा तेलंगाना चैम्बर ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट हैदराबाद के सहयोग से 147वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर आबिड्स स्थित केमिस्ट भवन में रविवार 6 जुलाई को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट, जनरल फिजिशियन, कार्डियालजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा दी जाएगी। एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल दोमलगुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की जांच की जाएगी एवं योग्य को निशुल्क चश्मे एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी।

सामान्य चिकित्सक डॉ. अखिल्स क्लिनिक, डॉ.अखिल सुगंधी (रुमेटोलॉजी), डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी (एमबीबीएस डिप्लोमा मधुमेह) एवं दंत की सेवा एसएनआर डेंटल के डॉ.एस.तेजस्वी नवनीत राज एवं डॉ.एस. निखिल द्वारा दी जाएगी। फिजियोथैरेपी बजाज फिजियो केयर के डॉ. मीता बजाज द्वारा की जाएगी। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा निशुल्क कृत्रिम पैर, हैड क्लीप, कैलिपर्स एवं हैंड का जांच के बाद योग्य को दिये जाएंगे। इसके साथ ही डायलिसिस की व्यवस्था की जाएगी। अवसर पर रैनबो चिल्ड्रन्स हार्ट इंस्टीट्यूट द्वारा सेवा की जाएगी। शिविर में नाम पंजीकरण कैंप स्थल पर सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा। सभी से इसका अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है। अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, अरविंद कुमार भांगडिया, एम. सत्यनारायण, संजय कुमार जैन से संपर्क किया जा सकता है।

एसबीआई के वरिष्ठ मुख्य संदेशवाहक मोहन राव की सेवानिवृत्ति पर उन्हें आज बैंक के कार्यालय में भावपूर्ण विदाई दी गई। अवसर पर पूरे स्टाफ ने मोहन राव द्वारा किए गए कार्यों एवं सहयोग पर प्रकाश डाला। अपने पूरे कार्य दिवसों में मोहन राव ने अपनी कार्यशैली से शाखा सभी स्टाफ को प्रभावित किया था।

रचकोंडा पुलिस ने खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाले रैकेट का किया भंडाफोड़

52 लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने बुधवार को खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया और 46 मामले दर्ज किए। इन मामलों में कुल 52 लोगों को गिरफ्तार किया गया। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू के अनुसार, विशेष अभियान दल, स्थानीय पुलिस और सशस्त्र रिजर्व की विशेष टीमों ने उन परिसरों पर एक साथ छापे मारे, जहां मिलावटी खाद्य पदार्थ तैयार किए जाते थे। जी सुधीर बाबू ने कहा, छापेमारी के दौरान खाद्य उत्पादों की अस्वास्थ्यकर तैयारी के अलावा कई उल्लंघन पाए गए। उल्लंघनों में एफएसएसएआई लाइसेंस न होना, बिना ट्रेड लाइसेंस के बिक्री, बिना निर्माण या समाप्ति तिथि के बिक्री और प्रतिबंधित सिंथेटिक खाद्य रंगों का उपयोग शामिल है। पुलिस ने पाया कि कई निर्माता उत्पाद पैकेजों पर प्रतिष्ठित ब्रांडों के नकली लेबल चिपका रहे थे और उन्हें बाजार में बेच रहे थे। पुलिस ने 575 लीटर मिलावटी घी, 7,000 लीटर अदरक लहसुन का पेस्ट, 35 किलोग्राम मिलावटी पनीर और 10 लाख रुपये मूल्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली गोलियां और पाउडर जब्त किया।

जगदीश रेड्डी ने की कांग्रेस सरकार की आलोचना

नलगोंडा, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में कांग्रेस के डेढ़ साल के शासन को शून्य विकास का दौर बताते हुए पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक जी. जगदीश रेड्डी ने रेवंत रेड्डी सरकार पर तीखा हमला किया और कहा कि सरकार अपना सारा समय विरोधी दलों के राजनीतिक विरोधियों को चुप कराने के लिए उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने में लगा रही है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने राजनीतिक प्रतिशोध के कारण चुंदूर में नगरपालिका अध्यक्ष के घर को ध्वस्त करने के लिए प्रशासन पर जमकर निशाना साधा।

पूर्व मंत्री ने नलगोंडा में कम से कम एक भी नई परियोजना शुरू करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस की आलोचना की और जिलों के मंत्रियों पर नए बोर्ड लगाकर बीआरएस द्वारा शुरू की गई योजनाओं को फिर से ब्रांड करने का आरोप लगाया। उन्होंने मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में कोई नई सड़क नहीं बनी है और कोमटिरेड्डी भाइयों पर मुनुगोडु विधायक के कैंप कार्यालय के निर्माण सहित बीआरएस परियोजनाओं का श्रेय लेने का आरोप लगाया। रेड्डी ने कृषि क्षेत्र को संभालने के लिए कांग्रेस सरकार की भी आलोचना की और कहा कि इसे पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने बीआरएस के शासन की तुलना करते हुए कहा कि बीआरएस शासन के दौरान खाद और बीज की आपूर्ति पर नियमित समीक्षा के माध्यम से नलगोंडा को शीर्ष पर पहुंचा दिया गया। कांग्रेस सरकार नकली बीजों की आमद को रोकने में विफल रही है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के विधायकों ने भी समीक्षा बैठकों में निराशा व्यक्त की है और सरकार के दृष्टिकोण पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि समीक्षा में केवल मंत्री ही बोलते हैं जबकि निर्वाचित प्रतिनिधियों को दरकिनार कर दिया जाता है।

मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी पर निशाना साधते हुए जगदीश रेड्डी ने उन पर सिंचाई और नागरिक आपूर्ति के बारे में ज्ञान की कमी का आरोप लगाया और आरोप लगाया कि कृष्णा और गोदावरी दोनों नदियों का पानी आंध्र प्रदेश को सौंप दिया जा रहा है।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना के हितों की रक्षा करने की तुलना में बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव की आलोचना करने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रही है।

पानी की टंकी में मिला अज्ञात शव

सूर्यापेट, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नादिगुडेम पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत कागिथा रामचंद्रपुरम गांव में बुधवार को एक अज्ञात व्यक्ति की हत्या कर दी गई। पुलिस ने शव को पानी की टंकी से निकाला और संदेह जताया कि पीड़िता की गला घोंटकर हत्या की गई है, क्योंकि उसके गले में रस्सी बंधी हुई मिली। हत्या करने के बाद, हमलावरों ने कथित तौर पर शव को प्लास्टिक की बोरी में रखा और उसे टंकी में फेंक दिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

शुभमन गिल ने इंग्लैंड की धरती पर नया इतिहास लिखा

दोहरा शतक लगाने वाले पहले एशियाई कप्तान बने

बर्मिंघम, 3 जुलाई (एजेंसियां)। शुभमन गिल ने आखिरकार वो कर दिखाया जिसकी उम्मीद उनसे हर भारतीय फैन की थी. गिल ने इंग्लैंड में अपनी कमाल फॉर्म जारी रखते हुए एजबेस्टन टेस्ट में दोहरा शतक लगा दिया. लीड्स टेस्ट में शुभमन गिल ने बतौर कप्तान अपनी पहली ही पारी में शतक लगा दिया था और अब उन्होंने दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक लगा दिया है. इस दोहरे शतक के साथ ही उन्होंने कई रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए. आइए आपको बताते हैं शुभमन गिल ने क्या कारनामे किए हैं.

शुभमन गिल ने एजबेस्टन में दोहरा शतक लगाकर इतिहास रच दिया. वो इंग्लैंड में डबल सेंचुरी लगाने वाले पहले इंडियन कप्तान हैं. शुभमन गिल ने पहली बार टेस्ट करियर में दोहरा शतक लगाया है. शुभमन गिल इंग्लैंड में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी हैं. शुभमन गिल एजबेस्टन में दोहरा शतक लगाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं.

शुभमन गिल इंग्लैंड में दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय हैं. उनसे पहले गावस्कर और द्रविड़ ने ये कारनामा किया है. शुभमन गिल इंग्लैंड में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय बन गए, उन्होंने गावस्कर के 221 रनों का रिकॉर्ड तोड़ा. 6 साल बाद किसी भारतीय कप्तान ने टेस्ट में दोहरा शतक जड़ा. शुभमन गिल पहले भारतीय कप्तान हैं जिन्होंने 25 साल की उम्र तक विदेशी टेस्ट सीरीज में 300 से ज्यादा रन बनाए हैं. शुभमन गिल ने अपने करियर में कई बड़ी पारियां खेली हैं लेकिन एजबेस्टन टेस्ट में उनका ये दोहरा शतक सबसे बेहतरीन इनिंग्स में से एक होगी. शुभमन गिल ने इस पारी में बहुत ही कम खराब शॉट्स खेले. उन्होंने सिर्फ अपने रन नहीं बनाए बल्कि उन्होंने अपने साथी खिलाड़ियों के साथ भी अहम साझेदारियां की. करुण नायर, ऋषभ पंत के साथ उनकी साझेदारी पचास से ज्यादा रनों की रही लेकिन रवींद्र जडेजा के साथ मिलकर उन्होंने 200 से ज्यादा रन जोड़े, जिसकी वजह से भारतीय टीम 500 पार पहुंचने में कामयाब रही.

विंबलडन 2025: अल्काराज का विजयी अभियान

विमेंस सिंगल्स में आर्यना सबालेंका और एम्मा राडुकानु भी तीसरे राउंड में पहुंची

लंदन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। विंबलडन 2025 के तीसरे दिन कार्लोस अल्काराज ने ब्रिटिश एमेच्योर खिलाड़ी ऑलिवर टारवेट को सीधे सेटों में 6-1, 6-4, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है।

डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज ने वर्ल्ड रैंकिंग 733वें नंबर के टारवेट को सिर्फ दो घंटे 17 मिनट में हरा दिया। अल्काराज ने लगातार 20 मैच जीते हैं, जिसमें रोम मास्टर्स, फ्रेंच ओपन और क्वींस क्लब के खिताब शामिल हैं।

लगातार तीसरा विंबलडन खिताब जीतने का टारगेट

अल्काराज का टारगेट लगातार तीसरा विंबलडन खिताब जीतना है। ब्योर्न बोर्ग, पीट सम्प्रास, रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच ओपन एरा में लगातार तीन विंबलडन खिताब जीत चुके हैं।

रोजर फेडरर सबसे ज्यादा 8 बार विंबलडन खिताब अपने नाम किया है। उसके बाद 7-7 विंबलडन खिताब जीतने का कारनामा पीट सम्प्रास और नोवाक जोकोविच कर चुके हैं।

आर्यना सबालेंका ने भी अपना मैच जीता

वहीं विमेंस सिंगल्स में आर्यना सबालेंका ने 48वीं रैंक की मैरी बौजकोवा को 7-6 (7/4), 6-4 को हराकर अगले दौर में जगह बनाई। 95 मिनट तक चले मुकाबले में सबालेंका ने 41 विनर लगाए।

टूर्नामेंट की चौथी सीड जैस्मिन पाओलिनी उलटफेर की हुई शिकार

टूर्नामेंट की चौथी सीड जैस्मिन पाओलिनी उलटफेर का शिकार हो गईं। वर्ल्ड रैंकिंग 62वें नंबर की रूसी खिलाड़ी कमिला राखिमोवा ने 4-6, 6-4, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। ब्रिटेन की एम्मा राडुकानु ने 2023 की विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा को 6-3, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। उनका अगला मुकाबला टूर्नामेंट की टॉप सीड सबालेंका से होगा।

भारत अंडर-19 ने इंग्लैंड को 4 विकेट से हराया

सीरीज में 2-1 की बढ़त; वैभव सूर्यवंशी ने 31 गेंदों में 86 रन बनाए

नॉर्थम्प्टन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। नॉर्थम्प्टन में खेले गए तीसरे यूथ वन-डे इंटरनेशनल में भारत अंडर-19 ने इंग्लैंड-19 को 4 विकेट से हरा दिया है। इसके साथ ही भारतीय टीम की 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हो गई है। इस मैच में जीत के हीरो 14 साल के वैभव सूर्यवंशी रहे। उन्होंने 31 गेंदों पर 86 रन बनाए। भारतीय टीम ने टॉस जीत कर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। बारिश की वजह से मैच 40-40 ओवर का खेला गया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 268 रन बनाए। वहीं, 269 के टारगेट का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने 33 गेंदें शेष रहते जीत हासिल की।

इंग्लैंड के ओपनर्स ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। इंग्लैंड का पहला विकेट 78 रन पर गिरा, लेकिन बीच में 4 विकेट 35 रन पर गंवाए। इंग्लैंड के लिए थॉमस रियू ने शानदार नाबाद 76 रन (44 गेंद, 9 चौके, 3 छक्के) बनाए, जबकि बेन डॉकिन्स ने 62 और इसहाक मोहम्मद ने 41 रनों की पारी खेली। वहीं, रियू और राल्फी अल्बर्ट (21) ने 60 रनों की साझेदारी कर स्कोर को 268 तक पहुंचाया।

भारत की ओर से कनिष्क चौहान ने 30 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं, नमन पुष्पक, विहान मल्होत्रा और दीपेश देवेंद्रन को 1-1 विकेट मिला। 269 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को वैभव सूर्यवंशी ने तेज शुरुआत दी। उन्होंने मॉर्गन के एक ओवर में लगातार दो छक्के जड़ कर भारत का स्कोर 4.4 ओवर में 50 रन तक पहुंचाया। सूर्यवंशी ने सिर्फ 20 गेंदों में भारत अंडर-19 के इतिहास का तीसरा सबसे तेज अर्धशतक जड़ा और 31 गेंदों में 86 रन बनाए।

भारत ने 40 ओवर के इस मैच में इंग्लैंड के 268/6 के जवाब में 33 गेंदें शेष रहते जीत हासिल की। सूर्यवंशी के आउट होने तक भारत ने 8 ओवर में 111/2 रन बना लिए थे। इसके बाद विहान मल्होत्रा ने 34 गेंदों में 46 रन (7 चौके, 1 छक्का) बनाए, लेकिन उनकी और दो अन्य विकेट जल्दी गिरने से स्कोर 6 ओवर में 30 रन पर सिमट गया। फिर कनिष्क चौहान (43) और आरएस अंब्रीश (31) ने नाबाद 75 रनों की साझेदारी कर भारत को जीत दिलाई।

श्रीकांत कनाडा ओपन के दूसरे दौर में

यूएस ओपन जीतने वाले आयुष को मिली हार

कैलगरी, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के किदाम्बी श्रीकांत ने कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में हमवतन प्रियांशु राजावत को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हराकर पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया लेकिन युवा आयुष शेट्टी हारकर बाहर हो गए।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने पहले दौर के मैच में एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 53 मिनट में राजावत पर 18-21, 21-19, 21-14 से जीत दर्ज की। श्रीकांत मई में मलयेशिया मास्टर्स में उप विजेता रहे थे।

वहीं दूसरे मैच में शंकर को 23-21, 21-12 से
मुथुसामी सुब्रमण्यन ने शेट्टी हराया।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को 77 रन से पहला वनडे हराया

कप्तान चरिथ असलंका का शतक, वनिंदू हसरंगा ने 4 विकेट लिए

कोलंबो, 3 जुलाई (एजेंसियां)। टेस्ट सीरीज 1-0 से जीतने के बाद श्रीलंका ने बांग्लादेश को पहला वनडे भी हरा दिया। होम टीम ने कोलंबो में 77 रन से मुकाबला जीता और 3 वनडे की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। 106 रन बनाने वाले कप्तान चरिथ असलंका प्लेयर ऑफ द मैच रहे। लेग स्पिनर वनिंदू हसरंगा ने 4 विकेट लिए।

श्रीलंका की खराब शुरुआत

आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका ने बैटिंग चुनी, लेकिन टीम की शुरुआत खराब रही। 29 रन पर 3 विकेट गिर गए। निशान मदुष्का ने 6 रन बनाए, वहीं पाथुम निसांका और कामिंडु मेंडिस खाता भी नहीं खोल सके। विकेटकीपर कुसल मेंडिस ने फिर असलंका के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की और टीम को संभाल लिया।

असलंका ने 5वां वनडे शतक लगाया

मेंडिस 45 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद जनिथ लियानागे

ने 29 रन बनाए और असलंका के साथ 64 रन की साझेदारी कर ली। लोअर मिडिल ऑर्डर में मिलन रत्नायके और वनिंदू हसरंगा ने 22-22 रन बनाए। असलंका ने सेंचुरी लगाई, वे 106 रन बनाकर 9वें विकेट के रूप में आउट हुए। यह उनके वनडे करियर की 5वीं सेंचुरी रही।

श्रीलंका 49.2 ओवर में 244 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश के लिए तस्कीन अहमद ने 4 और तंजिम हसन साकिब ने 3 विकेट लिए। तनवीर इस्लाम और नजमुल हुसैन शांतो को 1-1 विकेट मिला। 1 बैटर रन आउट भी हुआ।

मजबूत शुरुआत के बाद बिखरा बांग्लादेश

245 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत मजबूत रही। परवेज हसन इमोन 13 रन ही बना सके, लेकिन तंजिद हसन ने फिफ्टी लगा दी। उन्होंने शांतो के साथ टीम की सेंचुरी भी पूरी करा दी।

100 रन के स्कोर पर एक समय 1 ही विकेट गिरा था, लेकिन 105 रन तक टीम के 8 विकेट गिर गए। यानी टीम ने 7 विकेट महज 5 रन बनाने में गंवा दिए। शांतो 23 और तंजिद 62 रन बनाकर आउट हुए।

वनिंदू हसरंगा को 4 विकेट

8 विकेट गिरने के बाद बांग्लेदश को जाकेर अली ने मैच जिताने की कोशिश की। हालांकि, उनके सामने तनवीर इस्लाम 5 ही रन बनाकर आउट हो गए। जाकेर ने फिफ्टी लगाई, लेकिन वे 51 रन बनाकर टीम के आखिरी विकेट के रूप में पवेलियन लौट गए। बांग्लादेश 35.5 ओवर में 167 रन ही बना सका।

श्रीलंका के लिए वनिंदू हसरंगा ने 4 और कामिंडु मेंडिस ने 3 विकेट लिए। असिथा फर्नांडो और महीश तीक्षणा को 1-1 विकेट मिला। एक बैटर रन आउट भी हुआ। सीरीज का दूसरा वनडे 5 जुलाई को कोलंबो में ही खेला जाएगा।

13 छक्कों के सात अश्विन ने मचाया धमाल

सबसे बड़ी पारी खेलकर टीम को टीएनपीएल के क्वालिफायर 2 में पहुंचाया

चेन्नई, 3 जुलाई (एजेंसियां)। अश्विन अपनी टीम डिंडीगुल के लिए सबसे बड़ी भूमिका. ये हुई ना कप्तानों वाली बात. कहते हैं जब मंच बड़ा होता है, तभी परफॉर्मेन्स देने का भी मजा होता है. अश्विन ने भी उसी बड़े मंच का फायदा उठाया है. टीएनपीएल 2025 के एलिमिनेटर मैच जैसे बड़े मौके पर कप्तान होने के नाते उन्होंने अपनी टीम को वाकई फ्रंट से लीड किया है. जब पहले उन्होंने ऐसे गेंद से किया तो हैरानी नहीं हुई क्योंकि उसके तो वो मास्टर हैं ही. लेकिन जो बल्ले से उन्होंने तूफान मचाया, उस देखकर भइया सचमें मजा आ गया.

बल्ले से पहले अश्विन ने गेंद से बरपाया कहर

अश्विन ने टीएनपीएल 2025 में अपनी सबसे बड़ी पारी खेली है. वो भी सिर्फ 48 गेंदों का सामना करते हुए. हालांकि, इस पारी की बात करें उससे पहले जरा अश्विन के गेंद से मचाए गदर के बारे में जान लीजिए. टीएनपीएल 2025 में 2 जुलाई को डिंडीगुल और चोलाज के बीच एलिमिनेटर मैच खेला गया. इस मैच में ट्रिची ग्रैंड चोलाज ने पहले बैटिंग की. मगर वो 20 ओवर में 150 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके. ऐसा इसलिए क्योंकि अश्विन की कमान में डिंडीगुल के गेंदबाजों ने उन पर नकेल कसे रखी. चोलाज ने 20 ओवर में 9 विकेट पर सिर्फ 140 रन बनाए. इन 9 विकेटों में 3 विकेट

अकेले कप्तान अश्विन के रहे. उन्होंने 4 ओवर में 28 रन देते हुए ये 3 विकेट लिए और मैच में अपनी टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे. टीएनपीएल 2025 में अश्विन का ये दूसरा बेस्ट बॉलिंग फीगर है. इससे पहले वो 22 रन देकर भी 3 विकेट ले चुके हैं.

अब मैच बड़ा था. मामला एलिमिनेट होने या फिर फाइनल की ओर कदम बढ़ाने से जुड़ा था. तो ऐसे में भला अश्विन सिर्फ गेंद से कहर बरपाकर कहां मानने वाले थे. ऐसे में जब 141 रन का लक्ष्य मिला तो उसे चेज करने के दौरान अश्विन ने अपने बल्ले का जौहर भी खूब दिखाया. अश्विन ने डिंडीगुल के लिए पारी की शुरुआत की और सिर्फ 48 गेंदों में ही इतने रन ठोक दिए कि ये इनिंग टीएनपीएल 2025 में उनकी सबसे बड़ी पारी की वजह बन गई.

अश्विन ने 48 गेंदों पर 83 रन बनाए, जो कि टीएनपीएल 2025 में खेली उनकी सबसे बड़ी पारी है. 172 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से खेली इस पारी में उन्होंने 11 चौके और 3 छक्के लगाए. इन 3 छक्कों के साथ अश्विन के टीएनपीएल 2025 में जमाए कुल छक्कों की संख्या 13 हो गई है. वहीं उन्होंने इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 5 बल्लेबाजों में भी अपना नाम शामिल करा लिया है. अश्विन के टीएनपीएल 2025 में अब 8 मैचों के बाद 13 छक्के और 31 चौकों के साथ 275 रन हैं.

अश्विन की कप्तानी पारी की बदौलत उनकी टीम डिंडीगुल ने चोलाज को 20 गेंद पहले ही 6 विकेट से हरा दिया और एलिमिनेटर मुकाबला जीत लिया. इस मैच को जीतते ही उनकी टीम क्वालिफायर 2 में पहुंच गई है. डिंडीगुल को एलिमिनेटर जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए अश्विन को प्लेयर ऑफ द मैच भी दिया गया.

जसप्रीत बुमराह को क्यों बैठाया बाहर?

कोच गौतम गंभीर पर भड़के कई दिग्गज

खेल डेस्क, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच एजबेस्टन में खेला जा रहा है। इस मैच में टीम इंडिया 3 बदलाव के साथ उतरी है। वहीं दूसरी मैच से तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है। जो दिग्गजों को रास नहीं आ रहा है। जसप्रीत बुमराह के टीम से बाहर रहने पर गेंदबाजी डिपार्टमेंट काफी कमजोर लगता है, पिछले मैच में बुमराह ने सबसे शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट चटकाए थे। अब उनको बाहर बैठाने वाले फैसले परे कई पूर्व दिग्गज भारतीय कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल पर भड़कते हुए दिखाई दे रहे हैं। दरअसल वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते बुमराह को दूसरे मैच के लिए आराम दिया गया है, लेकिन पहले मैच के बाद दूसरे मैच तक खिलाड़ियों को काफी दिन का आराम मिल चुका था ऐसे में पूर्व दिग्गजों का मानना है कि बुमराह को खिलाया जा सकता था।

इस फैसले पर भड़कते हुए टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने कहा इस मैच में बुमराह का खिला सकते थे, अगर टीम इंडिया जीत जाती तो सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ जाती, उसके बाद उनका वर्कलोड मैनेज किया जा सकता था। ये सीरीज के नजरिये से काफी अहम मुकाबला है और बुमराह को ये मैच खेलना चाहिए थे। इस मैच में बुमराह की जगह आकाश दीप को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया है।

13 महीने के अंदर दूसरे कोच ने तोड़ा भारतीय फुटबॉल टीम से नाता

मनोलो मार्केज ने छोड़ा पद

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल टीम के कोच मनोलो मार्केज ने अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) के साथ 'आपसी सहमति' से पद से इस्तीफा दे दिया है। 13 महीने के अंदर दूसरे कोच ने भारतीय फुटबॉल टीम से नाता तोड़ लिया है।

इससे पहले इगोर स्टिमैक को राष्ट्रीय संघ ने पिछले साल कोच पद से बर्खास्त किया था।

55 वर्षीय मार्केज को पिछले साल अगस्त में राष्ट्रीय पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

एआईएफएफ ने उन्हें तीन साल के लिए राष्ट्रीय टीम का कोच बनाया था।

हालांकि, अचानक से उन्होंने एआईएफएफ से आपसी सहमति के बाद इस्तीफा दे दिया।

डब्ल्यूडब्ल्यूई दिग्गज बतिस्ता की बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन के मुरीद हुए जॉन सीना

सलाम कर महान होने का पहनाया तमगा

खेल डेस्क, 3 जुलाई (एजेंसियां)। डब्ल्यूडब्ल्यूई नाइट ऑफ चैंपियंस2025 में जॉन सीना ने सीएम पंक को हराकर अनडिस्प्यूटेड चैंपियनशिप रिटेन की थी. सीना का हील रन मौजूदा समय में जबरदस्त चल रहा है. 2 जुलाई को उनकी हेड्स आर्फ स्टेट मूवी भी रिलीज हो गई है. इसे लेकर वह काफी चर्चा में हैं. सीना ने इस बार दिग्गज बतिस्ता को लेकर दिल छू देने वाला बयान दिया है.

56 साल के बतिस्ता ने 2019 में डब्ल्यूडब्ल्यूई से रिटायरमेंट ले लिया था. वह हॉलीवुड के भी बहुत बड़े स्टार हैं. बतिस्ता तारीफ के पूरे हकदार हैं. उन्होंने कई अलग-अलग किरदार निभाकर बताया है कि उनमें एक्टिंग की तगड़ी क्षमता है. वह कुछ बड़ी फिल्म फ्रेंचाइजी का भी हिस्सा रहे हैं.

सीना ने बतिस्ता की बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन की तारीफ करते हुए कहा, "मुझे नो होल्ड्स बार्ड और द लिव पसंद है. इसलिए रॉडी पाइपर, शायद हल्क होगन. मै सम्मान वहीं दूंगा जहां इसे अर्जित किया जाता है. डेव बतिस्ता. उनमें एक रेंज है और अब उन्होंने अपने पूरे शरीर को बदल दिया है. बतिस्ता पर नजर रखें. उन्होंने जो पहले काम किया है वह जबरदस्त है. लेकिन जहां तक रेसलर से एक्टर बनने की बात है तो मेरी नजर में सबसे महान बतिस्ता हैं". जॉन सीना का मौजूदा समय में रिटायरमेंट टूर चल रहा है. इस साल की शुरुआत में उन्होंने मेंस रॉयल रंबल मैच में एक्शन दिखाया था. जे उसो ने उन्हें एलिमिनेट किया था. एलिमिनेशन छांबर में उन्होने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया था. उन्होंने द रॉक के इशारे पर कोडी रोड्स के ऊपर हील टर्न लिया था. रेसलमेनिया 41 में सीना ने कोडी के 378 दिनों के टाइटल रन का अंत भी किया. इसके बाद से वह रैंडी ऑर्टन, आर-ट्रुथ और सीएम पंक जैसे दिग्गजों को हरा चुके हैं. सीना के रिटायरमेंट टूर के अंत में अब ज्यादा समय नहीं बचा है.

खड़गे की सभा में 40 हजार से अधिक पार्टी कार्यकर्ता शामिल होंगे : टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने घोषणा की है कि शुक्रवार 4 जुलाई को हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में होने वाले जय बापू, जय भीम और जय संविधान कार्यक्रम में गांव, मंडल और जिला अध्यक्षों के साथ-साथ मंत्रियों, विधायकों, सांसदों और निगम अध्यक्षों सहित 40,000 से अधिक पार्टी कार्यकर्ताओं के शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और अन्य प्रमुख नेता पार्टी सदस्यों की बड़ी सभा को संबोधित करेंगे और गांव के अध्यक्षों को मार्गदर्शन देंगे। गुरुवार को गांधी भवन में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान महेश कुमार गौड़ ने बीआरएस एमएलसी कविता की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने बीसी आरक्षण बिल के संबंध में एआईसीसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे को पत्र लिखा है। उन्होंने उनके कार्यों को असामान्य बताया।

क्या कविता ने जागृति की ओर से पत्र लिखा है? यह अनिश्चित है कि उन्होंने बीआरएस का प्रतिनिधित्व करते हुए पत्र लिखा है या नहीं। मुझे एआईसीसी अध्यक्ष को पत्र लिखने पर शर्मिंदगी महसूस हो रही है। जब बीआरएस एक दशक तक सत्ता में रही, तब उनकी क्या भूमिका थी? पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने वास्तव में स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण कम किया था, है न? क्या आप पिछले दस वर्षों में कविता द्वारा बीसी मुद्दों पर चर्चा करने का एक भी उदाहरण दे सकते हैं? टीपीसीसी प्रमुख ने कहा कि कविता राजनीतिक शून्यता में अपने अस्तित्व के लिए बीसी का नाम जप रही हैं और उन्हें बीसी के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस पार्टी एससी, एसटी और बीसी समुदायों का समर्थन करती है, जिसने स्थानीय निकायों, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में बीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण हासिल किया है। कविता शराब घोटाले के कारण जेल गई है, जबकि कांग्रेस पार्टी बीसी की ओर से वकालत कर रही है। महेश कुमार गौड़ ने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि भाजपा ने किसी बीसी नेता को राज्य अध्यक्ष के रूप में नियुक्त नहीं किया है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सामाजिक न्याय केवल कांग्रेस पार्टी के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है।

आभूषण, नगदी लेकर चोर फरार

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बताया कि अज्ञात हमलावरों ने बुधवार को राजेंद्रनगर स्थित एक घर में घुसकर सोने के आभूषण और नकदी लूट ली, जबकि परिवार घर से बाहर था। चोरी की यह घटना कृष्णानगर कॉलोनी में स्वप्ना के घर पर हुई। स्वप्ना अपने बेटे का जन्मदिन मनाने के लिए एक रिश्तेदार के घर गई थी।

रात को घर लौटने पर परिवार ने पाया कि घर में चोरी हो गई है और 21 तोले सोने के गहने और 1 लाख रुपये नकद गायब हैं। स्वप्ना ने राजेंद्रनगर पुलिस को चोरी की सूचना दी, जिन्होंने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि वे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं और अपराधियों का पता लगाने के लिए घर-घर जाकर पूछताछ कर रहे हैं।

नई एचटी सेवाओं के लिए ऑटो एस्टीमेट सॉफ्टवेयर : सीएमडी फारुकी

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी ने अपने उपभोक्ताओं को तेजी से कुशल और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करने के लिए 33 केवी नई एचटी सेवा अनुप्रयोगों के लिए एक ऑटो एस्टीमेट सॉफ्टवेयर सिस्टम विकसित किया है, यह जानकारी टीजीएसपीडीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुशर्रफ फारुकी ने दी। इस प्रणाली के तहत, एक नई एचटी सेवा के लिए आवेदन करने के बाद, हाई टेंशन कंज्यूमर सर्विस कनेक्शन (एचटीसीएसएस) सिस्टम जीआईएस निर्देशांक एकत्र करता है और एसएएस ऐप के माध्यम से कंपनी के कॉर्पोरेट कार्यालय में मुख्य अभियंता (वाणिज्यिक) को सीधे विवरण भेजता है। एक बार जब जानकारी कॉर्पोरेट कार्यालय में पहुंच जाती है, तो एसएएस ऐप के माध्यम से सीधे एक अनुमान तैयार किया जाता है। अनुमान स्वीकृत होने के बाद, एक डिमांड नोटिस स्वचालित रूप से तैयार किया जाता है और एसएमएस और ईमेल के माध्यम से उपभोक्ता को भेजा जाता है।

ऑटो एस्टीमेट की स्वीकृति एसएमएस के माध्यम से संबंधित एडीई, डीई और एसई संचालन कर्मचारियों को बताई जाती है। इस एकल-खिड़की प्रक्रिया से यह सुनिश्चित होता है कि सभी स्वीकृतियां कम से कम समय में जारी की जाएं। इस अवसर पर बोलते हुए, मुशर्रफ फारुकी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के नेतृत्व में, राज्य सरकार की फ्यूचर सिटी और औद्योगिक विस्तार जैसी पहल तेलंगाना कोर शहरी क्षेत्र को आर्थिक गतिविधियों के केंद्र में बदल रही है। नए उद्योगों और सॉफ्टवेयर कंपनी प्रबंधनों की सुविधा के लिए, कंपनी ने एचटी कनेक्शनों तक आसान पहुंच के लिए ऑटो एस्टीमेट सॉफ्टवेयर सिस्टम पेश किया है। उन्होंने कहा कि इच्छुक उद्यमी बिना किसी बिचौलिए के सीधे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और आवेदन जांच के लिए मुख्यालय पहुंचेंगे। वरिष्ठ अधिकारी कनेक्शनों के लिए अनुमान तैयार करेंगे और विवरण ईमेल के माध्यम से संबंधित प्रबंधन के साथ साझा किए जाएंगे। यह प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और त्वरित पूर्णता सुनिश्चित करती है, जिससे इच्छुक उद्योगपतियों को काफी सुविधा मिलती है, मुशर्रफ फारुकी ने खुलासा किया।

कविता ने 42 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण के समर्थन में 'रेल रोको' पोस्टर का अनावरण किया

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता ने 17 जुलाई को जागृति द्वारा आयोजित आगामी रेल रोको के लिए एक पोस्टर का अनावरण किया। इस पहल का उद्देश्य संसद से पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक को मंजूरी देने की मांग करना है। बाद में, गुरुवार को अपने आवास पर मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने बताया कि रेल रोको आंदोलन तेलंगाना से दिल्ली आने वाली सभी ट्रेनों को रोक देगा, जिसका उद्देश्य विरोध को प्रभावी बनाना है। कविता ने कहा, हमारा इरादा पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक पारित करने के लिए भाजपा पर दबाव डालना है।

बीआरएस एमएलसी ने यह भी उल्लेख किया कि उनके पास एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को एक पत्र है, जिसमें उनसे शिक्षा, रोजगार और स्थानीय निकायों में पिछड़ा वर्ग (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी देने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव डालने का आग्रह किया गया है। यह पहल इसी तरह के एक पत्र के बाद की गई है, जिसे उन्होंने तेलंगाना भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष एन रामचंदर राव को भेजा था, जिसमें उन्होंने इस मुद्दे को प्राथमिकता देने के लिए कहा था। कविता ने कहा कि विरोध प्रदर्शन को बीआरएस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों का समर्थन मिला है। इस मामले पर बीआरएस के आधिकारिक रुख के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने जोर दिया, बीआरएस एमएलसी के रूप में, मैं अपनी पार्टी की मंजूरी के बिना इस प्रदर्शन में भाग नहीं लूंगी। कविता ने खड़गे की तेलंगाना यात्रा की आलोचना करते हुए तर्क दिया कि लंबे समय से चले आ रहे बीसी आरक्षण मुद्दे से निपटने के बिना यह अपर्याप्त था।

उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि न तो खड़गे और न ही सोनिया, राहुल या प्रियंका गांधी ने कभी संसद में बीसी अधिकारों को उठाया। बीआरएस एमएलसी ने स्थानीय निकाय चुनावों के लिए पुरानी जानकारी पर निर्भर रहने के बजाय राज्य सरकार द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर एकत्र किए गए जाति जनगणना के आंकड़ों को तत्काल जारी करने का आग्रह किया।

कोंडा दंपत्ति ने मीनाक्षी नटराजन से मुलाकात की

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस के भीतर आंतरिक संघर्ष उस समय और बढ़ गया जब पूर्व एमएलसी कोंडा मुरली और वन मंत्री कोंडा सुरेखा ने गुरुवार को हैदराबाद में एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन से मुलाकात की। खबर है कि दंपत्ति ने नटराजन को 16 पन्नों का एक पत्र सौंपा, जिसमें उन्होंने पार्टी की वारंगल इकाई के भीतर परेशान करने वाले घटनाक्रमों का उल्लेख किया। यह मुलाकात मुरली की हाल ही में टीपीसीसी अनुशासन समिति के समक्ष पेशी के बाद हुई, जो पूर्ववर्ती वारंगल जिले के पूर्व कांग्रेस विधायकों की शिकायत पर हुई थी। विधायकों ने पूर्व एमएलसी पर अनुचित टिप्पणी करने और अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में संबंधित मुद्दों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया। मुरली ने बाद में एक जवाबी शिकायत प्रस्तुत की, जिसमें आरोप लगाया गया कि शिकायतकर्ता विधायक पार्टी के लिए हानिकारक गतिविधियों में शामिल थे।

पार्टी के भीतर बढ़ते संघर्ष के बीच, कोंडा दंपत्ति ने स्थिति पर अपना दृष्टिकोण साझा करने के लिए विधायक कार्टर में नटराजन से मुलाकात की। बाद में मीडिया से बातचीत में, मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि उन्होंने मीनाक्षी को जिले की परिस्थितियों के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनका उद्देश्य कांग्रेस पार्टी के विकास को बढ़ावा देना और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भविष्य में प्रधानमंत्री के पद पर आसीन करना है। कोंडा सुरेखा ने विश्वास व्यक्त किया कि कांग्रेस पार्टी आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में बहुमत हासिल करके अपनी ताकत का प्रदर्शन करेगी। कोंडा सुरेखा ने टिप्पणी की, यह उनकी बेटी के राजनीति में प्रवेश पर चर्चा करने का सही समय नहीं है। हालांकि, वह आगामी चुनावों में भाग लेने पर विचार कर रही हैं।

यदि नेतृत्व उन्हें अवसर प्रदान करता है, तो वह निश्चित रूप से भाग लेंगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वे पार्टी लाइन का उल्लंघन नहीं करेंगे और पार्टी की ताकत को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। कोंडा मुरली ने दावा किया कि उन्होंने उचित तरीके से काम किया है और निश्चित रूप से हाईकमान के निर्देशों का पालन करेंगे। उन्होंने कहा, मैं किसी से नहीं डरूंगा। मैं कांग्रेस पार्टी हाईकमान द्वारा लिए गए किसी भी फैसले का सम्मान करूंगा। मुरली ने पिछड़े वर्गों के कल्याण और प्रगति के प्रति अपने समर्पण पर जोर दिया। उन्होंने वारंगल कांग्रेस के भीतर गुटबाजी के आरोपों को खारिज कर दिया और उन दावों को खारिज कर दिया कि वे अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में हस्तक्षेप कर रहे हैं।

तेज रफ्तार बाइक खड़ी लॉरी से टकराई, 2 लोगों की मौत

कामारेड्डी, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात पेद्दा कोडपगल मंडल में जगन्नाथपल्ली के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-161 पर खड़ी एक लॉरी से तेज रफ्तार मोटरसाइकिल के टकरा जाने से दो व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई तथा एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, टक्कर लगने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को पीतलाम के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि मृतकों और घायलों की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

छात्र को सांप ने काटा, दहशत में छात्र

जगतियाल, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापुर गुरुकुलम स्कूल में गुरुवार को सांप के काटने का एक और संदिग्ध मामला सामने आया, जिससे छात्रों, अभिभावकों और कर्मचारियों में दहशत फैल गई। कक्षा 8 के छात्र नवनीत को कथित तौर पर सांप ने काट लिया।

हालांकि अभी तक यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि उसे सांप ने काटा है या नहीं, लेकिन उसके एक पैर पर काटने के दो निशान पाए गए हैं। स्कूल स्टाफ ने उसे कोरुटला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

दुर्घटना में वनापर्थी के दो तीर्थयात्रियों की मौत

वनापर्थी, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तमिलनाडु में सलेम के पास बुधवार को एक सड़क दुर्घटना में वनापर्थी जिले के दो निवासियों की मौत हो गई। पीड़ित वनापर्थी के एक समूह का हिस्सा थे जो केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक की एक सप्ताह की तीर्थयात्रा पर निकले थे। दुर्घटना तब घटी जब जिस कार में वे यात्रा कर रहे थे वह सलेम के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसके परिणामस्वरूप दो यात्रियों की मृत्यु हो गई। मृतकों में से एक की पहचान युगांधर रेड्डी के रूप में हुई है, जो स्वास्थ्य विभाग का कर्मचारी था और पेद्दा मंदाडी मंडल के डोडागुंटापल्ली गांव का मूल निवासी था। दूसरी पीड़िता कोत्ताकोटा मंडल के पमपुरम गांव की एक महिला थी, जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। कार में सवार तीसरे व्यक्ति को गंभीर चोटें आई हैं और उसका इलाज चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, समूह का नेतृत्व कोत्ताकोटा मंडल के पालेम में साईं ढाबा के मालिक राजवर्धन रेड्डी कर रहे थे। तीर्थयात्री दो समूहों में बंट गए थे, कुछ लोग मिनी बस से यात्रा कर रहे थे जबकि अन्य कार में थे। सलेम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मूसलाधार बारिश से कोयला उत्पादन प्रभावित, सड़कें अवरुद्ध

खम्मम, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है और पूर्ववर्ती खम्मम जिले में सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) की विभिन्न खुली खदानों में कोयला उत्पादन बाधित हुआ है। येलंडु क्षेत्र में कोयागुडेम, मनुगुर, किस्टाराम और कोत्तागुडेम क्षेत्र में जेवीआर ओपनकास्ट खदानों सहित कई खुली खदानों में जलभराव की सूचना मिली है। ढलाई वाली सड़कें फिसलन भरी और कीचड़ भरी हो गई हैं, जिसके कारण कोयला खनन कार्यों को अस्थायी रूप से निलंबित करना पड़ा है।

प्रतिष्ठित पैगाह पैलेस में फिल्म शूटिंग में गिरावट से बढ़ी रखरखाव की चिंता

हैदराबाद, 3 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के प्रसिद्ध ऐतिहासिक पैगाह पैलेस में फिल्म शूटिंग से जुड़ी सामान्य चहल-पहल में हाल के दिनों में भारी कमी आई है। बेगमपेट में स्थित ऐतिहासिक स्थल पैगाह पैलेस अपनी वास्तुकला की खूबसूरती और सांस्कृतिक महत्व के लिए जाना जाता है। कभी यह ऐतिहासिक इमारत (जो टॉलीवुड की कई शूटिंग के लिए पसंदीदा स्थान हुआ करती थी) अब कम सक्रियता का अनुभव करती है। फिल्म निर्माण गतिविधियों में गिरावट ने स्थानीय अर्थव्यवस्था और क्षेत्र की जीवंत प्रकृति को प्रभावित किया है। महल, जो कई वर्षों से एक लोकप्रिय फिल्मांकन स्थान के रूप में कार्य करता रहा है, अब कम आगंतुकों और क्रू सदस्यों को देख रहा है।

हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए), जो महल का संरक्षक है, भारी लागत पर परिसर का रखरखाव जारी रखता है। हालांकि, रखरखाव पर भारी मात्रा में खर्च करने वाला प्राधिकरण, विशाल परिसर में फिल्म निर्माण से होने वाली आय में भारी गिरावट से नाराज है। अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास कार्यालय ने 2008 से पैगाह पैलेस का उपयोग किया, जब तक कि यह मार्च 2023 में नानकरामगुडा में नए परिसर में स्थानांतरित नहीं हो गया। तब से, एचएमडीए पैगाह पैलेस में फिल्म शूटिंग की अनुमति दे रहा है और किराया शुल्क वसूल रहा है।

उन्होंने कहा, बड़े सितारों की फिल्मों से प्रतिदिन 10 लाख रुपये किराया मिल रहा है, जबकि अन्य के लिए यह 3 से 5 लाख रुपये है। एचएमडीए बिल्डिंग रखरखाव के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 5 लाख रुपये की जमानत राशि की आवश्यकता है, जो शूटिंग के दौरान इमारत को हुए किसी भी नुकसान की जांच के बाद वापस कर दी जाएगी। अधिकारी ने कहा, एचएमडीए पैगाह पैलेस के रखरखाव के लिए प्रति वर्ष लगभग 1 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है, लेकिन फिल्म शूटिंग के जरिए प्रति वर्ष 10 से 15 लाख रुपये से अधिक की कमाई नहीं हो रही है।

पैगाह पैलेस अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के स्थानांतरण के बाद खाली हो गया था, इसलिए इस प्रमुख स्थान पर महल के उपयोग के लिए कई योजनाएं बनाई गईं। जिन विचारों पर विचार किया गया उनमें कांग्रेस सरकार द्वारा इसे हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) कार्यालय के रूप में उपयोग करना और यहां तक कि तेलंगाना राज्य संग्रहालय की स्थापना करना भी शामिल था।

यूनियन बैंक Union Bank of India
UNION BANK OF INDIA
Regional Office, Union Bank Building,
1st Floor, Seethammadhara, Visakhapatnam-13. Ph : 0891-2546717
E-mail id : operations.vizag@unionbankofindia.bank
PREMISES REQUIRED FOR LEASE
Premises required on rent / lease for Offices / Branch at Mangamaripeta admeasuring minimum 1200 sft (plus or minus 10% sft) preferably on ground floor in ready possession with adequate parking space. Interested parties are requested to contact the above address for details and submit their offers in envelope in the proforma containing Technical bid & Financial bid kept in a single sealed cover marked Bank Premises to the above address. For further details, please visit Bank's website www.unionbankofindia.co.in/tenders.gov.in. Last date for submission of bids in prescribed format is Extended from 28.06.2025 to 10.07.2025 upto 4 pm.
BANK RESERVES THE RIGHT TO REJECT ANY / ALL OFFERS WITHOUT ASSIGNING ANY REASON. No brokerage will be paid by the Bank.
Sd/- Regional Head

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.